www.epaper.azadsipahi.in

28 नवंबर, 2025
मार्गशीर्ष, शुक्ल पक्ष, अष्टमी
संवत 2082
पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹3.00

कलम कलम बढ़ाये जा

आजाद सिपाही

रांची
शुक्रवार, वर्ष 11, अंक 40

नौकरी के साथ-साथ स्वरोजगार को भी दे रहे बढ़ावा : हेमंत सोरेन

मंईयां सम्मान ₹2500

अधिवक्ताओं और राज्यकर्मियों के लिए स्वास्थ्य बीमा

झारखण्ड राज्य विस्थापन एवं पुनर्वास आयोग का गठन

रांची में हाईटेक फ्लाईओवर

झारखण्ड फ़्लाईंग इंस्टिट्यूट शुरू

520 बेड बहुमंजिला छात्रावास का निर्माण शुरू

महिला महाविद्यालय, डिग्री कॉलेज एवं राजकीय अभियंत्रण महाविद्यालयों के निर्माण की स्वीकृति

पहले मिल्क पाउडर प्लांट की आधारशिला

फूलो झानो आशीर्वाद अभियान से 40 हजार महिलाओं को करोड़ों रुपए की मदद

2 लाख 80 हजार से अधिक SHGs को ₹17,374 Cr क्रेडिट लिंकेज

हजारों स्टूडेंट्स को गुरुजी स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड का लाभ

पलाश ब्रांड से ₹56.47 Cr का व्यापार

झारखण्ड 25 अनंत संभावनाओं की ओर

भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती एवं रजत पर्व पर भव्य आयोजन

राजस्व निरीक्षक, स्नातकोत्तर प्रशिक्षित शिक्षक, सहायक शिक्षक, प्रयोगशाला सहायकों, स्नातक प्रशिक्षित शिक्षक, चिकित्सा पदाधिकारियों, विधि सहायक आदि अंतर्गत विभिन्न विभागों में हजारों नियुक्तियां

मुख्यमंत्री फेलोशिप योजना

खूंटी, चाईबासा एवं चांडिल में BAR COUNCIL BULIDING का शिलान्यास

मानकी मुंडा छात्रवृत्ति योजना

स्कूलों में STEM एवं SCIENCE लैब की स्थापना

राज्य में नए 800 MW बिजली का उत्पादन

इको टूरिज्म को बढ़ावा

4th SAAF CHAMPIONSHIP 2025 का आयोजन

हेमन्त सरकार के

प्रथम वर्षगांठ

पर चयनित हजारों अभ्यर्थियों का

नियुक्ति पत्र वितरण समारोह

28 नवंबर, 2025
अपराह्न 12:15 बजे से
मोरहाबादी मैदान, रांची

स्कैन करें और इस समारोह के सहभागी बनें!

अध्यक्षता

श्री हेमन्त सोरेन
माननीय मुख्यमंत्री, झारखण्ड

सम्मानित अतिथि

श्री राधा कृष्ण किशोर माननीय मंत्री	**श्री दीपक बिरुवा** माननीय मंत्री	**श्री चमरा लिण्डा** माननीय मंत्री
श्री संजय प्रसाद यादव माननीय मंत्री	**श्री इरफान अंसारी** माननीय मंत्री	**श्री हफीज़ूल हसन** माननीय मंत्री
श्रीमती दीपिका पाण्डेय सिंह माननीय मंत्री	**श्री योगेन्द्र प्रसाद** माननीय मंत्री	**श्री सुदिव्य कुमार** माननीय मंत्री

श्रीमती शिल्पी नेहा तिर्की
माननीय मंत्री

हेमन्त सोरेन
मुख्यमंत्री, झारखण्ड

सूचना एवं जनसंपर्क विभाग, झारखण्ड सरकार

P.R. 367263 (IPRD) 25-26

हेमंत 2.0 : मजबूत इच्छाशक्ति, प्रशासनिक कौशल और राजनीतिक सूझबूझ का परिचय

■ हेमंत पर जनता का भरोसा प्रगाढ़, यही है उनकी सरकार की असली कुंजी

■ जनता जानती है, हेमंत है, तो हर राह आसान, भले उनके सामने चुनौतियां कई

■ हेमंत हर चुनौती से लड़े हैं, जिये हैं, आंख में आंख डालकर उनका सामना किया है

राकेश सिंह
संपादक

एक साल पहले 28 नवंबर, 2024 को झारखंड के 13वें मुख्यमंत्री के रूप में जब हेमंत सोरेन शपथ ले रहे थे, तो उन्हें पता था कि उनकी दूसरी पारी में भी उन्हें कई चुनौतियों का सामना करना पड़ेगा। लेकिन वह इसके लिए कमर कस चुके थे। अपनी पहली पारी में 29 दिसंबर 2019 को जब हेमंत सीएम की कुर्सी पर बैठे थे, तो राज्य का खजाना लगभग खाली था। राज्य में विकास का पहिया पूरी तरह से रुका पड़ा था और व्यवस्था बेपटरी हो चुकी था। लेकिन धीरे-धीरे हेमंत सोरेन ने इस कांटों भरे ताज को एक खूबसूरत जिम्मेदारी में बदल दिया और झारखंड को पटरी पर लाने का बेहद चुनौतीपूर्ण काम करना शुरू किया। फिर जब उनकी पहली सरकार अपने कार्यकाल के अंतिम दौर में थी, अचानक एक प्रशासनिक बवंडर उठा और हेमंत के बढ़ते कदम को बलपूर्वक रोक दिया गया। लेकिन झारखंड की जनता ने इस अवरोध को तोड़ कर हेमंत पर एक बार फिर भरोसा जताया। हेमंत सोरेन में जनता के अटूट विश्वास ने उन्हें दोबारा सत्ता सौंप दी। इसके बाद पिछले एक साल में हेमंत सोरेन ने हिम्मत दिखायी और एक-एक कर सामने आनेवाली चुनौतियों से निपटने के लिए रणनीति बना कर काम शुरू किया। आज जब हेमंत सोरेन सरकार अपनी दूसरी पारी का एक साल पूरा कर रही है, यह जानना दिलचस्प है कि यह सरकार कैसा काम कर रही है। पिछले एक साल के दौरान सभी मोर्चों पर जूझते हुए मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने चुनौतियों का सफलता से सामना किया और नतीजा सामने है। मुसीबत की इस घड़ी में उन्होंने न केवल खुद को राजनीति का एक माहिर खिलाड़ी साबित किया, बल्कि प्रशासनिक मोर्चे पर भी तमाम भविष्यवाणियों को गलत साबित कर दिया। यह कहना गलत नहीं होगा कि पिछले एक साल में झारखंड ने कई उपलब्धियां हासिल की हैं। उन्होंने 2019 में आश्वस्त किया था कि वह बदले की भावना से कोई काम नहीं करेंगे। उनका लक्ष्य सिर्फ राज्य को विकासशील बनाने का होगा। इस भरोसे को उन्होंने आज तक कायम रखा है। उन्होंने कहा था कि अब हर फैसला झारखंड के हितों को ध्यान में रख कर किया जायेगा और उनका यह वादा पिछले एक साल के दौरान भी जारी रहा है। उनका एक भी फैसला राज्य हित के खिलाफ नहीं गया है।

चुनौतियों एक डट कर सामना किया

2019 में अपनी सरकार के शुरूआती दिनों में ही हेमंत सोरेन को पता चल गया था कि झारखंड के सामने समस्याएं बड़ी हैं, सरकार के सामने चुनौतियां विकराल हैं और संसाधनों का भयंकर अभाव। तमाम अवरोधों के बावजूद हेमंत ने आगे कदम बढ़ाया और अपनी मजबूत इच्छाशक्ति, प्रशासनिक कौशल और राजनीतिक सूझबूझ से अवरोधों को एक-एक कर हटाया। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने झारखंड के विकास का ऐसा ब्लूप्रिंट तैयार किया, जिससे झारखंड को उसकी विरासत के गौरव के साथ विकास का रास्ता तय करने में आसानी हो। बिरसा हरित ग्राम योजना, नीलांबर-पीतांबर जल समृद्धि योजना और वीर शहीद पोटो हो खेल विकास योजना के माध्यम से 25 करोड़ मानव दिवस का सृजन करने और 20 हजार करोड़ रुपये पारिश्रमिक के रूप में देने का लक्ष्य निर्धारित किया गया। इन योजनाओं के कारण झारखंड को पलायन और मानव तस्करी के कलंक से छुटकारा मिल गया है। इन सबके बीच हेमंत सोरेन सरकार भ्रष्टाचार पर भी बहुत चोट कर रही है। अभी तक तीन सौ के करीब अधिकारियों और कर्मचारियों के खिलाफ भ्रष्टाचार के आरोपों में कार्रवाई हो चुकी है। इनमें से कई सलाखों के पीछे भी हैं। हेमंत सोरेन जब मुख्यमंत्री बने थे, तो गरीबों और जरूरतमंदों में एक उम्मीद और आस जगी थी। सभी लोग अपनी उम्मीद लेकर सीएम से मिलते रहे और हेमंत भी सभी की उम्मीदों पर खरा उतरने का हरसंभव प्रयास कर रहे हैं।

आम लोगों के दरवाजे पर पहुंचा प्रशासन

हेमंत सोरेन सरकार ने अपनी दूसरी पारी के पहले साल में ही बता दिया है कि प्रशासनिक व्यवस्था में उसका जोड़ नहीं है। हेमंत सोरेन सरकार ने पहले कार्यकाल में ही एक अभियान शुरू किया था। इसका नाम था, आपकी योजना, आपकी सरकार, आपके द्वार। इसका दूसरा चरण राज्य के 23वें स्थापना दिवस के दिन शुरू किया गया था। इस बार राज्य स्थापना की रजत जयंती पर 'सेवा अधिकार सप्ताह' के नाम से इस योजना का तीसरा संस्करण चलाया जा रहा है। देश के किसी भी राज्य में अपनी तरह का यह पहला अभियान है। यह अभियान आज एक प्रशासनिक क्रांति का रूप ले चुका है और पहली बार लग रहा है कि सरकार में कुछ काम हो रहा है। झारखंड के लोगों के लिए यह एकदम नया अनुभव है। जिस राज्य को राजनीतिक प्रयोगशाला बना कर यहां केवल कागजी घोड़े दौड़ाये गये और भ्रष्टाचार के घोड़े पर सवार बेलगाम नौकरशाही के बोझ तले कराहने के लिए छोड़ दिया गया था, उस राज्य में यह सब एक सपना ही है। इसका कारण यह है कि हेमंत सोरेन ने लगातार दूसरी बार सवा तीन करोड़ झारखंडियों की अगुवाई करने का जो भार अपने कंधों पर लिया था, उसे वह बखूबी निभा रहे हैं। 'आपकी योजना-आपकी सरकार-आपके द्वार' अभियान की आज पूरी दुनिया में चर्चा हो रही है और इसके जरिये सरकार के इकबाल और शासन करने का असली मतलब लोगों के सामने आने लगा है। झारखंड को मिली इस नयी ताकत के कारण राज्य के सपने अब अंगड़ाई लेने लगे हैं।

आम जनता की सरकार

यह तो सभी जानते हैं कि झारखंड के सामने समस्याएं बड़ी हैं, सरकार के सामने चुनौतियां विकराल हैं और संसाधनों का भयंकर अभाव है। तमाम अवरोधों के बावजूद राज्य ने आगे कदम बढ़ाया और हेमंत ने अपनी मजबूत इच्छाशक्ति, प्रशासनिक कौशल और राजनीतिक सूझबूझ से अवरोधों को एक-एक कर हटाया। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने अपनी सरकार की कार्यशैली पर नाक-भौं सिकोड़नेवालों को बता दिया है कि प्रशासन कैसे चलाया जाता है। उन्होंने सिर्फ इतना किया कि प्रशासन को आम लोगों और जरूरतमंदों के दरवाजे पर लाकर खड़ा कर दिया। झारखंड के लिए यह एक बड़ा और क्रांतिकारी बदलाव है। वाकई झारखंड का सिस्टम तो कुछ मुट्ठी भर लोगों के पास बंधक बना था। इन लोगों ने

आजाद सिपाही खास

पूरे सिस्टम को अपने हित में चला रखा था। आम लोगों की बदौलत चलनेवाली व्यवस्था पूरी तरह से पंगु बना दी गयी थी। बिजली, पानी, स्वास्थ्य, सड़क, कृषि, कानून-व्यवस्था और वे तमाम विभाग, जो आम लोगों से सीधे जुड़े थे, कुछ मुट्ठी भर लोगों के इशारों पर काम कर रहे थे। पिछले चार साल में यह सब बदल चुका है। अब शासन में न तो राजनीति को घुसने दिया जा रहा है और न ही प्रशासन को बेलगाम होने का मौका ही मिल रहा है। राज्य के सिस्टम में जड़ जमा चुकी गड़बड़ियों को दूर करने के लिए व्यापक कदम उठाये गये।

तेजी से बदल रही है झारखंड की तस्वीर

हेमंत सोरेन के नेतृत्व वाली दूसरी सरकार ने पिछले एक साल में कई ऐसी योजनाएं लागू की हैं, जिनसे झारखंड की तस्वीर तेजी से बदल रही है। सरकार ने महिला सशक्तिकरण, महिला शिक्षा, विद्यार्थियों, युवाओं, किसानों और कर्मचारियों की बेहतरी की दिशा में कई कदम बढ़ाये हैं। मंईयां सम्मान योजना का शानदार कार्यान्वयन आज देश-दुनिया में एक उदाहरण बन चुका है। इसके अलावा सावित्रीबाई फुले किशोरी समृद्धि योजना, गुरुजी स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड योजना, झारखंड एकलव्य प्रशिक्षण योजना, मुख्यमंत्री सूखा राहत योजना, मुख्यमंत्री सारथी योजना, मुख्यमंत्री शिक्षा प्रोत्साहन योजना, पुरानी पेंशन योजना और मरंग गोमके जयपाल सिंह पारदेशीय छात्रवृत्ति योजना की शुरूआत की है।

आर्थिक मोर्चे पर बहुत काम हुआ

अब बात अर्थव्यवस्था की। झारखंड के विकास की लगातार दौड़ रही गाड़ी के पीछे भी हेमंत सोरेन का विजन ही है। 2019 में जब हेमंत सोरेन ने मुख्यमंत्री का पद संभाला था, तब राज्य के खजाने की हालत बहुत अच्छी नहीं थी। पहले अपनी पहली पारी में और अब दूसरी पारी के एक साल में हेमंत सोरेन सरकार ने इस मोर्चे पर बहुत काम किया है। इस बात में भी कोई शक नहीं कि इस सरकार ने राज्य हित में कई ऐसे कदम उठाये हैं, जिनका अर्थव्यवस्था पर दूरगामी असर पड़ना निश्चित है। हेमंत सोरेन सरकार ने 2019 में जब सत्ता संभाली थी, तब राज्य का खजाना लगभग खाली था और सामान्य कामकाज के लिए भी रकम की व्यवस्था इधर-उधर से की जा रही थी। जीएसटी संग्रह और केंद्रीय करों में राज्य के हिस्से से रोजाना का खर्च तो चल रहा था, लेकिन विकास योजनाओं के लिए पैसे की कमी से राज्य जूझ रहा था। ऐसे में हेमंत सोरेन सरकार की पहली चुनौती फिजूलखर्ची पर रोक लगाने की थी। इस चुनौती का सामना राज्य सरकार ने सफलता से किया। अपनी दूसरी पारी में हेमंत सोरेन अपनी इसी नीति पर चल रहे हैं। और झारखंड की आर्थिक स्थिति आज अच्छी नहीं, तो खराब भी नहीं है। हेमंत सरकार ने बजट में जहां कुछ विभागों के आवंटन में कटौती की, वहीं लोक कल्याण और विकास से जुड़े विभागों का आवंटन बढ़ाने में कोताही नहीं की। हेमंत सरकार ने अपना इरादा जाहिर कर दिया कि वह चुनौतियों का सामना करने से पीछे नहीं हटेगी। इसके बाद इस सरकार ने आमदनी बढ़ाने पर ध्यान दिया। इसके लिए कुछ ऐसे कड़े फैसले लिये गये। लेकिन बाद में इन फैसलों की उपयोगिता साबित हुई। इन फैसलों से ही राज्य के खजाने में अतिरिक्त आमद हुई। हेमंत सोरेन सरकार ने इन कदमों के साथ-साथ यह भी सुनिश्चित किया है कि विकास योजनाओं में धन की कमी को बाधा नहीं बनने दिया जाये। इसके लिए उसे केंद्रीय सहायता की सख्त जरूरत थी। राजनीतिक कारणों से केंद्र से अपेक्षित मदद नहीं मिलने के बावजूद मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने लगातार अपनी बात सामने रखी। इसका सकारात्मक परिणाम भी निकला। समय-समय पर मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने झारखंड की जरूरतों और इसके अधिकारों के लिए आवाज उठायी। चाहे जीएसटी की क्षतिपूर्ति में कमी का मुद्दा हो या फिर केंद्रीय करों में राज्य के हिस्से में कटौती, हेमंत ने झारखंड के हित में हमेशा बेहद तार्किक ढंग से अपनी बात रखी।

कई चुनौतियां हैं सामने

जहां तक चुनौतियों का सवाल है, तो हेमंत सोरेन सरकार के सामने झारखंड पर लगे गरीब राज्य के टैग को हटाना सबसे बड़ी चुनौती है। आंकड़े बताते हैं कि झारखंड की करीब 37 फीसदी आबादी गरीबी रेखा से नीचे जीवन-यापन करती है। झारखंड को गरीबी से पार पाना है। राज्य की प्रति व्यक्ति आमदनी राष्ट्रीय स्तर पर प्रति व्यक्ति आमदनी से लगभग आधी है, जबकि राज्य की विकास दर बीते 21 साल में सात-आठ प्रतिशत रही है। इसका मतलब यह हुआ कि राष्ट्रीय स्तर पर पहुंचने के लिए झारखंड को अपने आर्थिक विकास की गति को तेज करना होगा। भारत की औसत प्रति व्यक्ति आमदनी तक पहुंचने के लिए झारखंड को कम-से-कम 11 प्रतिशत की दर से विकास करना होगा, तभी वह भारत की औसत प्रति व्यक्ति आमदनी के बराबर पहुंचेगा। केवल विकास दर बढ़ाने से ही झारखंड का काम नहीं चल सकता। राज्य में व्याप्त असमानता को भी दूर करना होगा। झारखंड को मानव विकास सूचकांक के हर स्तर पर आगे बढ़ना होगा। चाहे वह बिजली हो, स्वच्छता हो, शिक्षा हो, भूख हो, गरीबी हो या बेरोजगारी हो। इन सभी स्तरों पर जब तक सम्यक रूप से नीति बनाकर काम नहीं किया जायेगा, तब तक मुश्किल है कि झारखंड अपने लक्ष्यों को प्राप्त करे। यह भी सच है कि झारखंड जैसे संसाधन-संपन्न राज्य के लिए यह कोई मुश्किल नहीं है कि वह इन सूचकांकों को ठीक नहीं कर सकता। हेमंत सरकार ने जिस इच्छाशक्ति का प्रदर्शन किया है, उससे तो यह बहुत मुश्किल नहीं लगता।

खेती पर ध्यान देना जरूरी

झारखंड को अपने कृषि क्षेत्र पर अधिक ध्यान देना होगा। यहां की करीब 50 प्रतिशत आबादी कृषि क्षेत्र से सक्रिय रूप से जुड़े हैं, लेकिन राज्य की जीडीपी में कृषि क्षेत्र का योगदान महज 14-15 प्रतिशत ही है, जबकि राज्य के केवल ढाई फीसदी लोग खनन क्षेत्र से जुड़े हैं और जीडीपी में उनका योगदान 12 प्रतिशत है। करीब साढ़े छह फीसदी रोजगार देनेवाला विनिर्माण क्षेत्र की जीडीपी में हिस्सेदारी 14 प्रतिशत है। ये आंकड़े बताते हैं कि झारखंड के विकास का पैटर्न बहुत विषम है और यह विषमता कई चुनौतियों को जन्म देती है। इसके बारे में सरकार को गहराई से सोचना पड़ेगा। झारखंड जैसे गरीब और प्रति व्यक्ति कम आमदनी वाले राज्य में छोटे और मंझोले उद्योगों का होना बहुत जरूरी है, ताकि वे लोगों की आर्थिक स्थितियों के हिसाब से वस्तुओं का निर्माण कर सकें। यह समझना होगा कि बड़ी औद्योगिक इकाइयों से ज्यादा रोजगार उत्पन्न नहीं होता। उनकी सीमाएं होती हैं और वे शहरों तक ही सीमित रहती हैं, जबकि छोटे और मंझोले उद्योगों से ज्यादा रोजगार उत्पन्न होता है। इसलिए विनिर्माण और खनन क्षेत्र में जीडीपी तो बहुत आता है, लेकिन बमुश्किल 10 प्रतिशत ही रोजगार उत्पन्न होता है। इसलिए झारखंड सरकार को चाहिए कि वह छोटे और मंझोले उद्योगों की ओर ध्यान दे, ताकि ज्यादा-से-ज्यादा और ग्रामीण क्षेत्रों तक भी रोजगार की उपलब्धता बन सके।

कुल मिलाकर हेमंत सरकार 2.0 का पहला कई मायनों में सफल रहा। जनता का भरोसा हेमंत सरकार पर प्रगाढ़ बना हुआ है, इससे बड़ी उपलब्धि और सफलता का प्रमाण और क्या हो सकता है। चुनौतियां तो हमेशा रहेंगी। अगर कोई सरकार काम करना चाहती है तो उसके सामने चुनौतियां रहेंगी। लेकिन फर्क यही होता है कि उन चुनौतियों का सामना कोई सरकार कैसे करती है। हेमंत सरकार ने अपने कार्यकाल से सिद्ध कर दिया है कि उसका लक्ष्य सिर्फ और सिर्फ जनता को मजबूत करना है। चाहे सामाजिक रूप से हो या आर्थिक। हेमंत ने झारखंड की महिलाओं को आत्मनिर्भर बना दिया है। एक-एक कर हर लक्ष्य और वादों को साधने में हेमंत सरकार प्रतिबद्ध दिखती है।

www.epaper.azadsipahi.in

28 नवंबर, 2025
मार्गशीर्ष, शुक्ल पक्ष, अष्टमी
संवत 2082
पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹3.00

कलम कलम बढ़ाये जा

आजाद सिपाही

रांची
शुक्रवार, वर्ष 11, अंक 40

हांगकांग : आठ बहुमंजिली इमारतें जलीं, 65 मौतें

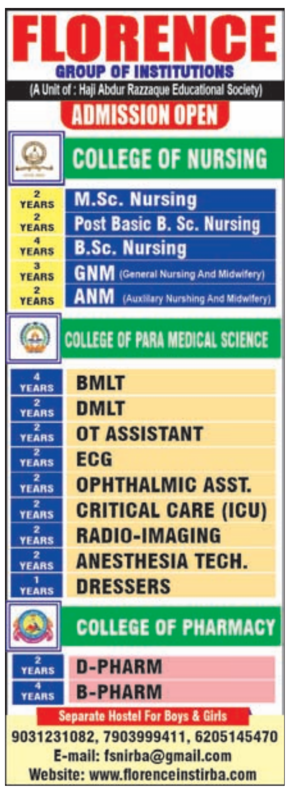

हेमंत सरकार 2.0 का एक वर्ष पूरा : मोरहाबादी मैदान में आज होगा भव्य कार्यक्रम, तैयारी पूरी

'नियुक्ति वर्ष' के रूप में जनता को तोहफा

- आज 10000 युवाओं को मिलेगा सरकारी नौकरी का तोहफा

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। हेमंत सोरेन सरकार शुक्रवार को अपने दूसरे कार्यकाल के एक वर्ष पूरा कर रही है। इसे 'नियुक्ति वर्ष' के रूप में देखा जा रहा है। रांची के मोरहाबादी मैदान में भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। राज्य के मुख्य सचिव अविनाश कुमार ने गुरुवार को मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को कार्यक्रम का न्योता दिया। कार्यक्रम में लगभग 10000 अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र दिया जायेगा। सबसे अधिक 8000 शिक्षकों की नियुक्ति होगी। साथ ही 11 नवंबर से शुरू हुए झारखंड के रजत जयंती समारोह का समापन भी 28 को हो जायेगा।

मोरहाबादी मैदान में समारोह की तैयारी : राजधानी के मोरहाबादी मैदान में नियुक्ति पत्र वितरण समारोह की तैयारी अंतिम चरण में है। अभ्यर्थियों की नियुक्ति राज्य सरकार के अलग-अलग विभागों में की जायेगी, जिसकी सूचना अभ्यर्थियों को भेज दी गयी है। मोरहाबादी मैदान में बड़ा मंच बनाया गया है। साथ ही 10 हजार लोगों के बैठने के लिए कुर्सियां भी लगायी जा रही हैं। मोरहाबादी मैदान के चारों तरफ होर्डिंग्स लगाये गये हैं। अब तक नियुक्ति पत्र के लिए 8514 अभ्यर्थियों की सूची तैयार हो गयी है।

सबसे अधिक शिक्षकों की नियुक्ति होगी : राज्य में सबसे अधिक शिक्षकों की नियुक्ति होगी। राज्य के प्राथमिक व मध्य विद्यालय में कुल आठ हजार सहायक आचार्य की नियुक्ति होगी। कक्षा छह से आठ में गणित एवं विज्ञान, सामाजिक विज्ञान व भाषा विषय में सफल अभ्यर्थी शामिल हैं। पलामू जिला में सबसे अधिक 779 शिक्षकों को नियुक्ति पत्र मिलेगा। जिले में कक्षा एक से पांच के 396, भाषा के 81, गणित एवं विज्ञान के 37 व सामाजिक विज्ञान विषय के 265 अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र मिलेगा।

मुख्यमंत्री कार्यक्रम में करेंगे शिरकत

कार्यक्रम में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन शिरकत करेंगे। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से मुख्य सचिव अविनाश कुमार ने गुरुवार को उनके आवासीय कार्यालय में शिष्टाचार भेंट की। उन्होंने मुख्यमंत्री को 28 नवंबर 2025 को मोरहाबादी मैदान में राज्य सरकार की प्रथम वर्षगांठ के उपलक्ष्य में आयोजित 'राज्यस्तरीय समारोह' में सम्मिलित होने हेतु सादर आमंत्रित किया।

किस पद के लिए कितने नियुक्ति पत्र होंगे वितरित

सहायक आचार्य-8000
उप समाहर्ता-207
पुलिस उपाधीक्षक-35
राज्य कर पदाधिकारी-56
काराधीक्षक-02
झारखंड शिक्षा सेवा श्रेणी-दो-10
जिला समादेष्टा-01
सहायक निबंधक-08
श्रम अधीक्षक-14
प्रोबेशन पदाधिकारी-06
निरीक्षक उत्पाद-03
कीटपालक-150 व अन्य।

स्थिरता, विश्वसनीयता और जनता का भरोसा

प्रशांत झा

रांची (आजाद सिपाही)। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की दूसरी पारी का एक साल पूरा हो गया। यानी हेमंत सरकार 2.0 का एक साल पूरा हो गया। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने एक साल पहले विधानसभा चुनाव में अपार बहुमत के साथ जीत हासिल की थी। उनकी सबसे बड़ी उबलब्धि रही, स्थिर सरकार, विश्वासनीयता और जनता का भरोसा। एक साल में हेमंत सोरेन ने साबित कर दिया कि वे झारखंड की सत्ता पर मजबूती से कायम हैं। विशाल जनादेश को देखते हुए कल्याणकारी योजनाओं की गति बरकरार है। जनता से चुनाव पूर्व किये एक-एक वादे को एक-एक कर पूरा कर रहे।

एक साल पहले राज्य की क्या स्थिति थी, यह किसी ने भूला नहीं है। हेमंत अपने पहले पांच साल के कार्यकाल में लगातात संघर्ष करते हुए राज्य को आगे बढ़ा रहे थे, ठीक एन मौके पर उन्हें जेल में रहना पड़ा। हेमंत पर तमाम आरोप लगाये गये। हेमंत सोरेन की गैर-मौजूदगी में झामुमो ने लोकसभा चुनाव लड़ा ही नहीं, अपनी ताकत भी दिखा दी। हेमंत न ही झुके, न ही डिगे और न ही टूटे। वह पूरे आत्म विश्वास के साथ और मजबूत हो कर जेल से बाहर निकले। तमामा झंझावतों को किनारा कर नये सिरे से जनता के बीच पहुंचे। विधानसभा चुनाव की तैयारी शुरू की, तो महिला सशक्तिकरण को और मजबूबत करने का बीड़ा उठाया। मंईंया सम्मान योजना की बात की, महिलाओं को 2100 रुपये देने का वादा किया, तो उंगलियां उठने लगी। पैसा कहां से आयेगा, कहां से पैसा देंगे। हेमंत सोरेन का झूठा वादा है। हेमंत ने एक साल में इन तमाम बोतों को झुठला दिया। महिलाओं के खाते में पैसा भेजने से कभी नहीं चूके। इतना ही नहीं किसी खास मौके, मसलन होली, दीपावली, भाईदूज, दशहरा आदि पर समय से पूर्व महिलाओं के खाते में पैसे भिजवाया। राज्य के सभी लोगों के लिए 200 यूनिट बिजली मुफ्त, युवाओं के लिए गुरुजी क्रेडिट कार्ड योजना जैसी कई जनहित की योजनाएं शुरू की। इसी तरह पेंशन योजना, छात्रवृत्ति योजना समेत अन्य जनकल्याण की योजनाओं के अलावा शिक्षा, स्वास्थ्य, इंफ्रास्ट्रक्चर हर क्षेत्र में कदम दर कदम बढ़ाते गये।

हेमंत सोरेन ने कभी भी पीछे मुड़ कर नहीं देखा, बस जनहित और राज्य विकास पर फोकस कर आगे बढ़ते गये। इस वर्ष राज्य के साथ-साथ उन्हें व्यक्तिगत क्षति पहुंची। पिता दिशोम गुरु शिबू सोरेन का निधन हो गया। पिता का साया उठना कितना पीड़ादायक होता है, यह उनकी बातचीत में उभर कर हर वक्त आता है। इस तकलीफ के बाद भी वह गुरुजी की तबियत खराब हो या उनका श्राद्ध कर्म या फिर गुरुजी का साथ छूट जाना, कभी भी राज धर्म को नहीं भूले। जनहित के कार्य को सर्वोच्च स्थान पर रखते आगे बढ़ते रहे।

यही कारण है कि एक वर्ष में जनता का विश्वास हेमंत सोरेन के ऊपर और गहरा होता जा रहा है। इसका नमूना घाटशिला उपचुनाव है, जिसमें झामुमो की रिकॉर्ड मतों से जीत हुई।

हेमंत सोरेन का कार्यकाल चार साल बचा है। इन चार सालों में उन्हें बहुत कुछ करना है। वह इस बात को कहते भी हैं। इसलिए उन्होंने जनता के सामने राज्य स्थापना दिवस के मौके पर अगले 25 सालों का रोडमैप रख दिया।

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन कहते हैं, राज्य को विकसित और समृद्ध बनाने के लिए अभी भी कई चुनौतियां बांकी हैं, लेकिन आप सभी के साथ मिलकर उसे पूरा कर लिया जायेगा। जनता को भी विश्वास है कि हेमंत हैं, तो हिम्मत है।

इंटर्न कर रहे डॉक्टरों का अनुदान बढ़ेगा सीएम ने दी मंजूरी

रांची (आजाद सिपाही)। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने राजकीय होम्योपैथिक चिकित्सालय, गोड्डा में इंटर्नशिप कर रहे होम्योपैथी छात्र-छात्राओं और एमबीबीएस इंटर्न छात्रों को दी जा रही मासिक अनुदान राशि में महत्वपूर्ण वृद्धि को मंजूरी दी। मुख्यमंत्री ने इंटर्न छात्रों को दी जा रही मासिक राशि को 15,000 से बढ़ाकर 17,500 रुपये करने का आदेश दिया। इस प्रस्ताव को कैबिनेट में रखा जायेगा। वहां से मंजूरी के बाद होम्योपैथी छात्र-छात्राओं और एम.बी.बी.एस इंटर्न छात्रों को बढ़ी हुई राशि मिलने लगेगी। इससे इंटर्नशिप के दौरान उनकी कार्य क्षमता और प्रेरणा में वृद्धि होगी। साथ ही सरकार की ओर से इसे हेल्थ सेक्टर में एक सकारात्मक कदम बताया जा रहा है।

आइएएस विनय चौबे के ससुर और साले को भी समन

रांची (आजाद सिपाही)। झारखंड एसीबी ने निलंबित आइएएस विनय चौबे के ससुर सत्येंद्र नाथ त्रिवेदी और उनके साले शिपिज त्रिवेदी को समन भेजा है। एसीबी ने दोनों आरोपियों को समन भेजकर पूछताछ के लिए बुलाया है। अब यह देखना दिलचस्प होगा कि दोनों आरोपी एसीबी के बुलावे पर आते हैं या नहीं, क्योंकि एसीबी दोनों से विनय चौबे की आय से अधिक संपत्ति मामले में पूछताछ कर सकती है। दरअसल शराब घोटाला, वन भूमि घोटाला और सेवायत भूमि घोटाला के आरोपी आइएएस विनय चौबे पर एसीबी ने एक और एफआइआर दर्ज की है। इस एफआइआर का नंबर 20/2025 है। इसमें विनय चौबे के अलावा उनकी पत्नी स्वप्न संचिता, नेक्सजेन के मालिक विनय सिंह, उनकी पत्नी स्निग्धा सिंह, विनय सिंह के साले शिपिज त्रिवेदी, शिपिज की पत्नी प्रियंका त्रिवेदी और विनय चौबे के ससुर सत्येंद्र नाथ त्रिवेदी को अभियुक्त बनाया गया है।

मुख्यमंत्री ने शहीद सोबरन सोरेन के 68वें शहादत दिवस पर भावपूर्ण श्रद्धांजलि दी

नौकरी के साथ-साथ स्वरोजगार को भी दे रहे बढ़ावा: हेमंत सोरेन

आजाद सिपाही संवाददाता

गोला। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन गुरुवार को शहीद सोबरन सोरेन जी के 68वें शहादत दिवस पर लुकैयाटांड़ (नेमरा, गोला) पहुंचे। यहां उन्होंने शहीद स्थल स्थित उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें भावपूर्ण श्रद्धांजलि दी। मौके पर आयोजित सभा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि आज के दिन प्रत्येक वर्ष हम सभी लोग यहां एकत्रित होकर मेरे (दादा जी) शहीद सोबरन सोरेन जी के शहादत दिवस पर उन्हें याद कर नमन करते हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि हम सभी लोग यह जानते हैं कि झारखंड के अलग-अलग जगहों पर हमारे कई वीर सपूतों ने जन्म लिया जिन्होंने यहां के आदिवासी-मूलवासी सहित सभी वर्ग-समुदाय को लोगों के हक-अधिकार की लड़ाई लड़ी तथा यहां की जल, जंगल, जमीन एवं राज्यवासियों की अस्मिता की रक्षा का नेतृत्व किया। हमारे वीर सपूतों ने अपनी जान की परवाह किए बगैर यहां के आदिवासी एवं मूलवासियों का हक-अधिकार का हनन तथा शोषण करने वालों के विरुद्ध मजबूती से आवाज उठायी।

हमारे कई वीर सपूतों की सामंती विचारधारा के लोगों द्वारा हत्या करायी गयी, कई वीर सपूतों को जेल की सलाखों में भेजने का कार्य किया गया।

झारखंड वीरों की धरती

मुख्यमंत्री ने कहा कि झारखंड प्रदेश खून से सींचा हुआ प्रदेश है। इस प्रदेश के हर कोने में हमारे वीर शहीदों की स्मृतियां, प्रतिमाएं और समाधि स्थल हैं। इन वीर सपूतों के पुण्यतिथि तथा शहादत दिवस के मौके पर हम इन्हें याद कर नमन करते हैं। आज हमारे बीच आदरणीय दिशोम गुरु शिबू सोरेन का नहीं होना एक युग का अंत है। पूर्वजों के आदर्श पर चलते हुए हमारे वीर सपूत अलग झारखंड राज्य की परिकल्पना को पूरा कर हम सभी को एक ताकत देते हुए, अपने अधिकार को पहचानने की शक्ति देते हुए विधि के अनुरूप अपने-अपने जगह पर चले गये। हेमंत ने कहा कि अब जिम्मेदारी और बड़ी हो गयी है, आगे हम सभी को एकजुट होकर अपने हक-अधिकार की लड़ाई लड़नी है। सभी को एक साथ आगे बढ़ते हुए राज्य के सर्वांगीण विकास में अपना योगदान देना सुनिश्चित करना है।

10 हजार युवाओं को सरकारी नौकरी

मुख्यमंत्री ने कहा कि 28 नवंबर को वर्तमान राज्य सरकार का एक वर्ष का कार्यकाल पूरा हो रहा है, इस अवसर पर राज्य सरकार द्वारा यहां के 10 हजार से अधिक युवक-युवतियों को सरकारी नियुक्तियां मिल रही है। उन्होंने कहा कि सिर्फ सरकारी नौकरियां ही नहीं, बल्कि स्वरोजगार के विभिन्न साधनों का भी सृजन किया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार रांची हेड क्वार्टर से नहीं बल्कि गांव से चलती है। 'सेवा का अधिकार' कार्यक्रम के तहत हमारी सरकार योजनाओं को आपके घर आंगन तक पहुंचा रही है। आपकी समस्याओं का निदान भी आपके गांव घर पर ही किया जा रहा है।

2050 तक का रोडमैप तैयार

मुख्यमंत्री ने कहा कि झारखंड को वर्ष 2050 तक दिल्ली, मुंबई, गुजरात की तर्ज पर विकसित किया जायेगा। विकास के लिए हमारे पास कई रास्ते है। इसका रोड मेप तैयार किया जा रहा है। राज्य के सावा तीन करोड़ लोगों में से आधी आबादी को सशक्त करने के लिए योजना चलायी जा रही है। नौजवान साथियों के लिए अलग-अलग कार्य योजना तैयार किया जा रहा है। किसानों के लिए योजनाएं तैयार हो रही हैं।

असहायों की मदद और शिक्षकों का सम्मान किया : श्रद्धांजलि सभा के दौरान दस वृद्ध असहाय गरीब लोगों के बीच कंबल और 10 शिक्षकों को शॉल ओढा कर सम्मानित किया गया। इस मौके पर रामगढ़ विधायक ममता देवी, जिला प्रशासन के अधिकारी सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे।

सुप्रीम कोर्ट ने एसआइआर पर रोक लगाने से किया इंकार

आजाद सिपाही संवाददाता

नयी दिल्ली। देश के 12 राज्यों में चल रहे गहन वोटर पुनरीक्षण यानी एसआइआर पर विपक्ष को तगड़ा झटका लगा है। आयोग ने स्पष्ट कर दिया है कि एसआइआर कराने के लेकर चुनाव आयोग के अधिकारों को चुनौती नहीं दी जा सकती। चुनाव आयोग एक संवैधानिक संस्था है और उसके पास ऐसा करने का पूरा संवैधानिक और कानूनी अधिकार है। शीर्ष अदालत ने इस प्रक्रिया को रोकने से साफ इनकार कर दिया और कहा कि अगर इसमें कोई अनियमितता सामने आयी, तो वह तुरंत सुधार के आदेश देगा। चीफ जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस जोयमाल्या बागची की बेंच ने राजद सांसद मनोज झा की याचिका पर सुनवाई करते हुए कहा कि एसआइआर की जरूरत पर सवाल उठाने वाले तर्कों में दम नहीं है। सीजेआइ ने याद दिलाया कि पिछले निर्देश पर चुनाव आयोग ने प्रक्रिया में सुधार किया था और उसके बाद एक भी औपचारिक आपत्ति दर्ज नहीं हुई है।

भारत-दक्षिण अफ्रीका वनडे: रांची में सिर चढ़कर बोल रहा क्रिकेट का जुनून

- सभी टिकट बिकीं, खिलाड़ी पहुंचे, शुरू किया अभ्यास
- फैंस एयरपोर्ट, होटल और स्टेडियम के पास झलक पाने को बेताब
- 30 नवंबर को मैच देखने को बेताब हैं क्रिकेट प्रेमी

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। रांची का पारा 12-13 डिग्री पर पहुंच गया है। लोगों को ठंडक महसूस होने लगी है। इस ठंड के मौसम में 30 नवंबर को भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच होने वाले पहले वनडे मैच ने क्रिकेट प्रेमियों में गर्मी पैदा कर दी है। हालत यह है कि दो दिन में ही मैच के सारे टिकट बिक गये। टिकट काउंटर बंद कर दिया गया है। उधर, दोनों टीमों के खिलाड़ी रांची पहुंच चुके हैं। जेएससीए स्टेडियम में खिलाड़ियों ने अभ्यास शुरू कर दिया है। एक ओर जहां फैंस फैंस एयरपोर्ट, होटल और स्टेडिम के पास झलक पाने को बेताब हैं और भीड़ लगी है, वहीं दूसरी ओर क्रिकेट प्रेमी 30 नवंबर को मैच देखने के लिए बेताब हैं।

दो दिन टिकट लेने वालों का लगा

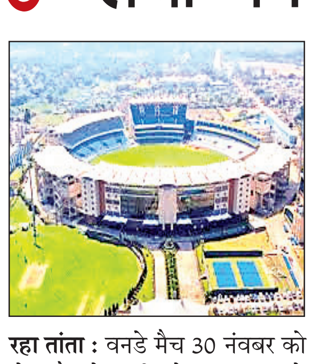

रहा तांता : वनडे मैच 30 नवंबर को होना है। जेएससीए ने 25 नवंबर से टिकट बिक्री के लिए काउंटर खोला था। टिकट बिक्री शुरू होने के बाद लगातार दो दिनों से स्टेडियम के काउंटरों पर काफी भीड़ उमड़ रही थी। इसी बीच जेएससीए ने साफ कर दिया है कि अब मैच की सभी टिकटें पूरी तरह बिक चुके हैं। अब टिकट काउंटर नहीं खोले जायेंगे। जेएससीए ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर कहा कि दर्शकों से मिली अपार प्रतिक्रिया के बीच सभी टिकटें कुछ ही समय में बिक गयीं। स्टेडियम के बाहर रात से ही लंबी-लंबी लाइनें लगी हुई थीं, जहां सभी लोग टिकट पाने के लिए घंटों ठंड में खड़े होकर इंतजार कर रहे थे। इसी बीच सभी टिकटें अब बुक हो चुकी हैं।

स्टेडियम में तैयारी अंतिम चरण में: वनडे मुकाबला को लेकर जेएससीए ने सभी तैयारियां पूरी कर ली हैं। स्टेडियम में तैयारी अंतिम चरण में है। गुवहाटी में टेस्ट मैच खत्म होने के बाद दोनों देशों के खिलाड़ी गुरुवार को रांची पहुंच गये हैं। इससे पहले विराट कोहली, रोहित शर्मा समेत कुछ अन्य खिलाड़ी पहले ही रांची पहुंच चुके हैं।

सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किये गये: हवाई अड्डा, होटल स्टेडियम सभी जगह सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किये गये हैं। खिलाड़ियों के अवागमन को लेकर ट्रैफिक व्यवस्था पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। उनके वाहन के साथ चलने के लिए विशेष कारकेड को नियुक्ति किया गया है। सड़कों पर जगह-जगह ट्रैफिक पुलिस और अन्य पुलिस कर्मी तैनात किये गये हैं। भारत और दक्षिण अफ्रीका की पूरी टीम 28 नवंबर और 29 नवंबर को स्टेडियम में पहुंचकर प्रैक्टिस सेशन में भी भाग लेगी। ऐसे में होटल से लेकर स्टेडियम तक क्रिकेट खिलाड़ियों को ले जाने के लिए भी ट्रैफिक रूट का निर्धारण कर दिया गया है। रूट पर एक दर्जन से ज्यादा ट्रैफिक के जवान तैनात रहेंगे। इसके अलावा सुरक्षा के लिए पुलिस बल की भी तैनाती की गयी है।

आजाद सिपाही
रांची, शुक्रवार, 28 नवंबर, 2025
www.azadsipahi.in

शव रोकनेवाले अस्पताल होंगे सील और आइसीयू दरें होंगी फिक्स : इरफान अंसारी

आयुष्मान भारत मुख्यमंत्री अबुआ स्वास्थ्य सुरक्षा योजना और आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन के तहत राज्यस्तरीय उन्मुखीकरण कार्यक्रम

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। झारखंड की स्वास्थ्य व्यवस्था को मजबूत बनाने की दिशा में गुरुवार को रांची के बीएनआर चाणक्य होटल में आयुष्मान भारत मुख्यमंत्री अबुआ स्वास्थ्य सुरक्षा योजना और आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन के तहत राज्यस्तरीय उन्मुखीकरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में स्वास्थ्य मंत्री डॉ इरफान अंसारी मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद रहे। उन्होंने स्वास्थ्य सेवाओं में पारदर्शिता, जवाबदेही और संवेदनशीलता को सर्वोपरि बताते हुए कई महत्वपूर्ण घोषणाएं कीं। मंत्री ने कहा कि मरीज की मौत के बाद शव रोकने की घटनाएं गंभीर और अमानवीय हैं। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिया कि ऐसी हरकत करने वाले निजी अस्पतालों को तुरंत सील किया जायेगा। उन्होंने कहा कि अस्पताल चलाना सेवा का कार्य है और सरकार सभी भुगतान व सुविधाएं दे रही है, लेकिन मानवता दिखाना अस्पताल प्रबंधन की जिम्मेदारी है। राज्य सरकार जल्द ही निजी अस्पतालों में आइसीयू, एनआइसीयू और सीसीयू के रेट फिक्स करने जा रही है। इससे मनमानी बिलिंग पर रोक लगेगी और गरीब मरीजों को बड़ी राहत मिलेगी। मंत्री ने यह भी कहा कि आयुष्मान कार्ड पर इलाज से जुड़ी सभी प्रक्रियाओं को सरल किया जायेगा ताकि किसी भी जरूरतमंद मरीज को वापस न लौटना पड़े। झारखंड सरकार सभी आयुष्मान लाभार्थियों को डिजिटल कार्ड उपलब्ध कराने पर तेजी से काम कर रही है। कार्यक्रम में यह भी बताया गया कि राज्य में 15 लाख रुपये तक की स्वास्थ्य सुरक्षा देने की दिशा में तैयारी चल रही है। मंत्री ने घोषणा की कि सभी जिला और रेफरल अस्पतालों में जल्द ही सीटी स्कैन और एमआरआइ की सुविधा उपलब्ध करायी जायेगी। उन्होंने कहा कि अबुआ हेल्थ कार्ड को और मजबूत किया जा रहा है।

कार्यक्रम में रांची सदर अस्पताल, कोडरमा सदर अस्पताल, मेदांता और कई निजी अस्पतालों को उत्कृष्ट कार्य के लिए सम्मानित किया गया। इस मौके पर एनएचए के सीइओ डॉ सुनील कुमार बरनवाल, अपर मुख्य सचिव अजय कुमार सिंह, डॉ। नेहा अरोड़ा सहित विभिन्न जिलों के सिविल सर्जन और अधिकारी उपस्थित थे।

आजसू छात्र इकाई ने शिक्षा के लिए भिक्षा अभियान के तहत जनाक्रोश मार्च निकाला

राज्यपाल की अनुपस्थिति में राजभवन कार्यालय में ज्ञापन सौंपा

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। आजसू छात्र इकाई ने गुरुवार को शिक्षा के लिए भिक्षा अभियान के तहत जनाक्रोश मार्च निकाला। मार्च मोरहाबादी स्थित बापू वाटिका से शुरू हुआ और छात्रों ने राजभवन की ओर बढ़ना शुरू किया। हालांकि, मछलीघर के पास पुलिस ने छात्रों को रोक दिया और उन्हें कांके रोड होते हुए रातू रोड की तरफ डाइवर्ट कर दिया। जब छात्र रातू रोड की तरफ से दोबारा राजभवन की ओर बढ़े, तो पुलिस ने उन्हें फ्लाइओवर के पास रोक दिया। इसके विरोध में आजसू कार्यकर्ता वहीं सड़क पर बैठ गये और सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। इसके बाद, प्रशासन ने आजसू छात्र संघ को राजभवन को ज्ञापन देने के लिए आमंत्रित किया। राज्यपाल की अनुपस्थिति में, छात्रों ने राजभवन कार्यालय को ज्ञापन सौंप दिया।

नेताओं ने कहा– बेहतर शिक्षा, समान अवसर और सुरक्षित भविष्य चाहते हैं छात्र

प्रदेश अध्यक्ष ओम वर्मा ने कहा कि यह आंदोलन किसी पार्टी या व्यक्ति का नहीं था, बल्कि यह उन लाखों विद्यार्थियों की पुकार थी, जो बेहतर शिक्षा, समान अवसर और सुरक्षित भविष्य चाहते हैं। उन्होंने झारखंड सरकार को स्पष्ट संदेश देते हुए कहा कि शिक्षा के साथ अन्याय अब बर्दाश्त नहीं होगा। कार्यकारी अध्यक्ष बबलू महतो ने कहा, यदि सरकार हर छात्र को उसकी पूर्ण छात्रवृत्ति नहीं देती है, तो यह आंदोलन एक पल के लिए भी नहीं रुकेगा। विरोध-प्रदर्शन में वरीय नेता संजय मेहता, प्रदेश अध्यक्ष ओम वर्मा, कार्यकारी अध्यक्ष बबलू महतो, वरीय उपाध्यक्ष ऋतुराज शाहदेव, पीयूष चौधरी, महासचिव विशाल महतो, युवा आजसू के महानगर अध्यक्ष अमित यादव, छात्र समेत अन्य नेताओं ने भाग लिया।

लालपुर में 2 बाइक सवार लुटेरों ने बैंक से पैसे निकाल कर लौट रहे वृद्ध से 1.30 लाख लूटे

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। रांची के लालपुर थाना क्षेत्र में दिनदहाड़े उस समय सनसनी फैल गयी, जब बाइक सवार दो अपराधियों ने एक व्यक्ति से 1.30 लाख रुपये से भरा बैग छीन लिया और फरार हो गये। पीड़ित फिलोमोन बा, जो कोकर स्थित पाहन टोली के रहने वाले हैं, बैंक ऑफ इंडिया कोकर शाखा से राशि निकालकर टोटो से घर लौट रहे थे। जैसे ही टोटो लालपुर थाना के पास पहुंचा, पीछे से आये बाइक सवार अपराधियों ने वाहन को ओवरटेक किया और पलक झपकते ही फिलोमोन बा के हाथ से रुपयों से भरा बैग झपटकर भाग निकले। घटना इतनी तेजी से हुई कि पीड़ित और आसपास मौजूद लोग प्रतिक्रिया भी नहीं दे पाये, जबकि अपराधी भीड़भाड़ वाले इलाके से कुछ ही सेकंड में ओझल हो गये।

सूचना मिलते ही लालपुर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और पीड़ित से पूरी जानकारी ली। पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है, जिससे अपराधियों की पहचान कर उन्हें गिरफ्तार किया जा सके। मामले की जानकारी मिलते ही नगर पुलिस अधीक्षक (सिटी एसपी) पारस राणा मौके पर पहुंचे और मामले की जानकारी ली। सिटी एसपी ने बताया कि सीसीटीवी फुटेज के आधार पर अपराधियों की तलाश की जा रही है। पीड़ित व्यक्ति बैंक ऑफ इंडिया से पैसे निकाल कर जा रहे थे। इसी दौरान इस वारदात को अंजाम दिया गया है। सीसीटीवी फुटेज के आधार पर पीड़ित ने आरोपितों की पहचान की है। उसके आधार पर अपराधियों के धर-पकड़ के लिए प्रयास किये जा रहे हैं। उन्हें जल्द गिरफ्तार कर लिया जायेगा।

रातू रोड में चलती स्कूल बस में चालक हुआ बेहोश

अनियंत्रित बस ने कई वाहनों को मारी टक्कर

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। राजधानी रांची के रातू रोड इलाके में गुरुवार को बड़ा हादसा टल गया। स्कूल बस चलाते समय बस का चालक अचानक बेहोश हो गया, जिसकी वजह से बस अनियंत्रित हो गयी और एक पोल से जा टकरायी। इस हादसे में कई वाहन क्षतिग्रस्त हो गये, गनीमत रही कि स्कूली बच्चों और सड़क पर चल रहे लोगों को कोई नुकसान नहीं हुआ। स्कूली बस की चपेट में आने से कई दुपहिया वाहन क्षतिग्रस्त हो गये। मौके पर मौजूद कुछ स्थानीय लोगों ने बताया कि अचानक बस एक तरफ तेजी के साथ मुड़ने लगी इससे पहले की लोग कुछ समझ पाये कई दो पहिया वाहन बस की चपेट में आ गये। गनीमत रही की बस एक पोल के पास जाकर टकरा गयी जिसकी वजह से वह रुक गयी। जिस समय हादसा हुआ बस में कई स्कूली बच्चे सवार थे। बताया जा रहा है कि स्कूल बस का ड्राइवर बस चलाते वक्त ही अचानक बेहोश हो गया था, जिसकी वजह से यह हादसा हुआ। बेहोशी की हालात में ही ड्राइवर को स्थानीय लोगों के द्वारा बस से उतार कर इलाज के लिए अस्पताल भेजा गया।

इस मामले की जानकारी मिलते ही सुखदेव नगर थाना के टीम और ट्रैफिक के जवान मौके पर पहुंचे और मामले को संभाला। स्कूली बच्चों के परिजनों को जब बस के बारे में जानकारी मिली तब वे भागे भागे मौके पर पहुंचे और बच्चों को अपने साथ ले गये।

सुखदेव नगर थाना प्रभारी अशोक कुमार ने बताया कि बस का चालक अचानक बेहोश हो गया था, जिसकी वजह से यह हादसा हुआ है, इस हादसे में कई वाहन क्षतिग्रस्त हुए हैं। सुखदेव नगर थाना प्रभारी ने बताया कि इस हादसे में बच्चों को कोई नुकसान नहीं हुआ है। स्थानीय लोगों ने पुलिस को यह बताया है कि जिस समय बस पोल से टकराकर रुकी उस दौरान ड्राइवर स्टेरिंग पर ही बेहोश पड़ा हुआ था। स्थानीय लोगों के दौरान उसे बस से बाहर निकाला गया। पुलिस ड्राइवर का मेडिकल टेस्ट करवा रही है उसके बाद आगे की कार्रवाई की जायेगी।

देवेंद्रनाथ महतो ने बुली महतो की प्रतिमा का किया अनावरण

निकली गयी तिरंगा यात्रा, सम्मानित किये गये वंशज

आजाद सिपाही संवाददाता

सोनाहातू। झारखंड का इतिहास बेहद गौरवशाली रहा है। देश के स्वतंत्रता संग्राम में झारखंड के कई वीर-वीरांगनाओं का इतिहास रहा है। अत्याधुनिक ऐतिहासिक अनुसंधान से बुली महतो का साक्ष्य प्राप्त हुआ है। उन्होंने कोल विद्रोह और भूमिज विद्रोह में नेतृत्व प्रदान किया था। गुरुवार को भकुवाडीह मोड़, सोनाहातू में वीर बुली महतो की भव्य प्रतिमा का अनावरण किया गया। वंशज, ग्राम प्रधान और पाहन संग सिल्ली विधानसभा पूर्व प्रत्याशी देवेंद्रनाथ महतो ने अनावरण किया। पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। वंशज परिवार को मोमेंटो भेंट कर सम्मानित किया। देवेंद्रनाथ महतो स्कूली बच्चों और भारी भीड़ के साथ बाजार टांड सोनाहातू से तिरंगा निकाल पदयात्रा करते हुए आयोजन स्थल भकुवाडीह मोड़ पहुंचे। इस बीच पुलिस प्रशासन से उनकी थोड़ी बहसबाजी भी हुई। बाद में वंशजों के साथ शिलापट अनावरण कर महतो ने स्थानीय सत्ताधारी विधायक को आड़े हाथ लेते हुए कार्यक्रम में व्यवधान डालने का आरोप प्रशासन पर लगाया। उन्होंने कहा कि विधायक और सांसद का पद अस्थायी होता है, लेकिन स्वतंत्रता सेनानी और आंदोलनकारी की विचारधारा अमर होती है। हम लोग स्वतंत्रता सेनानी वीर भूली महतो के पदचिन्हों पर चलते हुए अन्याय के खिलाफ आंदोलनरत हैं। मौके पर वीर बुली महतो के आंदोलन से संबंधित नाटक का भी जीवंत मंचन किया गया। स्थानीय कलाकारों ने नृत्य-गीत की मनमोहक प्रस्तुति दी। रंगलाल सिंह मुंडा, दिनेश पाहन, राजीव तुलसी, फुलेश्वर बैठा, संतोष महतो, गोपेश्वर महतो, गुना भगत, सनी तिग्गा, पंचम एक्का, शिल्पी महतो, रंजीत महतो, गदाधर महतो, अभिराम महतो, अशोक महतो, सेवाराम महतो आदि मौके पर खास तौर से मौजूद थे।

सम्मानित होने वाले वंशज

संजय, मोहिनी कुमारी, गणेश, भोजोहरि, सरस्वती, सुदेश, हरेन, प्रसिद्ध, लक्ष्मण, धनीराम, मंगला देवी, निर्मला देवी, बसंत महतो, अर्जुन महतो, भीमसेन महतो, भोतुराम आदि।

झारखंड में ठंड से राहत के लिए 79 लाख रुपये जारी

मंत्री डॉ इरफान अंसारी ने दिये अलाव की व्यवस्था के निर्देश

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। झारखंड में बढ़ती ठंड और शीतलहरी को देखते हुए राज्य सरकार सक्रिय हो गयी है। गुरुवार को आपदा प्रबंधन प्रभाग के मंत्री डॉ इरफान अंसारी ने समीक्षा बैठक कर सभी 24 जिलों के उपायुक्तों को कुल 79 लाख रुपये की त्वरित राहत राशि आवंटित की है। मंत्री ने निर्देश दिया कि मुख्य चौक-चौराहों, भीड़भाड़ वाले स्थानों, बाजारों, रेलवे स्टेशनों और अन्य सार्वजनिक जगहों पर तुरंत अलाव की व्यवस्था सुनिश्चित की जाये। इसके साथ ही रात्रि में जिला प्रशासन की चलंत टीमों को तैनात करने का आदेश दिया गया है, ताकि बेघर, बुजुर्ग और गरीबों को तत्काल सहायता मिल सके।

डॉ. अंसारी ने कहा कि सरकार पूरी तरह संवेदनशील है और जनता की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने कहा, ठंड से किसी व्यक्ति को परेशानी नहीं होनी चाहिए। जरूरतमंदों को तुरंत राहत मिले, यही सरकार का लक्ष्य है। उन्होंने बताया कि आवंटित राशि को जिला स्तर पर आवश्यकतानुसार खर्च किया जायेगा, ताकि अलाव और अन्य राहत कार्य बिना देरी शुरू हो सके।

कार्यक्रम : आर्यभट्ट सभागार में 'भारत के रंग, एकल के संग' का आयोजन

पारंपरिक नृत्य संगीत अपनी विरासत की याद दिलाते हैं : जस्टिस दीपक रोशन

ग्रामवासी और वनवासी हमारे देश की मिट्टी के मूरत हैं : संजय सेठ

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। रांची विश्वविद्यालय के आर्यभट्ट सभागार में वन बंधु परिषद एवं श्री हरि कथा समिति के तत्वावधान में भारत के रंग, एकल के संग कार्यक्रम का आयोजन किया गया। एकल अभियान नगरों में बसने वाले भारत और गांव जंगल में बसने वाले भारत के बीच का सेतु है। देश के कोने-कोने से आये ग्रामीण भारत के कलाकारों ने पारंपरिक नाच गान और नाटक के मंचन के माध्यम से नगर वासियों का दिल मोह लिया। मुख्य अतिथि झारखंड हाइकोर्ट के न्यायाधीश न्यायमूर्ति दीपक रोशन ने कहा कि पारंपरिक नृत्य संगीत एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम हमें अपनी विरासत की याद दिलाते हैं एवं देश के कोने-कोने में बसे भारतवासियों को आपस में जोड़ते हैं।

सम्मानित अतिथि केंद्रीय राज्य रक्षा मंत्री एवं रांची से लोकसभा के सदस्य संजय सेठ ने कहा कि हममें से हर एक को हर समय देश पहले की भावना से काम करना है। देश है, तो हम हैं। ग्रामवासी और वनवासी हमारे देश की मिट्टी के मूरत हैं और इन्हें अच्छी तरह से गढ़ना, सरकार के साथ-साथ नगर वासियों की जिम्मेवारी भी है।

सम्मानित अतिथि सेंट्रल कोलफील्ड्स लिमिटेड के अध्यक्ष सह प्रबंध निदेशक नीलेंदु कुमार सिंह ने कहा कि उनकी सभी खदानें ग्रामीण वन्य इलाकों में ही है और वह इन इलाकों के वासियों से भली-भांति परिचित है। उन्होंने वन बंधु परिषद द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों में किया जा रहे कार्य की प्रशंसा की और कहा कि सीसीएल ऐसे नेक कार्यों में हमेशा सहभागी है। कार्यक्रम एवं हरि सत्संग समिति के संयोजक राजकुमार एवं करुणा ठाकुर ने बताया कि सभी कलाकार एकल विद्यालय से लिये गये हैं। गहन प्रशिक्षण के बाद इन्हीं कलाकारों ने यूरोप एवं अमेरिका के 60 से अधिक स्थानों में अपनी कला का सफल प्रदर्शन किया है। वन बंधु परिषद की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष रेखा जैन एवं पूर्वी भारतके अध्यक्ष रमेश धारणीधरका ने दर्शकों को एकल अभियान से परिचित कराते हुए उनसे अभियान से जुड़ने का आग्रह किया। भारत के रंग, एकल के संग कार्यक्रम में गणेश वंदना, देश भक्ति गीतों पर नाच गान, देश के अनेक राज्यों के पारंपरिक गीत संगीत, अतुलनीय भारत के दर्शन के साथ-साथ रामायण, कृष्ण जन्म इत्यादि की झांकियां भी दिखाई गई। समापन पर भारत माता की आरती करते हुए दर्शक भाव विभोर हो गये। कार्यक्रम के आयोजन में वन बंधु परिषद, रांची चैप्टर के अध्यक्ष आंचल किंगर, सचिव अजय दीप वाधवा के साथ महिला समिति एवं एकल युवा की महत्वपूर्ण भागीदारी रही। मंच संचालन कार्य अध्यक्ष प्रदीप जैन ने किया। यह जानकारी चैप्टर के मीडिया प्रमुख सुमित पोद्दार ने दी।

अरुणा मिश्रा अध्यक्ष और प्रकाश चुने गये महासचिव

झारखंड अमेचर बॉक्सिंग एसोसिएशन की हुई आमसभा

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। झारखंड अमेचर बॉक्सिंग एसोसिएशन की वार्षिक आमसभा गुरुवार को अरुणा मिश्रा की अध्यक्षता में हुई। इंडियन अमेचर बॉक्सिंग एसोसिएशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ राकेश मिश्रा ने कविराज गौडा को पर्यवेक्षक नियुक्त किया। साथ ही सभा की कार्रवाई शुरू हुई। जिसमें सर्वसम्मति से अरुणा मिश्रा को अध्यक्ष, प्रकाश कुमार मंडल को महासचिव और विजय शंकर को कोषाध्यक्ष चुना गया। 22 सदसीय कमेटी के मनोनयन संग संघ के विकास और अनुशासित रूप से संचालन के लिए 25 सदस्यों के कार्यसमिति का भी पुनर्गठन किया गया।

मौके पर नवचयनित अध्यक्ष अरुण मिश्रा ने कहा कि संस्था के सभी सदस्यों को एकजुट होकर बॉक्सिंग के प्रति बच्चों को जागरूक करना होगा। महासचिव प्रकाश कुमार मंडल ने बॉक्सिंग में झारखंड को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर खिलाड़ियों को पहुंचाने के लिए आवश्यक कदम उठाने पर बल दिया। कोषाध्यक्ष विजय शंकर ने कहा कि सरकारी स्कूलों में जाकर बॉक्सिंग के प्रति उत्साह वर्धन की जानी चाहिए।

कठित कमेटी में है शामिल

अध्यक्ष अरुणा मिश्रा, महासचिव प्रकाश कुमार मंडल, कोषाध्यक्ष विजय शंकर, उपाध्यक्ष किशोर मंत्री, राजेश कुमार शुक्ला, विपुल ओझा, राजेश कुमार महतो, अमित साहू, सह सचिव कुणाल शर्मा, रामदास दयानंद, जगन्नाथ तिरिया, संतोष अग्रवाल, मृत्युंजय कुमार सिंह, चेयरमैन तरुणा मिश्रा, भल्ला ईश्वर राव, गोपी कृष्णा,डॉ संजय कुमार, सुनील थापा, नेहा कुमारी, आनंद कुमार सिंह, नितेंद्र बासु, कौशल किशोर झा, संजय कुमार शामिल हैं।

योजनाएं वहां भी जायें, जहां पार्टी के जनप्रतिनिधि नहीं हैं: बाबूलाल

जनसेवा के सपने को धरातल पर उतारने का प्रयास : आदित्य साहू

सांसद निधि और सीसीएल सीएसआर फंड से स्वीकृत 6.08 करोड़ रुपये की योजनाओं का शिलान्यास

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। भाजपा प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष और सांसद आदित्य साहू के सौजन्य से उनके सांसद निधि और सीसीएल सीएसआर फंड से स्वीकृत 6.08 करोड़ रुपये की लोक कल्याणकारी योजनाओं का शिलान्यास कार्यक्रम संपन्न हुआ। गुरुवार को चिरौंदी स्थित आशीर्वाद बैंक्वेट हॉल में पार्टी के हजारों कार्यकर्ताओं, प्रदेश पदाधिकारियों के बीच पूजा पाठ के साथ नारियल फोड़कर प्रदेश अध्यक्ष और नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी, कार्यकारी अध्यक्ष सांसद आदित्य साहू, विधायक सीपी सिंह, मुख्य सचेतक नवीन जायसवाल ने शिलान्यास कार्यक्रम का उद्घाटन किया। कार्यक्रम का संचालन रांची महानगर जिला अध्यक्ष वरुण साहू और धन्यवाद ज्ञापन ग्रामीण जिला अध्यक्ष विनय महतो ने किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए बाबूलाल मरांडी ने कार्यकारी अध्यक्ष सांसद आदित्य साहू को सामूहिक भव्य शिलान्यास कार्यक्रम आयोजित करने के लिए बधाई शुभकामनाएं दी। मरांडी ने कहा कि आज भाजपा प्रतिपक्ष में है। कई क्षेत्रों में पार्टी के जनप्रतिनिधि नहीं हैं। ऐसे में उस क्षेत्र में पार्टी के राज्य सभा सांसद की योजनाएं पहुंचने से कार्यकर्ताओं में उत्साह का संचार होता है। उन्होंने आदित्य साहू के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि उन्होंने राज्य के विभिन्न जिलों में अपने सांसद मद की राशि से योजनाएं स्वीकृत की है। उन्होंने कहा कि भाजपा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कुशल नेतृत्व में सबका साथ सबका विकास को साकार कर रही है।

उन्होंने सामूहिक प्रयास, योगदान से विकसित भारत के संकल्प को सिद्धि में बदलने का आह्वान किया। सांसद आदित्य साहू ने कहा कि पार्टी ने उन्हें जो अवसर दिया उसके माध्यम से सेवा के संकल्प को धरातल पर उतारने का यह प्रयास है। उन्होंने कहा कि सांसद निधि जनता की निधि है जिसे जनता तक पहुंचाने की जिम्मेदारी सभी की है। सांसद तो केवल माध्यम होते हैं। उन्होंने कहा कि आज सांसद निधि और सीसीएल सीएसआर फंड मिलाकर 6.08 करोड़ की योजनाओं का शिलान्यास हुआ जिसमें रांची महानगर और रांची ग्रामीण, गुमला, लोहरदगा, पलामू और रामगढ़ क्षेत्र की योजनाओं का हुआ है। अभी 3 और योजनाएं स्वीकृत होने की प्रक्रिया में हैं। उन्होंने रांची ग्रामीण में सीएसआर फंड से दो पुराने तालाबों के सुंदरीकरण कराने की भी घोषणा की। विधायक सीपी सिंह ने कहा कि प्रदेश भर में स्वीकृत विभिन्न योजनाओं की मॉनिटरिंग भी होनी चाहिए ताकि गुणवत्ता प्रभावित नहीं हो। विधायक नवीन जायसवाल ने कहा कि पहली बार सामूहिक शिलान्यास कार्यक्रम देखने का अवसर मिला है। जो सभी के लिए प्रेरणादायी है। कार्यक्रम में प्रदेश उपाध्यक्ष बालमुकुंद सहाय, आरती कुजूर, प्रदेश मंत्री सीमा पासवान, सुबोध सिंह गुड्डू, मनोज बाजपेयी, सरोज सिंह व लाल राजेंद्र नाथ शाहदेव, निर्भय सिंह, हेमंत दास, सुरेश साहू, शोभा यादव, राजश्रीजयंती, रमेश सिंह, संदीप वर्मा, शिवपूजन पाठक, जितेंद्र वर्मा, नरेंद्र सिंह, रामकांत महतो, प्रभु दयाल बड़ाइक, राजू सिंह, प्रीतम साहू, अनीता वर्मा, सुधाकर चौबे, सुरेश प्रसाद, विनय सिंह, विकास रवि, बिना मिश्रा, बालसाई महतो, मानकी मुंडा, राजेंद्र केसरी, प्रेम मित्तल, कमाल खान, लक्ष्मीचंद्र दीक्षित सहित अन्य कार्यकर्ता मौजूद थे।

जश्न नहीं, जवाब दे राज्य सरकार : अजय साह

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। हेमंत सरकार पार्ट-2 के एक वर्ष पूरे होने पर भारतीय जनता पार्टी ने राज्य सरकार पर तीखा हमला बोला है। प्रदेश प्रवक्ता अजय साह ने कहा कि सरकार जिस उत्सव के माहौल में अपना एक साल पूरा होने का जश्न मना रही है, उसे बंद कर जनता के मूल सवालों का जवाब देना चाहिए। उन्होंने कहा कि युवाओं के भविष्य से खिलवाड़ करने वाली सरकार रोजगार प्रदान करने के बजाय शिल्पा राव जैसे कार्यक्रमों में व्यस्त रही, जबकि बेरोजगार युवा आज भी जवाब का इंतजार कर रहे हैं। यह सरकार स्पष्ट करे कि एक साल में रोजगार सृजन के मोर्चे पर क्या उपलब्धियां हासिल हुईं और कितने युवाओं को वास्तविक लाभ मिला। अजय साह ने राज्य में बढ़ते अपराधों का मुद्दा उठाते हुए पूछा कि अपराध रोकने के लिए सरकार ने कौन-सा ठोस कदम उठाया, क्योंकि पिछले एक वर्ष में अपराध का ग्राफ लगातार ऊपर गया है।

राज्य सरकार का सिस्टम फेल : देवशरण भगत

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। झारखंड में हेमंत सोरेन सरकार के एक वर्ष पूर्ण होने पर आजसू पार्टी ने तीखा हमला बोला है। आजसू के मुख्य प्रवक्ता डॉ देवशरण भगत ने कहा है कि सरकार का सिस्टम फेल है। राज्य में विकास ठप है। जमीन-कोयला-बालू माफिया का बोलबाला दिख रहा है। राज्य के डीजीपी पर गैंगस्टर को संरक्षण देने का आरोप लगा है। डॉ भगत ने कहा कि गरीबों को घर नहीं मिला। युवाओं को न तो 5 लाख नौकरी मिली और ना छात्रवृत्ति मिल रही। वित्तीय मोर्चे पर भी सरकार पूरी तरह फेल साबित हुई है। केंद्र से मिलने वाली हजारों करोड़ की राशि का सही उपयोग नहीं हुआ। योजनाएं केवल कागजों पर हैं, धरातल पर कुछ नहीं। डीएमएफटी फंड, मनरेगा जैसी कल्याणकारी योजनाओं में बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार हुआ। सरकारी खजाना खाली है।

भाजपा को प्रश्न करने से पहले अपने दस वर्षों के शासन का हिसाब देना चाहिए : लाल किशोर नाथ शाहदेव

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के मुख्य प्रवक्ता लाल किशोर नाथ शाहदेव ने हेमंत सरकार के एक वर्ष पूरे होने पर भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता अजय साह द्वारा लगाये गये आरोपों को निराधार, राजनीति से प्रेरित और मुख्य मुद्दों से ध्यान भटकाने वाला करार दिया है। उन्होंने कहा कि भाजपा को प्रश्न करने से पहले अपने दस वर्षों के शासन का हिसाब देना चाहिए।

प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रवक्ता लाल किशोर नाथ शाहदेव ने कहा कि हेमंत सरकार ने सिर्फ एक वर्ष में जन-कल्याण और विकास की जो मजबूत नींव रखी है, उसका उत्सव मनाना स्वाभाविक है। भाजपा को यह समझना चाहिए कि सरकार काम करती है और जनता के बीच जाती है। युवाओं को रोजगार देने की दिशा में कई महत्वपूर्ण कदम उठाये गये हैं, जिनकी विस्तृत जानकारी सरकार जल्द ही सार्वजनिक करेगी। उन्होंने कहा कि भाजपा को बताना चाहिए कि केंद्र में उनकी सरकार ने हर साल दो करोड़ रोजगार का जो वादा किया था, उसका क्या हुआ? लाल किशोर नाथ शाहदेव ने कहा कि अपराध नियंत्रण एक सतत प्रक्रिया है। सरकार इस दिशा में गंभीर है और लगातार कार्रवाई कर रही है। भाजपा सिर्फ आंकड़े उछाल रही है, लेकिन उन्हें याद रखना चाहिए कि उनके शासनकाल में भी अपराध की स्थिति संतोषजनक नहीं थी। हम पारदर्शी हैं और हर चुनौती का सामना कर रहे हैं।

कांग्रेस प्रवक्ता ने कहा कि भ्रष्टाचार पर मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन का रुख स्पष्ट है - जीरो टॉलरेंस। कई अधिकारियों पर जांच चल रही है और कानून अपना काम करेगा। भाजपा को यह याद रखना चाहिए कि केंद्रीय जांच एजेंसियां उनके इशारे पर काम करती हैं और अगर वे वास्तव में भ्रष्टाचार के खिलाफ गंभीर हैं, तो उन्हें अपने कार्यकाल के दौरान हुए बड़े घोटालों पर कार्रवाई का हिसाब देना चाहिए। उन्होंने कहा कि हेमंत सरकार आदिवासियों के हितों के लिए प्रतिबद्ध है और उनके ऊपर हो रहे किसी भी अत्याचार को बर्दाश्त नहीं किया जायेगा। भाजपा आदिवासियों के नाम पर सिर्फ राजनीति करती है। जहां तक बांग्लादेशी घुसपैठ और फर्जी आधार कार्ड का सवाल है, यह एक राष्ट्रीय सुरक्षा का मुद्दा है, जिसके लिए केंद्र सरकार को ठोस कदम उठाने चाहिए। भाजपा केंद्र में है, फिर भी वह राज्य सरकार पर दोष मढ़ रही है।

डॉ ऋषि राज ने गरीबों में बांटा कंबल

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। सुकुरहुटू, कांके पंचायत सचिवालय भवन में गुरुवार को डॉ ऋषि राज ने बड़ी संख्या में लोगों के बीच कंबल बांटा। कहा कि सर्दी के मौसम में यह सेवा आगे भी जारी रहेगा। हरिनाथ साहू, प्रशांत कुमार बैठा, मनोज महतो, सूरज साहू, अशोक राम, यूनिल महतो, सविता देवी, नेहा ठाकुर, मीना देवी ने इसमें मुख्य रूप से योगदान दिया।

इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ क्रिकेट का एकदिवसीय क्रिकेट टूर्नामेंट संपन्न

रोमांचक मुकाबले में आइआइसी क्लब विजेता और प्रेस क्लब उपविजेता बने

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ क्रिकेट (आइआइसी) की ओर से एकदिवसीय क्रिकेट टूर्नामेंट का आयोजन किया गया। इसमें कुल चार टीमों ने भाग लिया। फाइनल मुकाबला आइआइसी क्लब और प्रेस क्लब के बीच खेला गया। फाइनल में आइआइसी क्लब के कप्तान देवाशीष चट्टराज ने टॉस जीतकर पहले फील्डिंग करने का निर्णय लिया।

रोमांचक मुकाबले के बाद आइआइसी क्लब विजेता बना, जबकि प्रेस क्लब उपविजेता रहा। विशिष्ट मुख्य अतिथिः नरेंद्र सिंह धोनी, प्रेसिडेंट आइआइसीः विक्रम समूह, मुख्य अतिथिः नित्यानंद, सीनियर एडिटर, राकेश कुमार, मैनेजिंग डायरेक्टर, आजाद सिपाही, पिंटू दुबे, सीनियर जर्नलिस्ट, दैनिक जागरण आई नेक्स्ट, चेतन प्रकाश, युवा आजसू मौजूद थे। आयोजन समिति में देबाशीष चट्टराज, जनरल सेक्रेटरी-कम-ट्रेजरर, आइआइसी, उद्घाटनकर्ताः मदन महतो, पैट्रन,आइआइसी, महेश कुमार, विधायक प्रतिनिधि, कांके, अभिषेक हेरेंज और अभय सिंह, वाइस प्रेसिडेंट शामिल थे।

व्यक्ति जब क्रोध करता है, तो उसकी बुद्धि उस समय काम नहीं करती : सुतीर्थ सागरजी

आजाद सिपाही संवाददाता

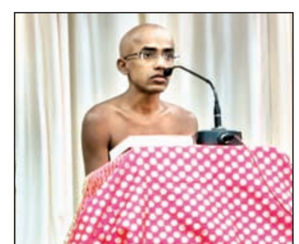

रांची। कषाय दुःख का कारण है। इससे आत्मा मलिन होती है। क्रोध, मान, माया और लोभ जैसे भाव आत्मा के स्वाभाविक, शुद्ध स्वरूप को दूषित कर देते हैं। कर्म बंध का कारण बनते हैं। आत्मा को संसार के आवागमन में फंसाए रखते हैं। उक्त बातें दिगंबर जैन संत आचार्य 108 सूरत्न सागर जी के शिष्य सुतिर्थ सागर जी ने कही। वे दिगंबर जैन मंदिर, जेजे रोड में गुरुवार को धर्मसभा में श्रावकों को आशीर्वचन प्रदान कर रहे थे। उन्होंने कहा कि आत्मा एक शुद्ध, चेतन तत्व है जिसका अंतिम लक्ष्य मोक्ष प्राप्त करना है। जब कोई व्यक्ति क्रोध, अहंकार, छल या लालच जैसी भावनाओं में उलझा रहता है, तो वह कर्म (अच्छे या बुरे) करता है। इन कर्मों के कारण नये कर्म बंधन आत्मा से जुड़ जाते हैं, जिससे आत्मा जन्म और मृत्यु के चक्र में फंस जाती है। ये कषाय आत्मा की शांति और शुद्धता को नष्ट कर देते हैं, ठीक वैसे ही जैसे रस्सी किसी वस्तु को कसकर बांध देती है। जैन दर्शन में कषायों पर विजय पाने, या इन्हें कम करने, पर बहुत जोर दिया जाता है, ताकि आत्मा मुक्त हो सके। व्यक्ति जब क्रोध करता है तो उसकी बुद्धि उस समय काम नहीं करती। वह ऐसे कार्य कर जाता है, जिससे उसे पूरा जीवन पछताना पड़ता है। मान का अर्थ होता है घमंड अगर व्यक्ति के अंदर मान आ जाये तो वह अपने सामने हर दूसरे व्यक्ति को अपने से छोटा समझता है। एक मायाचारी व्यक्ति कभी आत्मा का स्वरूप नहीं समझ सकता। लोभ पाप का बाप है। लोभ के कारण ही व्यक्ति पाप करता है। व्यक्ति अपना पेट नहीं पेटी भरता है। पेटी भरने के लिए वह हमेशा 99 के चक्कर में रहता है। वर्तमान कार्यकरिणी के सदस्यों और बाहर से आए अतिथि के अलावा अध्यक्ष प्रदीप बाकलीवाल, मंत्री जीतेंद्र छाबड़ा, माणकचंद काला, प्रमोद झांझरी, चेतन पाटनी, अरुण पाटनी, सुबोध बड़जात्या, मनोज काला, सौरभ विनायक्या, राजेश छाबड़ा, मीडिया प्रभारी राकेश काशलीवाल मौके पर खास तौर से उपस्थित थे।

इज्जतनगर बरेली तक गोरखपुर-पीलीभीत एक्सप्रेस का विस्तार

अश्विनी वैष्णव और जितिन प्रसाद ने दिखायी हरी झंडी

सामाजिक और आर्थिक विकास में आयेगी तेजी

आजाद सिपाही संवाददाता

नयी दिल्ली। लंबे वक्त से चली आ रही जनता की मांग को पूरा करते हुए, केंद्रीय रेल, सूचना एवं प्रसारण, तथा इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने गुरुवार को केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग राज्य मंत्री जितिन प्रसाद के साथ रेल भवन, नयी दिल्ली से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए गोरखपुर-पीलीभीत एक्सप्रेस के इज्जतनगर बरेली तक विस्तार को हरी झंडी दिखाई। यह ट्रेन पहले लखीमपुर और गोरखपुर के बीच चलती थी। कुछ महीने पहले ही इसकी सेवा पीलीभीत तक बढ़ायी गयी थी। अब इसे बरेली तक बढ़ा दिया गया है। यह पहल उत्तर प्रदेश के तरायी क्षेत्र में संपर्क को मजबूत करने के साथ विकास की मुख्यधारा से और अधिक प्रभावी ढंग से जोड़ने की दिशा में भारतीय रेलवे के उठाये गये बड़ा कदम है। मौके पर केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने 2014 से उत्तर प्रदेश में हुए रेलवे के अभूतपूर्व विकास पर प्रकाश डाला। बताया कि राज्य में 5,272 किलोमीटर नये ट्रैक बनाये गये हैं, जो स्विट्जरलैंड के पूरे रेल नेटवर्क से भी ज्यादा है। इसके साथ ही राज्य ने अपने रेल मार्गों का 100% विद्युतीकरण भी हासिल कर लिया है। इस अवधि के दौरान उत्तर प्रदेश में 1,660 फ्लाईओवर और रोड अंडरब्रिज बनाए गए हैं।

34 वंदे भारत और 26 अमृत भारत एक्सप्रेस ट्रेनें चल रहीं

केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने जानकारी दी कि यात्रियों हेतु सुविधा बढ़ाने के लिए भारतीय रेलवे ने विभिन्न स्टेशनों पर 154 लिफ्ट और 156 एस्केलेटर लगाये हैं। अब उत्तर प्रदेश के 771 स्टेशनों पर वाई-फाई की सुविधा भी उपलब्ध है। उन्होंने बताया कि राज्य में वर्तमान में 34 वंदे भारत एक्सप्रेस और 26 अमृत भारत एक्सप्रेस ट्रेनें चल रही हैं, जिससे मुसाफिरों के लिए उच्च-गुणवत्ता वाले यात्रा विकल्पों में खासा सुधार हुआ है।

यूपी के 157 स्टेशनों का हो रहा पुनर्विकास वैष्णव ने राज्य में रेलवे निवेश में हुई अप्रत्याशित वृद्धि पर भी प्रकाश डाला। उत्तर प्रदेश के लिए बजट आवंटन, जो 2014 से पहले 1,109 करोड़ रुपए था, अब 18 गुना बढ़कर 19,858 करोड़ रुपए हो गया है। इसके अलावा, अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत उत्तर प्रदेश के 157 स्टेशनों का पुनर्विकास किया जा रहा है। इसमें अकेले पश्चिमी और उत्तरी उत्तर प्रदेश के 48 स्टेशन शामिल हैं, जैसे मुजफ्फरनगर, सहारनपुर, शामली, बुलंदशहर, गढ़मुक्तेश्वर, गाजियाबाद, मेरठ सिटी, मोदीनगर, रामघाट, बिजनौर, धामपुर, मुरादाबाद, नजीबाबाद, पीलीभीत और बरेली आदि। उत्तर प्रदेश के इन 157 स्टेशनों में से 10 स्टेशनों का उद्घाटन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा पहले ही किया जा चुका है, जबकि बाकी स्टेशनों पर काम तेजी से चल रहा है। यह व्यापक पुनर्विकास अभियान राज्य भर में आधुनिक और यात्री-अनुकूल रेलवे बुनियादी ढांचे के एक नये युग की शुरूआत कर रहा है।

मंत्री जितिन प्रसाद ने जताया आभार

केंद्रीय राज्य मंत्री जितिन प्रसाद ने पीलीभीत को प्राथमिकता देने के लिए अश्विनी वैष्णव का आभार जताया। कहा कि इन रेल सेवाओं के विस्तार से सबसे ज्यादा लाभ छात्रों, किसानों और पर्यटकों को होगा। गोरखपुर-पीलीभीत एक्सप्रेस का इज्जतनगर बरेली तक विस्तार करके, भारतीय रेलवे ने यात्रियों की सुविधा बढ़ाने, परिवहन विकल्पों का विस्तार करने के लिए अपनी प्रतिबद्धता पर लगातार काम कर रही है, ताकि तराई क्षेत्र को बेहतर, विश्वसनीय और टिकाऊ रेल सेवाएं प्राप्त हों। कार्यक्रम में बरेली के सांसद छत्रपाल सिंह गंगवार, विधान परिषद सदस्य डॉ सुधीर गुप्ता और पूरनपुर के विधायक बाबूराम सहित कई जनप्रतिनिधि मौजूद थे, जिन्होंने जनता की ओर से केंद्रीय मंत्री वैष्णव का आभार व्यक्त किया।

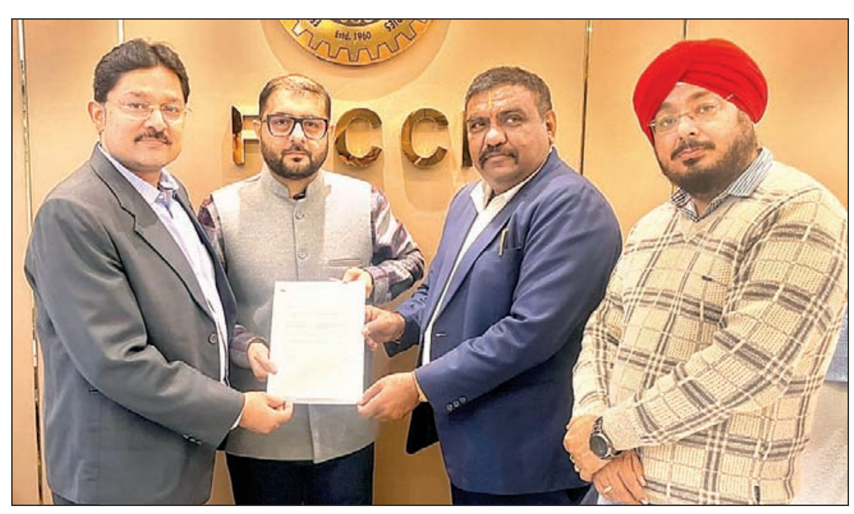

रांची के कारोबारी अनुराग चावला को फेडरेशन ऑफ झारखंड चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज ने स्टेट एक्साइज सब कमिटी का चेयरमैन नियुक्त किया है। यह नियुक्ति वर्ष 2025- 26 के लिए की गयी है।

दक्षिण पूर्व रेलवे-निविदा

निविदा सं.: एडीईई-जी-कन्सील्ड-25-04-आर3, दिनांक 26.11.2025; भारत के राष्ट्रपति के लिए तथा उनकी ओर से उप मुख्य विद्युत सेवाएं अभियंता, दक्षिण पूर्व रेलवे, गार्डनरीच, कोलकाता-700043 द्वारा नीचे उल्लेखित कार्य के निष्पादन के लिए **दिनांक 22.12.2025** को अपराह्न 3.00 बजे से पहले ई-निविदाएं आमंत्रित की जाती हैं: **कार्य का विवरण:** अग्नि सुरक्षा के अनुमोदन के कार्यान्वयन हेतु दक्षिण पूर्व रेलवे के गार्डनरीच में विभिन्न प्रशासनिक भवनों तथा सेंट्रल हॉस्टिपल में कन्शील्ड वायरिंग के साथ सहायक उपकरणों के प्रावधान तथा सब-स्टेशन सं. 6 एवं 8 में विद्युत आपूर्ति व्यवस्था में वृद्धि के लिए विद्युतीय कार्य। **निविदा मूल्य:** लागू जीएसटी के साथ रु. 6,94,90,407.24; **बयाना राशि:** रु. 4,97,500; **निविदा दस्तावेज की कीमत:** शून्य। **बंद होने की तारीख:** 22.12.2025 को अपराह्न 3.00 बजे। **कार्य पूरा करने की अवधि:** एलओए के जारी किए जाने की तारीख से 12 (बारह) महीने। निविदाओं के सम्पूर्ण विवरण/ब्यौरा/विनिर्देशन के लिए इच्छुक निविदादातागण वेबसाइट **www.ireps.gov.in** देख सकते हैं एवं अपनी बोलियां ऑनलाइन जमा करें। इस कार्य के लिए किसी भी परिस्थिति में मैनुअल निविदाएं स्वीकार नहीं की जाएगी। **वि.द्र.:** प्रत्याशित निविदादातागण सभी निविदाओं में भाग लेने के लिए नियमित रूप से **www.ireps.gov.in** देख सकते हैं। (PR-886)

बहुत चुभती है हार

हार 30 रनों से मिले या फिर 408 से, चुभती ही है, लेकिन गुवाहाटी टेस्ट जैसी हार क्रिकेट फैंस के लिए त्रासदी जैसी होती है। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ दूसरा टेस्ट गंवाने वाली टीम इंडिया ने क्लीन स्वीप खाने के साथ-साथ ऐसे रेकॉर्ड अपने नाम कर लिए हैं, जो पीछे कई सवाल छोड़ जाते हैं। मैदान पर हार से पहले ही हारी हुई लग रही टीम इंडिया को फिर से उठाना है, तो रवायती जवाबों से काम नहीं चलेगा।

जीत की याद : कोच गौतम गंभीर इस समय क्रिकेट फैंस के निशाने पर हैं। उनके निर्णयों की आलोचना की जा रही है। मैच के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में उन्होंने कहा कि यह जिम्मेदारी सबकी है और शुरूआत मुझसे होती है। लेकिन, यह याद दिलाना भी नहीं भूले कि उन्हीं की कोचिंग में टीम ने इंग्लैंड में टेस्ट सीरीज डॉ कराई थी और चैंपियंस ट्रॉफी जीती।

हार की जिम्मेदारी : कई पूर्व खिलाड़ी भी गंभीर के पक्ष में हैं, कि खेलना तो खिलाड़ी को होता है, कोच को नहीं। बात बिल्कुल सही है, लेकिन जब कोच किसी जीत में हिस्सेदार होता है, तो हार की जिम्मेदारी से वह बच नहीं सकता। गंभीर के फैसले पर अंगुली उठाने वाले भी कई पूर्व खिलाड़ी ही हैं, जिन्हें टीम इंडिया का सिलेक्शन प्रॉसेस समझ नहीं आ रहा।

गंभीर और बीसीसीआइ, दोनों को सोचना है कि बदलाव के नाम पर बदलाव, सीनियर खिलाड़ियों की अनदेखी, टीम में लगातार उठा-पटक और घरेलू क्रिकेट में प्रदर्शन को तवज्जो न देना कितना सही है।

बहुत ज्यादा प्रयोग : हर कोच का अपना विजन होता है। राहुल द्रविड़ के जाने के बाद गौतम गंभीर ने जिस तरह टीम में नए कॉम्बिनेशन बनाए, वह उनका तरीका है। लेकिन, फिर भी कुछ फैसले सवालों से नहीं बचते। सरफराज जैसे खिलाड़ियों की अनदेखी क्या घरेलू क्रिकेट में प्रदर्शन की अनदेखी नहीं है? टेस्ट क्रिकेट को स्पेशलिस्ट और स्थायित्व चाहिए। क्या टीम इंडिया बहुत ज्यादा प्रयोग की शिकार हो गयी?

बड़ी समस्या : गंभीर के कोच बनने के बाद से भारत 18 में से 10 टेस्ट हार चुका है। 5 टेस्ट तो उसने अपनी जमीन पर गंवाए हैं। जो टीम टेस्ट चैंपियनशिप के लगातार दो फाइनल में पहुंची हो, उसका ऐसा प्रदर्शन बताता है कि समस्या बहुत गहरी है। गंभीर ने पिछले प्रदर्शनों का हवाला दिया, पर उसी दौरान भारत को श्रीलंका से 27 साल बाद वनडे सीरीज हारनी पड़ी थी। ऑस्ट्रेलिया में भारत उस टीम से वनडे श्रृंखला गंवा बैठा, जिसके कई मुख्य खिलाड़ी रेस्ट पर थे।

आत्मनिरीक्षण का समय : जीत हो या हार, उससे जुड़ी हकीकत को देखना जरूरी है। इस हार पर बहस केवल परिणाम नहीं, उस वजह से हो रही है, जैसे यह गले पड़ी है। गंभीर और बीसीसीआइ, दोनों को सोचना है कि बदलाव के नाम पर बदलाव, सीनियर खिलाड़ियों की अनदेखी, टीम में लगातार उठा-पटक और घरेलू क्रिकेट में प्रदर्शन को तवज्जो न देना कितना सही है।

अभिमत
आजाद सिपाही

भारत गंगा के मैदान में लॉजिस्टिक्स नेटवर्क को एक एकीकृत मल्टीमॉडल तरीके के जरिये बदल रहा है जिसमें रोड, रेल और अंतर्देशीय जलमार्ग शामिल हैं और जिसकी वजह से परिवहन तेज, सस्ता और ज्यादा हरित हो रहा है। पूर्वी समर्पित माल गलियारा (इडीएफसी) एक तीव्र गति वाला मालवाहन सेवा है जिसने वैगन टर्नअराउंड समय को 15-16 दिन से घटा कर 2-3 दिन कर दिया है और ट्रांजिट समय को 60 घंटे से घटाकर 35-38 घंटे कर दिया है।

विकास इंजन से वैश्विक बढ़त तक: भारत के लॉजिस्टिक्स का सशक्तिकरण

पीआइबी

भारत की लॉजिस्टिक्स एक नये चरण में प्रवेश कर रही है और खुद को एक तेज स्मार्ट और वैश्विक रूप से प्रतिस्पर्धी क्षेत्र में परिवर्तित कर रही है। एकीकृत डिजिटल प्लेटफार्मों से जो माल परिवहन को नियंत्रित करते हैं से लेकर आधुनिक अवसंरचना तक देश के हर भाग को जोड़नेवाला अगली पीढ़ी का लॉजिस्टिक इकोसिस्टम धीरे-धीरे आकार ले रहा है। लक्षित नीति सुधारों, सांस्थानिक पुनर्व्यवस्था और तकनीक आधारित समाधानों की सहायता से सरकार लॉजिस्टिक्स को भारत के आर्थिक विकास और वैश्विक व्यापार व्यवस्था के मुख्य कारक में परिवर्तित कर रही है। ढांचागत बदलावों की लहर देश भर में लॉजिस्टिक्स के नियोजन, कार्यान्वयन और परिमापन के तरीके को बदल रही है। यूएलआइपी (यूनीफाइड लॉजिस्टिक्स इंटरफेस प्लेटफार्म) जैसे प्लेटफार्म विभिन्न विभागों के आंकड़ों का एकीकरण कर रहे हैं, जबकि एलडीबी (लॉजिस्टिक्स डाटा बैंक) 2.0 वास्तविक समय में लाखों कंटेनरों की दृश्यता को सुगम बना रहा है। प्रत्येक एचएसएन (हार्मोनाइज्ड सिस्टम ऑफ नॉमिनक्लेचर) कोड को उसके मंत्रालय से जोड़ा जाता है, जिससे जवाबदेही और नीति निर्धारण में सुधार होता है। एसएमआइएलइ (स्ट्रेंथनिंग मल्टीमॉडल एंड इंटीग्रेटेड लॉजिस्टिक्स इकोसिस्टम) प्रोग्राम के तहत शहर और राज्य स्तर की लॉजिस्टिक्स योजना को राष्ट्रीय प्राथमिकताओं के साथ जोड़ा जा रहा है। अंतर्देशीय जलमार्ग ने पिछले साल 145.84 मीलियन टन का कार्गो का परिवहन करके रिकॉर्ड बनाया है जबकि रेल में भीड़ कम करने के लिए समर्पित माल गलियारों का उपयोग किया जा रहा है। औद्योगिक जोन में एनआइसीडीसी (नेशनल इंडस्ट्रियल कॉरिडोर डेवलपमेंट कॉरपोरेशन) के तहत प्लग-एंड-प्ले पार्क निवेशकों के लिए तैयार अवसंरचना पेश करते हैं। जमीनी स्तर पर जीएसटी जैसे सुधारों और ई-वे बिल ने अंतरराज्यीय परिवहन में लंबे समय से चली आ रही दिक्कतों को दूर किया है। इन हस्तक्षेपों का स्पष्ट उद्देश्य है: लॉजिस्टिक्स लागत घटाना, क्षमता में सुधार करना और वैश्विक सप्लाई चेन में भारत की स्थिति को मजबूत करना।

भारत की लॉजिस्टिक्स लागत जीडीपी के 7.97 प्रतिशत तक गिर गयी है।

गंगा के मैदान में मल्टीमॉडल लॉजिस्टिक्स : भारत गंगा के मैदान में लॉजिस्टिक्स नेटवर्क को एक एकीकृत मल्टीमॉडल तरीके के जरिये बदल रहा है जिसमें रोड, रेल और अंतर्देशीय जलमार्ग शामिल हैं और जिसकी वजह से परिवहन तेज, सस्ता और ज्यादा हरित हो रहा है। पूर्वी समर्पित माल गलियारा (इडीएफसी) एक तीव्र गति वाला मालवाहन सेवा है जिसने वैगन टर्नअराउंड समय को 15-16 दिन से घटा कर 2-3 दिन कर दिया है और ट्रांजिट समय को 60 घंटे से घटाकर 35-38 घंटे कर दिया है। मालवाहन परिचालन का प्रबंधन अब प्रयागराज में मध्य नियंत्रण केंद्र के जरिये होता है, जिसकी वजह से मौजूदा रेल नेटवर्क पर भीड़ कम होती है। गंगा जलमार्ग का पुनर्जीवन वाराणसी में इडीएफसी से जुड़ा है जो विनिर्माताओं को कार्गो को हल्दिया जैसे पूर्वी बंदरगाहों तक ले जाने की अनुमति देता है। कॉरिडोर के नजदीक भंडारण और लॉजिस्टिक्स सुविधाओं के तीव्र विकास ने रोजगार बढ़ाया है, भंडारण प्रबंधन में सुधार किया है और समय पर उत्पादन और निर्यात सुनिश्चित किया है। इन परियोजनाओं को विश्व बैंक से अच्छा निवेश मिला है, जिसमें 1.96 अरब डॉलर ईस्टर्न डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर और रेल लॉजिस्टिक्स पहलकदमियों के लिए और 375 मिलियन डॉलर गंगा जलमार्ग विकास के लिए है। कुल मिला कर ये प्रयास एक कुशल, एकीकृत लॉजिस्टिक्स तंत्र बना रहे हैं, जो लागत घटाता है, कार्बन उत्सर्जन कम करता है और घरेलू और अंतरराष्ट्रीय बाजारों में भारत के संपर्क को मजबूत करता है।

लॉजिस्टिक्स पहले से कहीं ज्यादा जरूरी क्यों हैं : भारत के आर्थिक विकास का रास्ता कुशल लॉजिस्टिक्स पर निर्भर करता है, जो प्रतिस्पर्धा और वैश्विक संपर्क को बढ़ाने के लिए जरूरी हैं। राष्ट्रीय लॉजिस्टिक्स नीति और पीएम गतिशक्ति ने इस बदलाव में नयी रफ़्तार डाली है जिसने एक ज्यादा एकीकृत और आंकड़ा-संचालित लॉजिस्टिक्स इकोसिस्टम की नींव रखी है, लेकिन रणनीति में सटीकता की जरूरत होती है और यह लॉजिस्टिक्स की सही लागत की जानकारी से शुरू होती है। कुछ समय पहले तक, भारत की लॉजिस्टिक्स लागत को अकसर ज्यादा आंका जाता था। जीडीपी के 13 से 14 परसेंट के आम तौर पर बताये जाने वाले आंकड़े कुछ खास या बाहरी आंकड़ों पर आधारित थे। इससे नीति बनाने में भ्रम पैदा हुआ और दुनिया भर में गलत धारणा फैलीं। अब यह बदल गया है। उद्योग एवं आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (डीपीआइआइटी) ने राष्ट्रीय अनुप्रयुक्त आर्थिक अनुसंधान परिषद (एनसीएईआर) के साथ मिल कर अपनी तरह की पहला अध्ययन किया है। भारत में लॉजिस्टिक्स लागत का आकलन नामक इस अध्ययन में वैज्ञानिक आधार पर आकलन किया गया है। इसमें हाइब्रिड मेथड का इस्तेमाल करते हुए 3,500 से ज्यादा उद्योगों के हितधारकों के प्राथमिक आंकड़ों को सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय (एमओएसपीएल), भारतीय रिजर्व बैंक और वस्तु एवं सेवा कर नेटवर्क (जीएसटीएन) के द्वितीयक आंकड़ों से मिलान किया गया है। इसकी रिपोर्ट में 2023 और 2024 के लिए भारत की लॉजिस्टिक्स लागत को जीडीपी का 7.97 प्रतिशत और गैर-सेवा आउटपुट का 0.09 प्रतिशत बताया गया है। कुल मिला कर कुल लागत 24.01 लाख करोड़ रुपये आंकी गयी है। यह सिर्फ. एक हेडलाइन नंबर नहीं है। यह रिपोर्ट लागत घटकों, फर्म के आकार और उत्पादन के आधार पर विस्तृत विश्लेषण प्रस्तुत करती है। ये एक महत्वपूर्ण बात पर रोशनी डालती है: अपेक्षाकृत छोटे फर्म को ज्यादा लॉजिस्टिक लागत झेलनी पड़ती है, जो उनकी क्षमता को प्रभावित करता है। इस अध्ययन में अलग-अलग परिवहन के माध्यमों और दूरियों के आधार पर न्यूनतम मालवाहन लागत भी बतायी गयी है। यह आंकड़ा सप्लाई चेन की योजना बनाने और उसका मूल्य तय करने के लिए जरूरी है। मल्टीमॉडल परिवहन क्षमता बढ़ाने के मुख्य उपाय के रूप में उभर रहा है। उदाहरण के लिए रिपोर्ट ये दिखाती है कि लगभग 600 किलोमीटर की यात्रा के लिए पहले और आखिरी 50 किलोमीटर को बेहतर बनाने से कुल लॉजिस्टिक लागत काफी कम हो सकती है। यह अंतिम-मील अवसंरचना और मल्टीमॉडल लॉजिस्टिक एकीकरण की महत्ता को दिखाता है।

सभी नतीजे एक नये संवादात्मक डैशबोर्ड के जरिये उपलब्ध है जिसे वास्तविक-समय विश्लेषण और सोच समझकर फैसला लेने के लिए तैयार किया गया है। इस आंकड़ा-आधारित स्पष्टता से सरकार और उद्योग दोनों बेहतर निवेश कर सकते हैं, ज्यादा अनुकूल नीतियां बना सकते हैं और अवसंरचना का तेजी से उन्नयन कर सकते हैं। यह भारत को वैश्विक लॉजिस्टिक केंद्र बनने के लक्ष्य के और करीब लाता है। कम शब्दों में कहें तो, लॉजिस्टिक्स अब कोई ब्लैक बॉक्स नहीं रहा। सटीक लागत आकलन, व्यवहार-योग्य अंतर्दृष्टि और लक्षित हस्तक्षेपों के जरिये भारत अपनी सप्लाई चेन को एक छुपे हुए बोझ से शक्ति के स्रोत में बदल रहा है।

निष्कर्ष : लॉजिस्टिक्स लंबे समय से पर्दे के पीछे काम कर रहा है और धीरे-धीरे इस पर ज्यादा ध्यान दिया जा रहा है। पिछले दशकों में ट्रैक बिछाये गये और सिस्टम बनाये गये, और विकास की मौजूदा कोशिशें इसे शीर्ष पर पहुंचा रही हैं जो ज्यादा तेज, ज्यादा हरित और पूरी तरह से संपर्क सुविधा से युक्त है। अगर मेक इन इंडियाकारखाने बनाता है, तो लॉजिस्टिक्स राजमार्ग, जलमार्ग और आंकड़ों का प्रवाह तैयार करता है, जो उनके उत्पादों को दुनिया तक पहुंचाते हैं। पीएम गतिशक्ति पब्लिक/ऑफशोर, एसएमआइएलइ, एलइएपीएस 2025, एलइएडीएस 2025, आइपीआरएस 3.0, एलडीबी 2.0 जैसे पहलों के जरिये भारत अपने लॉजिस्टिक्स को एक ज्यादा लागत वाले केंद्र की बजाय एक सशक्त प्रतिस्पर्धी अग्रणी तंत्र में बदल रहा है। विकास इंजन से वैश्विक बढ़त तक का सफर शुरू हो गया है।

कोल्हान की खबरें

हुरलुंग गांव में 'मासिआ टुसु परब' 2025-26 की तैयारी, कार्यक्रम के रूपरेखा तैयार

जमशेदपुर (आजाद सिपाही)। हुरलुंग गांव के आदिवासी माइनगर रामविलास महतो के आवास में मासिआ टुसु परब 2025–26 के सफल आयोजन को लेकर बैठक आयोजित की गयी। गुरुवार को बैठक की अध्यक्षता देसुआ आकुस हुरलुंग महिला संयोजक समिति की संयोजक माइनगरि नंदिनी महतो ने की। बैठक में तय हुआ 16 दिसंबर 2025 को कुंवारी कन्याओं द्वारा टुसु थापना किया जायेगा और पूरे महीने में पारंपरिक पांता नाच और टुसु गीतों का आयोजन किया जायेगा। विशेष रूप से 9 दिन के अंतराल में तीन दिन टुसु चुमान के साथ पुरखेनी टुसु गाये जायेंगे। कार्यक्रम का समापन 14 जनवरी 2026 को हुरलुंग, नुतनडीह और लुपुंगडीह गांव से होते हुए स्वर्णरेखा नदी के प्राचीन लड़कंदा टुसु घाट में टुसु बिदाई और शोभायात्रा के साथ किया जायेगा। बैठक का संचालन नमिता महतो और धन्यवाद ज्ञापन ममता महतो ने प्रस्तुत की। मौके पर प्रदेश संयोजक प्रकाश महतो केटिआर समेत कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

एसएसपी ने की क्राइम मीटिंग, दिये निर्देश

जमशेदपुर (आजाद सिपाही)। एसएसपी पीयूष पांडेय ने गुरुवार को पुलिस ऑफिस सभागार में शहरी क्षेत्र के सभी थानेदारों, डीएसपी और इंसपेक्टरों के साथ मासिक क्राइम मीटिंग की। बैठक में उन्होंने साफ निर्देश दिया किसी भी हाल में अपराध पर रोक लगनी चाहिए और पुलिस की सक्रियता हर स्तर पर दिखनी चाहिए। एसएसपी ने मादक पदार्थों की तस्करी पर कड़ा रुख अपनाने को कहा। उन्होंने निर्देश दिया ड्रग्स पैडलरों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाये और समय–समय पर विशेष अभियान चलाकर अवैध हथियारों की बरामदगी सुनिश्चित की जाये। साथ ही उन्होंने जिले में लंबे समय से लंबित मामलों के शीघ्र निपटारे पर भी जोर दिया। फरार आरोपियों की गिरफ्तारी को प्राथमिकता देते हुए उन्होंने लंबित वारंट, कुर्की–जब्ती, पासपोर्ट जांच और चरित्र सत्यापन को समयबद्ध तरीके से पूरा करने का निर्देश दिया। एसएसपी पीयूष पांडेय ने कहा पुलिस की प्रभावी कार्रवाई से ही अपराध पर अंकुश लगाया जा सकता है।

भुइयांडीह कल्याण नगर में 10 वर्षीय बच्चे से सोने का लॉकेट छीनकर आरोपी फरार

जमशेदपुर (आजाद सिपाही)। भुइयांडीह कल्याण नगर में गुरुवार को तीन बदमाशों ने 10 वर्षीय बच्चे से सोने का लॉकेट छीनने का एक मामला प्रकास में आया है। गुरुवार को मिली जानकारी के अनुसार बच्चा अपनी मां सरिता देवी के साथ सामान लेने गया था। लौटते समय शिव मंदिर के पास घात लगाए युवकों ने बच्चे का मुंह दबाकर लॉकेट छीन लिया। घटना के दौरान मां के शोर मचाते ही आरोपी दौड़कर फरार हो गये। स्थानीय लोगों ने बताया क्षेत्र में नशेड़ियों की संख्या बढ़ रही है और शराब, गांजा व ब्राउन शुगर का अवैध सेवन व व्यापार बढ़ने से ऐसी घटनाएं सामने आ रही हैं। उन्होंने ने पुलिस गश्त की कमी को भी इसकी बड़ी वजह बताया। लोगों ने तत्काल कड़ी कार्रवाई और नियमित पेट्रोलिंग की मांग की।

विधायक ने मानगो फ्लाईओवर मामले में की बैठक

सरयू राय के हस्तक्षेप से खत्म हुआ गतिरोध, शर्तों के साथ काम शुरू

आजाद सिपाही संवाददाता

जमशेदपुर। मानगो फ्लाईओवर निर्माण को लेकर दो दिनों से जारी गतिरोध विधायक सरयू राय के हस्तक्षेप के बाद समाप्त हो गया। गुरुवार को सर्किट हाउस में हुई बैठक में तय हुआ रैंप के लिए बनने वाले 14 खंभों में एक बार में केवल तीन खंभों का ढांचा तैयार होगा और उनके बीच आवागमन के लिए पर्याप्त जगह छोड़ी जायेगी, ताकि दुकानदारों और स्थानीय लोगों को कम से कम परेशानी हो। बैठक में ट्रैफिक व्यवस्था में बदलाव पर भी सहमति बनी। सुबह 6 से 9 बजे तक बड़ा हनुमान मंदिर से मानगो पुल की ओर रास्ता खुला रहेगा। उसके बाद मानगो पुल से बड़ा हनुमान मंदिर तक यातायात चालू रहेगा। पायल सिनेमा से मानगो चौक तक सड़क का एक हिस्सा छोटे वाहनों के लिए हमेशा खुला रहेगा, जबकि बड़ा हनुमान मंदिर से मानगो चौक की ओर आने वाले वाहनों को डायवर्ट किया जायेगा। यह व्यवस्था फिलहाल एक हफ्ते ट्रायल के रूप में लागू होगी, जिसके बाद समीक्षा कर अगला फैसला लिया जायेगा। सरयू राय ने बताया डिमना चौक से मानगो चौक तक पूर्ण नो-इंट्री लागू करने का सुझाव भी सामने आया है, जिस पर वे डीसी से बात करेंगे। फ्लाईओवर निर्माण में 14 महीने से लंबित बिजली और पानी की लाइनों के स्थानांतरण पर रोक हटाते हुए सरयू राय ने अधीक्षण अभियंता को कड़े निर्देश दिये, जिसके बाद 65 करोड़ रुपये की स्वीकृति मिल गयी। अब निर्माण कार्य में तेजी आयेगी।

विधायक ने 1.03 करोड़ की लागत से विद्यालय भवन का किया शिलान्यास

हेमंत सरकार शिक्षा को नयी उंचाई दे रही, पोटका को जल्द ही सीएम स्कूल ऑफ एक्सीलेंस की सौगात : संजीव सरदार

आजाद सिपाही संवाददाता

पोटका। विधायक संजीव सरदार ने पोटका विधानसभा क्षेत्र में शिक्षा की गति को तेज करने के लिए सानग्राम में 1 करोड़ 3 लाख रुपये की लागत से +2 उच्च विद्यालय भवन का शिलान्यास किया। गुरुवार को शिलान्यास की गयी दो मंजिला भवन में 10 कमरे बनाये जायेंगे और कार्य 15 माह में पूरा किया जायेगा। मौके पर स्थानीय ग्रामीणों ने गाजे-बाजे के साथ विधायक का स्वागत किया। इस अवसर पर विधायक श्री सरदार ने कहा हेमंत सरकार शिक्षा को नई ऊँचाई दे रही है और पोटका को जल्द ही सीएम स्कूल ऑफ एक्सीलेंस की सौगात मिलेगी। उन्होंने बताया पोटका प्रखंड के छह माध्यमिक विद्यालयों को प्लस-2 में उत्क्रमित किया जा रहा है, जिससे हजारों विद्यार्थियों को लाभ मिलेगा। कार्यक्रम में स्थानीय जनप्रतिनिधि और ग्रामीण बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

परिजनों ने अमलगम कंपनी गेट पर शव के साथ किया प्रदर्शन

कांड्रा(आजाद सिपाही)। अमलगम कंपनी में काम करने गये कुलुपटांगा आदित्यपुर निवासी मनीष बाजपेई की संदिग्ध मौत के बाद परिजन और सहकर्मी आक्रोशित हो उठे। गुरुवार को वे कंपनी गेट के सामने शव रखकर धरना-प्रदर्शन पर बैठ गये। मनीष सोमवार रात ड्यूटी पर गये थे और मंगलवार देर रात टीएमएच से उनकी मौत की सूचना मिली। परिजनों का आरोप है कंपनी ने 24 घंटे लगातार काम कराया और घर जाने की अनुमति नहीं दी। उनका कहना है मृतक ने खुद बताया था कंपनी मनमाने ढंग से काम करवा रही है। परिजन अपनी मांगों पर अड़े हैं, जबकि कंपनी प्रबंधन ने अब तक उनसे कोई बातचीत नहीं की। करीब 50 से अधिक कर्मी और समाजसेवी भी प्रदर्शन में शामिल हुए और कंपनी के खिलाफ नारेबाजी की।घटना के बाद कंपनी की भूमिका पर सवाल उठने लगी हैं। इधर, पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी और दोषियों पर सख्त कार्रवाई का आश्वासन दिया।

पटमदा में तीन पंचायतों में लगा शिविर विधायक ने किया परिसंपत्तियों का वितरण

पटमदा (आजाद सिपाही)। सेवा अधिकार सप्ताह के तहत गुरुवार को बनकुंचिया, ओड़िया और खेडुआ पंचायत में आपकी योजना, आपकी सरकार, आपके द्वार शिविर लगाया गया। गुरुवार को खेडुआ पंचायत में मुख्य अतिथि विधायक मंगल कालिंदी ने दीप प्रज्ज्वलित कर शिविर का उद्घाटन किया और विभिन्न योजनाओं के लाभुकों के बीच परिसंपत्तियों का वितरण किया। मौके पर विधायक श्री कालिंदी ने कहा यह पहल सरकार की योजनाओं को सीधे जनता तक पहुंचाने का प्रभावी माध्यम है, जिसके तहत जाति, आय, आवासीय प्रमाणपत्र समेत कई सेवाएं मौके पर उपलब्ध कराई जा रही हैं। शिविर में गोद भराई, मुंहजुठी, धोती–साड़ी, किशोरी समृद्धि योजना, बुढ़ापा पेंशन स्वीकृति सहित कई योजनाओं का लाभ दिया गया। मौके पर सभी विभागों के स्टॉल पर अधिकारियों ने ग्रामीणों की समस्याएं सुनकर समाधान किया। कार्यक्रम में बीडीओ, सीओ, सीडीपीओ समेत कई जनप्रतिनिधि और सैकड़ों लाभुक ग्रामीण उपस्थित रहे।

प्रभावितों के बीच पहुंचीं विधायक, प्रशासन की कार्यशैली पर जतायी नाराजगी

जमशेदपुर (आजाद सिपाही)। भुईयांडीह बर्निंग घाट गोलचक्कर से कल्याण नगर चौक तक कोर्ट के आदेश पर जिला प्रशासन और टाटा स्टील लैंड विभाग द्वारा की गयी अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई के दूसरे दिन जमशेदपुर पूर्वी की विधायक पूर्णिमा साहू पीड़ित परिवारों से मिलने पहुंचीं। गुरुवार को विधायक ने स्थल निरीक्षण के दौरान कहा बिना पूर्व सूचना और तैयारी के अचानक की गयी कार्रवाई अत्यंत पीड़ादायक और मानवीय रूप से अस्वीकार्य है। उन्होंने सवाल उठाया सड़क चौड़ीकरण की योजना पहले से तय होने के बावजूद प्रभावित लोगों को नोटिस व पर्याप्त समय नहीं दिया गया। अफवाहों पर प्रतिक्रिया देते हुए श्रीमती साहू ने स्पष्ट कहा कार्रवाई में उनका कोई हस्तक्षेप नहीं था और यह कोर्ट के आदेश पर हुई प्रशासनिक प्रक्रिया थी। उन्होंने कुछ लोगों पर गलत प्रचार फैलाकर गरीब परिवारों को भ्रमित करने का आरोप लगाया। उन्होंने आश्वस्त किया पूरे मामले की जानकारी वे मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को देंगी और प्रभावित परिवारों के पुनर्वास के लिए ठोस कदम उठाने की मांग करेंगी।

अनियंत्रित वाहन घर में घुसा, जनहानि टली

राजनगर (आजाद सिपाही)। खोकरो मोड़ के पास गुरुवार तड़के एक भारी मालवाहक वाहन अनियंत्रित होकर सड़क किनारे स्थित घर में जा घुसा। वाहन की तेज रफ्तार से घर की दीवारें क्षतिग्रस्त हो गईं, लेकिन गनीमत रही कि कोई हताहत नहीं हुआ।घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय लोग और पुलिस मौके पर पह पहुचे और राहत कार्य शुरू कर दी। फिलहाल राजनगर पुलिस वाहन को कब्जे में लेकर चालक से पूछताछ कर कर रही है।

देश की आत्मा है भारतीय संविधान : डॉ पातंजली

आजाद सिपाही संवाददाता

गढ़वा। भाजपा नेता डॉक्टर पातंजली केशरी सहित अन्य लोगों ने संविधान दिवस के अवसर पर शहर के दानरो नदी स्थित बाबा भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। इसमें शामिल सभी लोगों ने संविधान की प्रस्तावना को पढ़कर अपने दायित्वों का ईमानदारी से पालन करने का संकल्प लिया। इस अवसर पर भाजपा नेता डॉक्टर पातंजली केशरी ने कहा कि भारतीय संविधान हमारे देश की आत्मा है। हमें अपने कर्तव्य और अधिकारों का ईमानदारी से पालन करते हुए राष्ट्र की गरिमा और अखंडता को बनाए रखना है। राष्ट्र के विकास में पूरी सक्रियता के साथ सहभागिता निभाना ही संविधान के प्रति सच्चा सम्मान है। उन्होंने कहा कि हम सभी अपनी जिम्मेवारियों और अधिकारों का खास ख्याल रखें। इसलिए प्रत्येक 26 नवंबर को संविधान दिवस मनाया जाता है। संविधान हमें मौलिक कर्तव्य सीखाता है। लोकतंत्र और एकता के मूल्यों को समझने की प्रेरणा देता है। सभी नागरिकों में संवैधानिक मूल्यों के प्रति सम्मान बढ़ाना संविधान दिवस का मुख्य उद्देश्य है। हमारा संविधान लोकतांत्रिक, धर्मनिरपेक्ष और समाजवादी ढांचे को परिभाषित करने वाला दस्तावेज है, जो पिछले सात दशकों से न्याय, स्वतंत्रता, बंधुत्व और समानता सुनिश्चित किया है। वहीं, अब्दुल मन्नान ने कहा कि 26 नवंबर का दिन ऐतिहासिक है। 26 नवंबर को ही वर्ष 1949 में हमारे देश भारत ने संविधान को अपनाया और 26 जनवरी 1950 को इसे लागू किया गया था। संविधान के बिना देश नहीं चल सकता है। देश का शासन और सरकार चलाना संविधान के अंदर निहित है। सरकार के विभिन्न अंगों की रूपरेखा, नागरिकों के अधिकार और उनके कर्तव्यों की रक्षा करने का महत्वपूर्ण दस्तावेज है। हमें इसका सच्चे मन से सम्मान करना चाहिए। इस मौके पर डॉक्टर इश्तियाक रजा, डॉक्टर आदित्य प्रकाश, संतोष कुमार, सुनील कुमार, संगीता कुमारी, मोहम्मद जावेद, रंजना कुजूर, अंजली कुमारी, माया कुमारी सहित अन्य उपस्थित थे।

चौकीदार की पिटाई से गंभीर रूप से घायल व्यक्ति की मौत

आक्रोशित ग्रामीणों ने शव रखकर घंटों किया सड़क जाम

आजाद सिपाही संवाददाता

विशुनपुरा/गढ़वा। जिले के विशुनपुरा थाना क्षेत्र के अमहर गांव में आठ महीना पहले हुई मारपीट की घटना ने गुरुवार को गंभीर रूप ले लिया। कथित रूप से पुलिस की बेरहमी से पिटाई में गंभीर रूप से घायल उपेंद्र चंद्रवंशी (45) नामक व्यक्ति की गुरुवार को मौत हो गयी। इसकी सूचना मिलते ही अमहर गांव के सैकड़ों ग्रामीण उग्र हो गए और शव को रमना-विशुनपुरा मुख्य सड़क पर रखकर जाम कर दिया। ग्रामीण सुबह नौ बजे से सड़क पर धरने पर बैठ गये और डीसी एवं एसपी को मौके पर बुलाने की मांग पर अड़े रहे। इससे वाहनों की लंबी कतार लग गयी। प्रदर्शनकारी ग्रामीण चौकीदार कन्हाई पासवान को नौकरी से बर्खास्त करने, आरोपियों की तुरंत गिरफ्तारी, पीड़ित परिवार को उचित मुआवजा और न्याय सुनिश्चित करने की मांग कर रहे थे। उधर, सड़क जाम और हंगामें की सूचना मिलते ही विशुनपुरा सीओ खगेश कुमार और थाना प्रभारी राहुल कुमार सिंह दल-बल के साथ मौके पर पहुंचे और ग्रामीणों को समझाने का प्रयास किया। लेकिन प्रदर्शनकारी डीसी-एसपी को बुलाने पर अड़े रहे। इस पर स्थिति को नियंत्रण करने के लिए रमना, बरडीहा और नगर उंटारी थाना से अतिरिक्त पुलिस कर्मियों को मौके पर तैनात किया गया। दूसरी ओर, सूचना पाकर बंशीधर नगर इंस्पेक्टर जितेंद्र कुमार आजाद मौके पर पहुंचे और ग्रामीणों को काफी समझाया, लेकिन वे भी नाकाम रहे। इसके बाद अनुमंडलीय एसडीओ प्रभाकर मिर्घा मौके पर पहुंचे और ग्रामीणों से बातचीत की। उन्हें ग्रामीणों ने बताया कि आरोपी चौकीदार कन्हाई पासवान सहित उसके सहयोगियों को गिरफ्तार कर तत्काल जेल भेजा जाये। लगे हाथ आरोपी को चौकीदार पद से बर्खास्त किया जाए। इसके अलावा मृतक के आश्रितों को उचित मुआवजा दी जाए। इस पर एसडीओ ने आश्वासन दिया कि शव का पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद दोषी पाये जाने पर आरोपी के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। साथ ही चौकीदार पद से भी बर्खास्त के लिए वरीय पदाधिकारियों को पत्राचार करने, सरकार की ओर से दिये जाने वाले लाभ को आश्रितों को दिलाया जाएगा। इसके बाद ग्रामीणों ने एसडीओ के मौखिक आश्वासन के छह घंटे बाद सड़क जाम को समाप्त किया। जिसके बाद विशुनपुरा पुलिस शव को कब्जे में लेकर थाना ले गयी। इस मौके पर झामुमो के केंद्रीय कार्य समिति सदस्य ताहिर अंसारी, जिला परिषद सदस्य शंभूराम चंद्रवंशी, झामुमो प्रखंड अध्यक्ष धर्मेंद्र सिंह, भाजपा जिला सोसल मीडिया प्रभारी जितेंद्र दीक्षित, मुखिया ललित नारायण सिंह, बलराम पासवान, बीडीसी भरदुल चंद्रवंशी, आलम अंसारी, संजय चंद्रवंशी और सुधीर सिंह सहित सैकड़ों ग्रामीण उपस्थित थे।

शव के साथ प्रदर्शन कर रहे लोगों को समझाते पुलिस के आला अधिकारी।

आठ माह पुराने मामले में न्याय न मिलने का आरोप

परिजनों का आरोप है कि होली की रात उपेंद्र चंद्रवंशी और प्रशांत कुमार को गांव के चौकीदार कन्हाई पासवान, पत्नी मेत्री देवी, पुत्र रोशन पासवान, छोटू पासवान और पुत्री करिश्मा कुमारी ने बेरहमी से पीटा था। उपेंद्र के सिर में गंभीर चोट आई थी। तभी से उसका लगातार इलाज चल रहा था। सिर की सर्जरी भी हुई थी। इलाज करवाकर वे आठ दिन पहले ही घर लौटे थे, लेकिन गुरुवार की सुबह आठ बजे उपेंद्र की मौत हो गयी। परिजनों का आरोप है कि विशुनपुरा थाना में प्राथमिकी दर्ज होने के बावजूद प्रशासन की लापरवाही के कारण चौकीदार कन्हाई पासवान को आसानी से बेल मिल गई और वह ड्यूटी पर भी बहाल है। परिजनों ने कहा कि आरोपियों के खुलेआम घूमने से पीड़ित परिवार लगातार भय में जी रहा है।

इलाज में बिक गई जमीन

परिजनों ने बताया कि आठ माह लंबा इलाज कराते-कराते परिवार की आर्थिक स्थिति बेहद खराब हो चुकी है। जमीन-जायदाद तक बेचनी पड़ गयी। फिर भी न्याय नहीं मिला। उन्होंने पुलिस प्रशासन पर घोर लापरवाही और मामले को दबाने का भी आरोप लगाया है।

सड़क दुर्घटना में दो की मौत

श्री बंशीधर नगर (आजाद सिपाही)। नगर थाना क्षेत्र स्थित बिलासपुर के समीप राष्ट्रीय राजमार्ग 75 पर सड़क दुर्घटना में दो युवकों की मौत हो गई। उनकी पहचान प्रखंड के जासा डामर निवासी राकेश कुमार (25) और भीम कुमार (19) के रूप में हुई है। दोनों सलसलादि ग्राम के र हने वाले थे। जानकारी के मुताबिक दोनों दुद्धी से अपने घर श्री बंशीधर नगर लौट रहे थे। तभी बंशीधर नगर के बिलासपुर पंचायत के समीप एनएच 75 पर अज्ञात वाहन की चपेट में आने से मौके पर ही दोनों की मौत हो गई। उधर, घटना के बाद रामजी बैठा ने थाने में आवेदन देकर अज्ञात वाहन एवं चालक पर कानूनी कार्रवाई करने की मांग की है।

जीएन कान्वेंट स्कूल में बेहतर प्रदर्शन करने वाले छात्र-छात्रा सम्मानित

गढ़वा (आजाद सिपाही)। भारतीय संविधान दिवस पर जीएन कान्वेंट स्कूल में भव्य कार्यक्रम आयोजित हुआ। जिसमें छात्र-छात्राओं एवं शिक्षक शिक्षिकाओं ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। कार्यक्रम की शुरूआत विद्यालय के निदेशक सह शिक्षाविद मदन प्रसाद केशरी, प्राचार्य सीबी सिन्हा और उपप्राचार्य बसंत ठाकुर ने संयुक्त रुप से डॉ भीमराव अंबेडकर एवं डॉ राजेंद्र प्रसाद के चित्र पर माल्यार्पण कर किया। निदेशक मदन प्रसाद केशरी ने कहा कि भारत का संविधान हमें विश्व का सबसे बड़ा लोकतंत्र होने का गौरव देता है। वर्ष 1949 में 26 नवंबर को संविधान सभा द्वारा संविधान को स्वीकार किया गया जो 26 जनवरी 1950 को लागू हुआ। संविधान दिवस हमें याद दिलाता है कि अपने अधिकारों का सम्मान करना चाहिए और अपने कर्तव्यों का पालन सत्य निष्ठा से करना चाहिए। इस अवसर पर छात्र-छात्राओं के बीच भाषण, पेंटिंग, वाद विवाद का आयोजन किया गया। साथ ही संविधान उद्देशिका का भी वाचन कराया गया। इसमें उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों को प्रशस्ति पत्र एवं मेडल देकर सम्मानित किया गया। इस मौके पर शिक्षक कृष्ण कुमार, खुर्शीद आलम, वीरेंद्र शाह, मुकेश भारती, दिनेश कुमार, नीरा शर्मा, सरिता दुबे, सुनीता कुमारी, शिवानी कुमारी, चंदा कुमारी, वर्षा कुमारी, श्वेता राज, पूजा प्रकाश, संतोष प्रसाद आदि थे।

चैलेंजर क्रिकेट क्लब को छह विकेट से हरा रेड ब्लू क्रिकेट क्लब ने दर्ज की जीत

गढ़वा (आजाद सिपाही)। जिला क्रिकेट एसोसिएशन के तत्वावधान में आयोजित लीग मैच का 19वां मुकाबला रेड ब्ल्यू क्रिकेट और चैलेंजर क्रिकेट क्लब के बीच खेला गया। इस रोमांचक मैच में रेड ब्लू क्रिकेट क्लब ने शानदार खेल दिखाते हुए छह विकेट से जीत दर्ज की। इससे पहले टॉस जीत कर बल्लेबाजी करते हुए चैलेंजर क्रिकेट क्लब की टीम ने निर्धारित ओवरों में 119 रनों का स्कोर बनाया। तरुण गौरव ने 41 और प्रकाश यादव ने 18 की पारी खेली। जबकि, गेंदबाजी में रेड ब्ल्यू क्रिकेट क्लब की ओर से विकाश गर्ग ने तीन, कुमार आदित्य, कार्तिक उरांव ने 2- 2 विकेट चटकाए। वहीं, लक्ष्य का पीछा करने उतरी रेड ब्ल्यू क्रिकेट क्लब की टीम निर्धारित ओवरों में चार विकेट खोकर ही 120 रन बना लिये। टीम की ओर से अंकित सिंह ने 30 रन, नीतीश ने 17, अंश प्रताप सिंह ने 18 और कुमार आदित्य ने 17 रन बनाए। जबकि, चैलेंजर क्रिकेट क्लब की ओर से गेंदबाजी में सागर मालाकार ने चार ओवर 35 रन देकर दो विकेट, जबकि राजन और अफजल अंसारी ने 1-1 विकेट झटके। वहीं, बेहतर प्रदर्शन के लिए विकाश गर्ग को मैन ऑफ द मैच का पुरस्कार डॉ शमशेर सिंह ने दिया।

डीएसडबल्यूओ ने किया ओल्डएज होम का निरीक्षण

आजाद सिपाही संवाददाता

गढ़वा। डीसी सह जिला दंडाधिकारी दिनेश कुमार के निर्देश पर गुरुवार को नगर बंशीधर स्थित ओल्डएज होम का निरीक्षण जिला समाज कल्याण पदाधिकारी धीरज प्रकाश ने किया। इस दौरान वृद्धाश्रम में उपलब्ध मूलभूत सुविधाएं जैसे ब्लैंकेट, वस्त्र, भोजन व्यवस्था, पीने के पानी के लिए वॉटर प्यूरीफायर, विद्युत आपूर्ति एवं शौचालय संतोषजनक एवं सुव्यवस्थित पाया। निरीक्षण के क्रम में डीएसडब्ल्यूओ ने सिविल सर्जन को वृद्धाश्रम के लिए नियमित मेडिकल टीम भेजने का अनुरोध किया। साथ ही स्थायी मेडिकल किट उपलब्ध कराने का भी निर्देश दिया गया। इस दौरान बंशीधर नगर परिषद के कार्यपालक पदाधिकारी राजकमल भी मौके पर उपस्थित रहे। उन्होंने अगले दिन आठ सदस्यीय टीम भेजकर पूरे परिसर की सफाई सुनिश्चित कराने का आश्वासन दिया। वहीं, जिला समाज कल्याण पदाधिकारी ने अपने विभाग के कनीय अभियंता को वृद्धाश्रम के रंग-रोगन, जीर्णोद्धार एवं आवश्यक मरम्मत के लिए विस्तृत एस्टीमेट तैयार करने का निर्देश दिया, ताकि 2016 से संचालित इस भवन में शौचालय, बिजली, प्लास्टर, ग्रिल आदि से संबंधित आवश्यक सुधार कार्य जल्द शुरू किए जा सकें। बतातें चलें कि वर्तमान में वृद्धाश्रम में दो महिलाएं और चार पुरुष सहित कुल छह बेसहारा लोग निवासरत हैं। उनकी देखभाल के लिए एक स्वीपर, एक कुक, एक गार्ड और एक मैनेजर प्रतिनियुक्त हैं। जिला समाज कल्याण पदाधिकारी ने आमजन से अपील की है कि 'आइए, हम सब थोड़ा समय निकालकर इन उपेक्षित सांध्यकालीन जीवन में स्नेह और सुकून के कुछ पल भरने अवश्य जाएं।'

कस्तूरबा विद्यालय में चला जागरूकता अभियान पुलिस ने दी ओटीपी साझा न करने की हिदायत

डंडई (आजाद सिपाही)। कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय में गुरुवार को एक दिवसीय जागरूकता अभियान चलाया गया। थाना प्रभारी अनिमेष शांतिकारी एवं अन्य पुलिस पदाधिकारियों की ओरसे चलाये गये अभियान में महिला सुरक्षा, बाल विवाह, साइबर सुरक्षा, नशाखोरी, सड़क सुरक्षा, डायन बिसाही और समाज में व्याप्त कई तरह की कुरीतियों के बारे में विस्तृत जानकारी दी गयी। इस दौरान दौरान साइबर सुरक्षा और महिला सुरक्षा पर छात्राओं को जानकारी दी गई। थाना प्रभारी ने बताया कि साइबर ठगी एक ऐसा मकड़जाल है, जिसमें कई लोग एक साथ सक्रिय होकर टेलिफोनिक संवाद कर ठगी करते हैं। कहा कि जब साइबर ठग फोन करते हैं, तो आपसे ओटीपी भी मांगना शुरू कर देते हैं। ओटीपी देते ही व्यक्ति ठगी का शिकार हो जाता है। ऐसे लोगों से संवाद करने से बचना चाहिए। ठगी होने पर उसकी जानकारी अविलंब पुलिस पदाधिकारियों को दें, ताकि उस पर आगे की कार्रवाई हो सके। इस मौके पर विद्यालय की वार्डन तनुजा कुमारी, अकाउंटेंट रोशनी कुमारी, साइंस लैब असिस्टेंट रीना कुमारी, शिक्षिका कुमारी पूनम, सोनम कुमारी, नीतू कुमारी, कविता, नंद कुमार यादव, सतीश कुमार यादव आदि मौजूद रहे।

गरीब की बेटी के लिए मसीहा बने थाना प्रभारी उपेंद्र कुमार

आवश्यक सामान के साथ आर्थिक सहयोग भी दिया

आजाद सिपाही संवाददाता

बंशीधर नगर। श्री बंशीधर नगर थाना क्षेत्र में थाना प्रभारी उपेंद्र कुमार के मानवीय रूप ने सभी का दिल जीत लिया। उन्होंने गोसाई बाग निवासी गरीब संजय राम की छोटी बेटी की शादी में जिस संवेदनशीलता और मानवीयता का परिचय दिया, वह पूरे गढ़वा जिले में चर्चा का विषय बना हुआ है।

जानकारी के अनुसार संजय राम अपनी आर्थिक स्थिति के कारण बेटी की शादी को लेकर चिंतित थे। इसकी जानकारी जब श्री बंशीधर नगर थाना प्रभारी उपेंद्र कुमार को मिली, तो उन्होंने बिना किसी प्रचार और भेदभाव के आगे बढ़कर मदद का हाथ बढ़ाया। उन्होंने शादी के आवश्यक सामान से लेकर आर्थिक सहयोग तक, परिवार की भरपूर सहायता की। थाना प्रभारी ने यह साबित कर दिया कि मानवता का कोई धर्म, जाति और वर्ग नहीं होता। उधर, स्थानीय ग्रामीणों का कहना है कि उपेंद्र कुमार सिर्फ कानून-व्यवस्था संभालने वाले अधिकारी ही नहीं, बल्कि क्षेत्र के लोगों के सच्चे हितैषी भी हैं। उनके इस कदम ने पुलिस के प्रति लोगों की सोच को और अधिक सकारात्मक बना दिया है। उपेंद्र कुमार का यह कार्य पुलिस की असली छवि–जनसेवा, सहयोग और मानवता को दर्शाता है। उनके इस असाधारण कदम ने न सिर्फ एक गरीब पिता के घर में खुशियों की रोशनी जगाई, बल्कि पूरे क्षेत्र को यह संदेश भी दे दिया। वहीं, थाना प्रभारी ने आम लोगों से भी अपील की कि जरूरतमंद लोगों को सहयोग करना चाहिए। आपके एक छोटी सहयोग से किसी के घर में खुशियों की रोशनी जगमगा सकती है।

पेंशनर्स कल्याण समाज की बैठक आज

गढ़वा (आजाद सिपाही)। गढ़वा जिला पेंशनर समाज के अध्यक्ष केके यादव ने बताया कि झारखंड पेंशनर्स कल्याण समाज गढ़वा की मासिक बैठक शुक्रवार को होगी। इसमें निर्धारित एजेंडा के रूप में विगत बैठक की कार्यवाही की संपुष्टि, कोषाध्यक्ष द्वारा प्रस्तुत आय-व्यय का अनुमोदन, कल्याण कोष एवं सदस्यता अभियान पर चर्चा, अंतर्राष्ट्रीय पेंशन दिवस पर कंबल वितरण की तैयारी, पेंशनरों से संबंधित समस्याओं का निराकरण एवं जीवन प्रमाण पत्र आदि पर समीक्षा की जानी है। बैठक में भारतीय स्टेट बैंक के पदाधिकारी भी उपस्थित रहेंगे। कार्यालय में पुनः लाइफ सर्टिफिकेट लेने की व्यवस्था कर दी गई है। वैसे पेंशनर जिनका अभी तक लाइव सर्टिफिकेट किसी कारण बस जमा नहीं कर पाए हैं वह इस बैठक में सभी कागजातों के साथ उपस्थित होकर अपना लाइफ सर्टिफिकेट जमा कराना सुनिश्चित करेंगें। सभी से आग्रह किया कि अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर इस बैठक को सफल बनाने में सहयोग करें।

Office of the Deputy Commissioner, Chatra, Jharkhand
Recruitment Notice for Hospital Manager

Under District Mineral Foundation Trust (DMFT)
Memo No.:XXVII-DMFT/65/2022 /………… Dated:……………….
District Mineral Foundation Trust intends to recruit Hospital Manager on a contractual basis in Chatra district. Applications are invited from suitable candidates for rendering services for the position as detailed and described below:
Vacancy Table:

Sl. No.	Description of Posts	Total Post	Essential Qualification	Category		Monthly Consolidate Remuneration
1	Hospital Manager	7	MBA- Health Care/MHA/PG Diploma in Hospital & Health Management	Gen	4	41000/-
				SC	1	
				ST	1	
				BC-I	0	
				BC-II	1	
				EWS	0	

Candidates are requested to apply offline against this advertisement on the Offline Recruitment Page on the website https://chatra.nic.in/. They are requested to go through carefully the details of posts and instruction published above as well as on the website https://chatra.nic.in/.

Sl. No.	Details	Date
1	Publication of Advertisement in News paper	28.11.2025
2	Last Date of Application Submission through Required Post	12.12.2025, till 05:00 PM

Deputy Commissioner
- cum-Chairperson,
DMFT Chatra

PR.NO.367245 District(25-26):D

कार्यालय, जिला परिषद्, कोडरमा

अतिअल्पकालीन नीलामी (3rd Call)
हाट–बाजार, जयनगर एवं मरकच्चो

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि केवल एक वर्ष (06 दिसम्बर 2025 से 30 नवम्बर 2026 तक) के लिए प्रखण्ड जयनगर एवं मरकच्चो अन्तर्गत पूर्ण रूप से तैयार हाट–बाजार की बंदोबस्ती उप विकास आयुक्त–सह–मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी, जिला परिषद्, कोडरमा के कार्यालय कक्ष/सभागार में निम्नांकित तिथि को सम्पन्न की जायेगी–

क्र0सं0	हाट–बाजार का नाम	सुरक्षित जमा राशि	जमानत की राशि	तिथि	समय
1	2	3	4	5	6
1	पेठियाबागी हाट–बाजार, जयनगर प्रखण्ड	1,00,000.00	10,000.00	03/12/2025	03:00 बजे अपराह्न
2	हाट–बाजार, मरकच्चो प्रखण्ड	3,00,000.00	30,000.00	03/12/2025	03:00 बजे अपराह्न

इच्छुक डाकवक्ता उपरोक्त कॉलम 04 में अंकित राशि का बैंक ड्राफ्ट जो उप विकास आयुक्त–सह–मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी, जिला परिषद्, कोडरमा के पदनाम से देय होगा एवं बैंक ऑफ महाराष्ट्र, कोडरमा शाखा में भुगतेय होगा। आवेदन पत्र के साथ आवश्यक दस्तावेज संलग्न कर डाक से पूर्व जमा कर डाक में भाग ले सकते हैं। नियमावली एवं भार्त कार्यालय के सूचना पट्ट एवं कोडरमा जिले के वेबसाईट www.koderma.nic.in पर देखा जा सकता है।

ह0/–
उप विकास आयुक्त–सह–
मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी,जिला परिषद्, कोडरमा।

PR.NO.367205 Panchayati Raj(25-26):D

महत्वपूर्ण खबरें

कुकडू में जिला स्तरीय क्रॉस कंट्री चैंपियनशिप का किया गया आयोजन

ईचागढ़ (आजाद सिपाही)। सरायकेला-खरसावां जिला के कुकडु प्रखंड क्षेत्र के तिरुलडीह शहीद चौक में 15वां जिला स्तरीय क्रॉस कंट्री चैंपियनशिप 2025 का आयोजन किया गया। उद्घाटन समारोह में जिला परिषद उपाध्यक्ष मधुश्री महतो, प्रखंड विकास पदाधिकारी राजश्री ललिता बाखला सहित खेल संघ व क्लब के पदाधिकारी मौजूद रहे। हालांकि, प्रतियोगिता के समापन के बाद आयोजन प्रबंधन में खामियों को लेकर अभिभावकों और खिलाड़ियों में नाराजगी देखी गयी। प्रतियोगिता में मेडिकल टीम की अनुपस्थिति और संशोधित पुराने सर्टिफिकेट वितरण, जिसमें अध्यक्ष का नाम गलत दर्ज पाया गया। मुख्य विवाद का कारण रहा। कार्यक्रम के दौरान प्रखंड विकास पदाधिकारी राजश्री ललिता बाखला ने भी त्रुटि पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि इस खेल का सूचना सिर्फ एक दिन पूर्व मिली। उन्होंने कहा कि यह प्रशासनिक और प्रबंधन स्तर पर गंभीर त्रुटि है और इसकी जांच व सुधार आवश्यक है। बच्चों की सुरक्षा सर्वोपरि है। जिला खेलों में मेडिकल टीम और सही प्रमाण-पत्र अनिवार्य हैं। उन्होंने कहा कि त्रुटि का सुधार सुनिश्चित किया जायेगा।

रंगमाटी में अनियंत्रित हाइवा घर में घुसा

सिल्ली (आजाद सिपाही)। रंगमाटी मुख्य सड़क पर मंगलवार की अहले सुबह एक बड़ा हादसा होते-होते टल गया। एक तेज रफ्तार और अनियंत्रित हाईवा अचानक सड़क किनारे स्थित बनता निवासी छूटनू प्रजापति के घर में जा घुसा। टक्कर इतनी जोरदार थी कि घर की दीवारें बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गयीं। हादसे के समय घर के सभी सदस्य अंदर ही सो रहे थे, लेकिन सौभाग्य से किसी को चोट नहीं लगी। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार दुर्घटना के तुरंत बाद हाइवा चालक मौके से फरार हो गया। बताया गया कि फरार होने से पहले उसने वाहन की नंबर प्लेट को खुरच कर मिटाने की कोशिश की, जिससे पहचान छुपाई जा सके। ग्रामीणों ने बताया कि घटना तड़के करीब 2 बजे घटी। तेज आवाज सुनकर आसपास के लोग मौके पर इकट्ठा हुए और मामले की जानकारी स्थानीय पुलिस एवं प्रशासन को दी। पुलिस दल मौके पर पहुंचकर जांच में जुट गया है।

हिंडाल्को मुरी ने दिव्यांगजन को ट्राइसाइकल टीबी मरीजों को कंबल और पोषण किट दिया

मुरी (आजाद सिपाही)। सामाजिक उत्तरदायित्व के तहत हिंडाल्को इंडस्ट्रीज, मूरी के सीएसआर विभाग द्वारा गुरुवार को दिव्यांगजन एवं टीबी मरीजों के लिए सराहनीय मानवीय पहल की गयी। कार्यक्रम के दौरान लगभग 10 दिव्यांगजन भाइयों-बहनों को ट्राइसाइकल प्रदान किये गये, जिससे उनके जीवन में गतिशीलता और आत्मनिर्भरता बढ़ाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाया गया। इसके अलावा सिल्ली प्रखंड के करीब 60 टीबी मरीजों के बीच बढ़ती ठंड को देखते हुए कंबल एवं पोषण किट का वितरण किया गया। वितरण कार्यक्रम हिंडाल्को के बिजनेस सीएसआर हेड अभिजीत तथा प्लांट हेड संदीप पाटिल के संयुक्त नेतृत्व में आयोजित हुआ। इस अवसर पर दोनों अधिकारियों ने कहा कि हिंडाल्को का उद्देश्य समाज के उन जरूरतमंद वर्गों तक सहायता पहुंचाना है, जिन्हें इसकी सर्वाधिक आवश्यकता है।

नारायण आइटीआइ लुपुंगडीह चांडिल में हरिवंश राय बच्चन की जयंती मनी

चांडिल (आजाद सिपाही)। नारायण आइटीआइ लुपुंगडीह चांडिल में हिंदी साहित्य के महान कवि हरिवंश राय बच्चन की जयंती श्रद्धा और उत्साह के साथ मनायी गयी। कार्यक्रम का शुभारंभ संस्थान के संस्थापक सह भाजपा प्रदेश कार्य समिति सदस्य डॉ जटाशंकर पांडे द्वारा हरिवंश राय बच्चन के चित्र पर पुष्प अर्पित कर किया गया। इस अवसर पर संबोधित करते हुए डॉ जटाशंकर पांडे ने कहा कि हरिवंश राय बच्चन हिंदी साहित्य के ऐसे अनमोल रत्न थे, जिन्होंने अपनी रचनाओं के माध्यम से जीवन, संघर्ष, प्रेम और भावनाओं को सरल, मधुर और प्रभावशाली भाषा में व्यक्त किया। उनकी प्रसिद्ध कृति मधुशाला ने हिन्दी कविता को नयी पहचान दी और आज भी यह कृति लोगों के हृदय में जीवित है। इस अवसर पर मुख्य रूप से मौजूद रहे एडवोकेट निखिल कुमार, शांति राम महतो, प्रकाश महतो, शुभम साहू, संजीत महतो, शशिभूषण महतो, पवन महतो, गौरव कुमार महतो, निमाई मंडल, शिशुमाती दास, एवं छात्र छात्राओं उपस्थित रहे।

बहेरा में आपकी योजना आपकी सरकार आपके द्वार कार्यक्रम आज

पिपरवार (आजाद सिपाही)। सीसीएल पिपरवार क्षेत्र के बहेरा पंचायत सचिवालय में शुक्रवार 28 नवंबर को आपकी योजना आपकी सरकार आपके द्वार कार्यक्रम का आयोजन किया जायेगा। इस कार्यक्रम में पंचायत के लोगों का विभिन्न योजनाओं को लेकर आवेदन जमा लिया जाएगा। मुखिया रेखा कुमारी ने बताया कि शिविर मे टंडवा प्रखंड सह अंचल कार्यालय के विभिन्न विभागों द्वारा विभिन्न योजना को लेकर स्टॉल लगाया जाएगा, जिसमे पंचायत के लोग आवेदन जमा कर सकते है।

पटेल बीएड कॉलेज में जनजातीय गौरव एवं संविधान दिवस का आयोजन

खूंटी (आजाद सिपाही)। पटेल बीएड कॉलेज, लोधमा में गुरुवार को जनजातीय गौरव दिवस एवं संविधान दिवस के उपलक्ष्य में भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं ने भाग लेकर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। रंगोली एवं क्विज प्रतियोगिताओं में विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक हिस्सा लिया। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि कर्रा की प्रखंड विकास पदाधिकारी स्मिता नगेशिया ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए महान स्वतंत्रता सेनानी भगवान बिरसा मुंडा के आदर्शों को आत्मसात करने की अपील की। उन्होंने कहा कि शिक्षा जीवन निर्माण का आधार है, इसलिए छात्र-छात्राएं अपनी प्रतिभा एवं क्षमताओं को पहचानकर समाज में सकारात्मक बदलाव लाने की दिशा में अग्रसर हों। इस अवसर पर दूरदर्शन के सहायक निदेशक दिवाकर कुमार, कॉलेज की प्राचार्या, शिक्षकगण एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। कार्यक्रम का समापन विभिन्न प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों को पुरस्कृत कर किया गया।

खलारी के युवक की हत्या शव आदित्यपुर में मिला

परिजनों ने हत्या की आशंका जतायी, दोस्त पर लगाया आरोप

आजाद सिपाही संवाददाता

खलारी। खलारी थाना क्षेत्र अंतर्गत जेहलीटांड़ निवासी 27 वर्षीय राजप्रताप सिंह उर्फ राजू (पिता स्व. रामप्रवेश सिंह) का शव आदित्यपुर (जमशेदपुर) में मिलने के बाद इलाके में सनसनी फैल गयी। बुधवार को आदित्यपुर थाना पुलिस ने राजू की बहन बिंदिया देवी को घटना की जानकारी दी। गुरुवार को सरायकेला सदर अस्पताल में पोस्टमार्टम के बाद जब शव जेहलीटांड़ पहुंचा, तो घर में मातम पसर गया। बड़ी संख्या में ग्रामीण और खलारी पुलिस भी मौके पर पहुंच गयी। शव से कपड़ा हटाते ही शरीर पर कई गंभीर चोटों के निशान नजर आए, जिसके बाद परिवार वालों और स्थानीय लोगों ने हत्या का संदेह जताया। राजू की मां किरण देवी ने बताया कि धमधमिया निवासी और सीसीएल कर्मी संजय कुमार यादव 24 नवंबर को दिन के ढाई-तीन बजे जेहलीटांड़ आया था और जमशेदपुर में एक रिश्तेदार की शादी में शामिल होने की बात कहकर राजू को अपने साथ ले गया था। आदित्यपुर पुलिस के मुताबिक 25 नवंबर को दोपहर करीब 12 बजे गम्हरिया स्थित केडिया पेट्रोल पंप के पास मुख्य मार्ग पर राजू जख्मी अवस्था में मिला, जिसे अस्पताल ले जाया गया जहां उसकी मौत हो गई। वहीं शरीर पर मिले चोटों के निशान देखकर परिजन इसे सीधी हत्या करार दे रहे हैं और आरोप राजू के दोस्त संजय यादव पर लगा रहे हैं।

घटना के बाद से संजय से संपर्क भी नहीं हो पा रहा है। राजू की मां किरण देवी ने आदित्यपुर थाना में अपने बेटे की हत्या की लिखित शिकायत दर्ज कराई है। राजू के घरवालों का रो-रोकर बुरा हाल है। राजू अपने पीछे दो छोटे बच्चों को छोड़ गया है। पुलिस मामले की जांच में जुट गई है और संजय की तलाश की जा रही है।

कांग्रेस जनमुद्दों के लिए प्रतिबद्ध : शशि भूषण राय

मीडिया टैलेंट हंट कार्यक्रम कांग्रेस संगठन को मजबूत करेगा

आजाद सिपाही संवाददाता

खूंटी। कांग्रेस ने नेशनल मीडिया टैलेंट हंट नाम से एक अभियान शुरू किया है। खूंटी जिले में मीडिया टैलेंट हंट के कन्वेनर एवं वरिष्ठ कांग्रेस नेता शशि भूषण राय और दयामनी बरला ने प्रेस को संबोधित किया। इस अवसर पर खूंटी के सांसद कालीचरण मुंडा भी उपस्थित थे। उन्होंने मीडिया टैलेंट हंट के उद्देश्य और महत्व के बारे में विस्तार से बताया एवं राहुल गांधी ने भारत जोड़ो यात्रा के माध्यम से देश में सामाजिक और आर्थिक न्याय की बात कही है। उन्होंने युवाओं, किसानों, महिलाओं और मजदूरों के मुद्दों पर जोर दिया है और कहा कि कांग्रेस पार्टी इन वर्गों के अधिकारों के लिए लड़ती रहेगी। राहुल गांधी ने जाति आधारित जनगणना और समाज के वंचित वर्गों को उनका हक मिल सके।

मौके पर श्री राय ने कहा कि युवा मुद्दे देश के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। शिक्षा, रोजगार, और स्वास्थ्य जैसी समस्याएं युवाओं को प्रभावित करती हैं। राहुल गांधी ने युवाओं के लिए रोजगार के अवसर बढ़ाने और शिक्षा को अधिक सुलभ बनाने पर जोर दिया है। कांग्रेस पार्टी ने ही युवाओं को 18 साल में वोट का अधिकार दिया था।

दयामनी बरला ने कहा कि मीडिया टैलेंट हंट कार्यक्रम के तहत कांग्रेस चाहती है कि नये लोग संगठन के साथ जुड़े एवं कांग्रेस द्वारा किये गये कार्य एवं जनमुद्दों की आवाज बन सके। मौके पर कांग्रेस सहकारिता विभाग के प्रदेश महासचिव नईमुद्दीन खान, पीटर मुंडू, जिला प्रवक्ता रविकांत मिश्रा, सुनीता गोप आदि भी मौजूद थे।

डहकेला पंचायत में सरकार आपके द्वार कार्यक्रम में उमड़ी ग्रामीणों की भीड़

खूंटी (आजाद सिपाही)। कर्रा प्रखंड के डहकेला पंचायत भवन में गुरुवार को सरकार आपके द्वार कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में तोरपा विधायक सुदीप गुड़िया उपस्थित रहे। उन्होंने विभिन्न विभागों द्वारा लगाए गए स्टॉलों का निरीक्षण कर ग्रामीणों को योजनाओं का लाभ दिलाने में तत्परता दिखाई। विधायक सुदीप गुड़िया ने संबोधित करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की सरकार पिछले ढाईझतीन वर्षों से जनकल्याणकारी योजनाओं को लोगों के घरझद्वार तक पहुंचाने का कार्य कर रही है। कार्यक्रम के दौरान विभिन्न विभागों द्वारा मौके पर ही जाति व आवासीय प्रमाणपत्र निर्गत किए गए। महिला मंडल की सदस्यों को आईडी कार्ड प्रदान किए गए तथा अन्नप्राशन, गोदभराई और मुंहजुठाई जैसे संस्कार भी संपन्न कराए गए। महिलाओं को फूलो-झानो योजना से जोड़ा गया तथा कई लाभुकों को योजनाओं का लाभ दिया गया। इस अवसर पर आत्मा उपनिदेशक अमरेग कुमार, प्रखंड विकास पदाधिकारी स्मिता नगेशिया, अंचल अधिकारी अन्वेशा ओना, थाना प्रभारी वीरेन्द्र कुमार आदि उपस्थित रहे।

सेवा सप्ताह शिविर का उद्देश्य पंचायत में योजनाओं का लाभ देना : सुदीप गुड़िया

खूंटी (आजाद सिपाही)। सेवा का अधिकार सप्ताह के तहत गुरुवार को तोरपा प्रखंड की डोड़मा एवं सुंदरी पंचायत में शिविर का आयोजन किया गया। इसमें स्थानीय विधायक सुदीप गुड़िया विशेष रूप से उपस्थित हुए। उन्होंने ग्रामीणों को संबोधित करते हुए कहा कि यह शिविर प्रमाण पत्र प्रदान करने हेतु चलाया जा रहा है। मौके पर जाति, आवासीय, आय, जन्म-मृत्यु प्रमाण पत्र, पेंशन स्वीकृति पत्र एवं जॉब कार्ड का वितरण किया गया। साथ ही सोना सोबरन साड़ी-धोती योजना के तहत चिन्हित लाभुकों को साड़ी एवं धोती का वितरण भी किया गया। इस अवसर पर अपर समाहर्ता परमेश्वर मुंडा, जिला योजना पदाधिकारी कुंदन कुमार, अंचल अधिकारी पूजा बिनहा, सहायक निबंधक कुमारदीप एक्का, ई.डी.एम. मृदु कुमारी सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन प्रखंड विकास पदाधिकारी नवीन चंद्र झा ने किया। इधर, डोड़मा में लगे शिविर में भी ग्रामीणों की भारी भीड़ देखने को मिली। यहां पर प्रमुख रोहित सुरीन एवं उपप्रमुख संतोष कुमार ने ग्रामीणों को संबोधित किया। इस शिविर का संचालन बीडीओ नवीन चंद्र झा ने किया।

कल्याणपुर पंचायत में आपकी योजना आपकी सरकार आपके द्वार कार्यक्रम

आजाद सिपाही संवाददाता

पिपरवार । सीसीएल पिपरवार क्षेत्र के कल्याणपुर पंचायत के राजकीयकृत उत्क्रमित मध्य विद्यालय मण्डेर में आपकी योजना आपकी सरकार आपके द्वार कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप मे टंडवा प्रखंड विकास पदाधिकारी देवलाल उरांव, मुखिया महेश मुंडा आदि उपस्थित थे। शिविर का उद्घाटन मुख्य अतिथि बीडीओ देवलाल उरांव ने किया। इस दौरान संविधान दिवस के अवसर पर शपथ भी दिलायी गयी। इस दौरान शिविर मे मौजुद कई लाभुको की समस्याओं का मौके पर ही समाधान किया गया तथा कई समस्याओं को अग्रतर कार्रवाई के लिए भेजा गया। इस मौके पर मुखिया महेश मुंडा, बीपीओ जितेंद्र कुमार, सीताराम दास,प्रधान सहायक पंकज कुमार ठाकुर,अभिजित कुमार,रोजगार सेवक सिकेन्द्र कुमार,पंचायत सचिव नम्रता लकड़ा, कप्यूटर ऑपरेटर असलम अंसारी,क्युम अंसारी, वार्ड सदस्य जुबेदा खातून सहित कई लोग मौजूद थे।

सिल्ली कॉलेज मैदान में कौशल विकास एवं रोजगार उन्मुख सर्टिफिकेट एवं ऑफर लेटर वितरण समारोह

आजाद सिपाही संवाददाता

बुंडू। मुख्यमंत्री सारथी योजना अंतर्गत झारखंड कौशल विकास मिशन सोसाइटी द्वारा गुरुवार को आपकी योजना आपकी सरकार आपके द्वार कार्यक्रम के दौरान सिल्ली कॉलेज मैदान में कौशल विकास एवं रोजगार उन्मुख भव्य सर्टिफिकेट एवं ऑफर लेटर वितरण समारोह का सफल आयोजन किया गया। इस अवसर पर एक्सेल डेटा सर्विसेज - दीन दयाल उपाध्याय कौशल केंद्र, बुंडू के कुल 110 अभ्यर्थियों को विभिन्न प्रतिष्ठित कंपनियों में चयनित होने पर ऑफर लेटर प्रदान किये गये, जबकि 53 अभ्यर्थियों को प्रशिक्षण सफलतापूर्वक पूर्ण करने पर प्रमाण पत्र वितरित किये गये। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में सिल्ली विधायक अमित महतो उपस्थित रहे। उन्होंने सभी चयनित एवं प्रमाणित अभ्यर्थियों को बधाई देते हुए कहा कि कौशल विकास वर्तमान समय की अत्यंत महत्वपूर्ण आवश्यकता है।

केंद्र संचालक प्रवीण कुमार एवं प्रशिक्षकों ने बताया कि अभ्यर्थियों ने कठिन परिश्रम, अनुशासन एवं समर्पण के साथ प्रशिक्षण को पूर्ण किया है, जिसके परिणामस्वरूप उन्हें सम्मानजनक रोजगार के अवसर प्राप्त हुए हैं। यह आयोजन मिशन निदेशक शैलेंद्र कुमार लाल के आदेशानुसार एवं जिला कौशल पदाधिकारी अविनाश कृष्ण के निर्देशन में, रांची जिला संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम के परियोजना सहायक अमित कुमार विजय के मार्गदर्शन में संचालित किया जा रहा है। मुख्यमंत्री सारथी योजना के अंतर्गत एक्सेल डेटा सर्विसेज, बुंडू द्वारा ऑफर लेटर वितरण, प्रमाण पत्र वितरण एवं मोबिलाइजेशन ड्राइव का आयोजन आपकी योजना आपकी सरकार आपके द्वार कार्यक्रम के दौरान निरंतर किया जा रहा है

ऑफर लेटर प्रदान करनेवाली कंपनियां

1. डिस्टिल एजुकेशन
2. बेस्ट कॉर्पोरेशन
3. अर्बन डिजाइन

महत्वपूर्ण खबरें

रोहिणी में काली मंदिर निर्माण के लिए भूमि पूजन

खलारी (आजाद सिपाही)। रोहिणी परियोजना में वर्कशॉप के समीप नये काली मंदिर का निर्माण किया जायेगा।इसको लेकर गुरुवार को रोहिणी वर्कशॉप के समीप भूमि पूजन किया गया। यजमान के रूप में नागेंद्र उरांव उपस्थित थे। पूजन कार्य संपन्न होने के बाद परियोजना पदाधिकारी दीपक कुमार सहित अन्य अधिकारियों ने नारियल फोड़कर निर्माण कार्य का शुभारंभ किया गया। बताया गया कि अभी हाजरी घर के समीप काली मंदिर को खदान विस्तारीकरण को लेकर हटाया जाना है, इसलिए नये काली मंदिर निर्माण कार्य के लिए गुरुवार को शिलान्यास एवं भूमि पूजन किया गया। इस मौके पर खान प्रबंधक एसपी निगम, इएंडएम प्रोजेक्ट इंजीनियर पीके सिंह, बृजेश कुमार, नीतीश कुमार, सतपाल सिंह, नंदू मेहता, सुधीर सिंह, किसुन महतो, नरेश प्रसाद, राघवेंद्र पासवान, रितेश सिन्हा, ध्वजा राम धोबी, विनय नोनिया, अभय राम मौजूद थे।

श्री नारायणी श्याम मंदिर निर्माण के लिए भूमि पूजन

खूंटी (आजाद सिपाही)। स्थानीय भंडरा रोड स्थित पार्वती लाह उद्योग के पास गुरुवार को श्री नारायणी श्याम मंदिर का भूमि पूजन संपन्न हुआ। यह पूजन अजय सरावगी एवं उनकी धर्मपत्नी नीलम सरावगी द्वारा विधिवत रूप से किया गया। मंदिर निर्माण हेतु जमीन उपलब्ध कराने के लिए श्री श्याम मंडल खूंटी के अजय सरावगी, राजेश सरावगी एवं मनोज सरावगी का आभार व्यक्त किया गया। भूमि पूजन के अवसर पर रांची से आये श्री श्याम मंडल के पदाधिकारी अजय साबू, विनोद शर्मा एवं शिवुलाल शर्मा उपस्थित रहे। पूजा का संचालन रांची के पंडित राजेश पंडित एवं उनके सहयोगी मोनू पंडित ने किया। शाम छह बजे श्री श्याम प्रभु के कीर्तन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम को सफल बनाने में अध्यक्ष मुकुल पिपुरिया, महामंत्री विशाल साहू, कोषाध्यक्ष अखिल सरावगी सहित अजय सरावगी, सुनील सरावगी, विकास सरावगी, अरुण पिपुरिया, राजू गुप्ता, अंकित जैन, आशीष पिपुरिया, अभिषेक जायसवाल, प्रिंस अग्रवाल, राजेश मिश्रा, संदीप पिपुरिया, ओमप्रकाश भाला, विजय सोमानी, अरुण साबू, हिमांशु अग्रवाल आदि की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

खूंटी के चार शूटरों का एसजीएफआइ नेशनल गेम्स के लिए किया गया चयन

खूंटी (आजाद सिपाही)। खूंटी जिले के लिए आज का दिन गर्व से भरा रहा। खूंटी राइफल शूटिंग क्लब के चार युवा निशानेबाजों रचित रंजन प्रसाद, शिवानी कुमारी, एलीशान बरला और कृष्ण गुप्ता का चयन एसजीएफआइ स्कूल नेशनल गेम्स के लिए किया गया है। जिले से चयनित ये सभी खिलाड़ी अंडर-14, अंडर-17 और अंडर-19 वर्ग में झारखंड का प्रतिनिधित्व करेंगे। खिलाड़ियों का शूटिंग प्रशिक्षण सत्र एवं राज्य स्तरीय कैंप रांची खेलगांव स्थित शूटिंग रेंज में आयोजित किया जायेगा। इसके बाद 3 दिसंबर को झारखंड टीम इंदौर रवाना होगी, जहां राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता आयोजित की जायेगी। वहीं अंडर-14 और अंडर-19 वर्ग के चयन एवं प्रतियोगिताएं जनवरी 2026 में संपन्न होंगी। क्लब के कोच अनुज कुमार को भी इस प्रतिष्ठित राष्ट्रीय प्रतियोगिता के लिए झारखंड टीम का आधिकारिक कोच नियुक्त किया गया है। क्लब के अध्यक्ष एसडीएम, उपाध्यक्ष अमितेश भगत, सदस्य चंदन, विपुल एवं रूपेश ने भी सभी चयनित खिलाड़ियों को शुभकामनाएं दी हैं।

रनिया और कर्रा की एक सौ आदिवासी बालिकाओं को मिल रहा है हॉकी का प्रशिक्षण

खूंटी (आजाद सिपाही)। खूंटी जिले के रनिया व कर्रा प्रखंडों की 100 आदिवासी लड़कियों के लिए खेल एव स्वास्थ्य को बढ़ावा देनेवाला महत्वपूर्ण अवसर आकार ले रहा है। चाइल्ड राइट्स एंड यू और गार्डन रीच शिपबिल्डर्स एंड इंजीनियर्स लिमिटेड द्वारा संचालित इस कार्यक्रम के तहत चयनित बच्चियों को हॉकी प्रशिक्षण दिया जा रहा है। गुरुवार को रनिया प्रखंड के तांबा हॉकी सेंटर में स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। हॉकी कोच दशरथ महतो ने बताया कि दोनों संस्थाओं की संयुक्त पहल खूंटी की आदिवासी बेटियों के लिए नये अवसरों के द्वार खोल रही है।

लोवाहातू पंचायत में 445 आवेदन में 411 का किया गया समाधान

सोनाहातू/राहे (आजाद सिपाही)। प्रखंड प्रशासन के द्वारा आयोजित आपकी योजना, आपकी सरकार आपके द्वार कार्यक्रम के तहत गुरुवार को लोवाहातू पंचायत में विभिन्न विभागों के 445 आवेदन आये, जिसमें 411 आवेदनों पर तुरंत कार्रवाई करते हुए समाधान किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन प्रमुख लीलमनी देवी ओर बीडीओ अशोक कुमार द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया। कार्यक्रम में बीडीओ अशोक कुमार ने कहा कि घर पंहुच कर समस्या का समाधान किया जा रहा है। प्रमुख लीलमनी देवी ने कहा कि कार्यक्रम सरकार की योजनाओं को अंतिम पायदान तक पहुंचाने की है। इस दौरान वृद्धा पेंशन, विधवा पेंशन, दिव्यांग पेंशन, मनरेगा स्वीकृति प्रमाण पत्र, प्रधानमंत्री आवास योजना स्वीकृति प्रमाण पत्र तथा कंबल वितरण किया गया। इस क्रम में गोद भराई रस्म, अन्न प्रसन्न और लोगों का स्वास्थ्य जांच किया गया।

चांडिल डैम का पानी घुस रहा धान के खेतों में

ईचागढ़ (आजाद सिपाही)। चांडिल डैम का जलस्तर अचानक बढ़ने से कई विस्थापित गांवों के खेतों में पानी घुस गया, जिससे पके धान भी नष्ट होने के कगार पर है। इस संबंध में विस्थापित अधिकार मंच फाउंडेशन के अध्यक्ष राकेश रंजन एवं जेएलकेएम के केन्द्रीय प्रवक्ता बिष्णु विद्रोही ने तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि चांडिल डैम के रसुनिया, बाबुचामदा, तिलाईटांड़, दयापुर, झापागोड़ा, कुमारी, केंदाआंदा सहित दर्जनों गांवों में बाड़ का स्थिति उत्पन्न हो गया है। धान की तैयार फसलें डुब रहा है। प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए उन्होंने कहा कि जिस विश्वास और उम्मीद से यहां के लोगों ने अपनी घर, मकान, जमीन, जायदाद देकर दर दर की ठोकरें खाने को मजबुर है। कहा कि विस्थापित क्या अन्याय किया कि असमय विस्थापितों का फसलों को डुबोया जा रहा है। विस्थापितों को न ही घर, नौकरी, समुचित मुआवजा और न ही सम्पूर्ण पुनर्वास का लाभ मिला है। नेताओं ने कहा कि सरकार और विभाग को अवगत कराया जा रहा है कि डैम का गेट अविलंब खोल कर जलस्तर घटाया जाय, अन्यथा उग्र आंदोलन किया जायेगा।

मधुमक्खी के काटने से घायल वृद्ध ने तोड़ा दम

लापुंग (आजाद सिपाही)। थाना क्षेत्र में मधुमक्खी (भावर) के काटने से घायल 85 वर्षीय वृद्ध व्यक्ति की इलाज के दौरान मौत हो गयी। उसकी पहचान धीरू साहू के रूप में हुई है। वह बाकाकेरा का रहने वाला था। जानकारी के मुताबिक धीरू साहू गत बुधवार को बकरी चराने ताड़ की ओर गये थे। वहीं, गुलाची के पेड़ में मधुमक्खियों का छत्ता लगा था। किसी कारणवस छत्ता में मौजूद हजारों मधुमक्खियों का झुंड छिड़ गया उन लोगों ने बकरी चारा रहे धीरू साहू को बुरी तरह काट लिया। उस वक्त वह अकेले रहने के कारण किसी तरह धीरू अपने घर पहुंचे और परिवार के सदस्यों को पूरी वारदात से अवगत कराया। इसके बाद गंभीर रूप से घायल धीरू को लापुंग सीएससी ले जाया गया, जहां प्राथमिक उपचार कर डॉक्टर ने बेहतर इलाज के लिए रिम्स अस्पताल रेफर कर दिया। वहीं, इलाज के दौरान धीरू साहू का गुरुवार तड़के चार बजे निधन हो गया। वहीं, दोपहर दो बजे बाकाकेरा सुटिया नाला में उनका दाह संस्कार किया गया। धीरू अपने पीछे भरा पूरा परिवार छोड़ गये हैं।

ट्रेलर-स्कूटी की टक्कर में पतरातू घूमने जा रहे दो किशोरों की मौत

लोगों ने की स्पीड ब्रेकर लगाने और ट्रैफिक व्यवस्था सुदृढ़ करने की मांग

आजाद सिपाही संवाददाता

पिठोरिया। पतरातू घाटी जितनी खूबसूरत और मनमोहक है, उतनी ही जानलेवा भी साबित होती जा रही है। गुरुवार को पिठोरिया-पतरातु मुख्य मार्ग पर थाना से महज डेढ़ किलोमीटर की दूरी पर बुचवा घाटी के पास गुरुवार को भीषण हादसे में दो नाबालिगों की मौके पर ही मौत हो गयी। उनकी पहचान आदित्य कुमार (17) और अभिजय रंजन (17) के रूप में हुई है। आदित्य रांची के बूटी मोड़, जबकि अभिजय ओरमांझी के कुचू का रहने वाला है। दोनों दोस्त बताये जा रहा हैं।

दुर्घटना के लिए जिम्मेवार वाहन।

जानकारी के मुताबिक गुरुवार को एक स्कूटी पर सवार आदित्य और अभिजय पतरातू घूमने जा रहे थे, तभी पतरातू की ओर से आ रहे तेज रफ्तार ट्रेलर ने स्कूटी को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि दोनों किशोर सड़क पर गिर गये और ट्रेलर के पहियों के नीचे आने से मौके पर ही दोनों की मौत हो गयी। इसकी सूचना पाकर पिठोरिया थाना प्रभारी सतीश कुमार पांडे दल-बल के साथ मौके पर पहुंचे और ग्रामीणों की मदद से दोनों को तत्काल रिम्स अस्पताल भिजवाया, जहां डॉक्टरों ने दोनों को मृत घोषित कर दिया। दूसरी ओर स्थानीयों लोगों में इस घटना को लेकर आक्रोश व्यक्त किया है। ग्रामीणों का कहना है कि घाटी में कई तीखे मोड़ अत्यधिक खतरनाक है, जहां आये दिन दुर्घटनाएं होती रहती हैं। इसलिए ट्रैफिक व्यवस्था और स्पीड ब्रेकर लगाने की मांग की गयी।

आवारा कुत्तों को लगाया गया एंटी रेबीज का टीका

अनगड़ा (आजाद सिपाही)। एनिमल वेलफेयर ट्रस्ट की ओर से गुरुवार को अनगड़ा में आवारा कुत्तों के लिए एंटी रेबीज टीकाकरण अभियान चलाया गया। इस दौरान संस्था की टीम की ओर से सड़कों एवं अन्य सार्वजनिक स्थानों पर विचरण कर रहे 50 से भी अधिक आवारा कुत्तों का मौके पर रेस्क्यू किया गया। इसके बाद वैक्सीनेशन सेंटर ले जाकर उन्हें एंटी रेबीज का टीका लगाया गया। ट्रस्ट के चेयरमैन सोमेन मजूमदार ने बताया कि इस अभियान का उद्देश्य रेबीज के प्रकोप को रोकना, कुत्तों और मनुष्यों की सुरक्षा सुनिश्चित करना तथा कुत्तों की आबादी को नियंत्रित करना है। वैक्सीनेशन के बाद सभी कुत्तों को उनके मूल स्थान पर ही छोड़ दिया गया, ताकि वे अपने समुदाय में वापस लौट सकें और रोग के संक्रमण को रोकने में मदद मिल सके। इस पहल से न केवल कुत्तों की जीवन शैली में सुधार हुआ, बल्कि स्थानीय लोगों को रेबीज के खतरे और दुष्प्रभाव के बारे में जागरूक किया गया। मौके पर सोमेन मजूमदार ने कहा कि इस अभियान के माध्यम से संस्था ने अनगड़ा प्रखंड को रेबीज मुक्त क्षेत्र बनाने का लक्ष्य रखा है। इसके लिए उन्होंने प्रखंड के लोगों से सहयोग की अपेक्षा की है।

सिल्ली विधायक ने बच्चों में बांटा प्रमाण

आजाद सिपाही संवाददाता

सिकिदिरी। सरकार आपके द्वार कार्यक्रम अंतर्गत मुख्यमंत्री सारथी योजना के तहत एक्सल डाटा सर्विस सेन्टर नवागढ़ से प्रशिक्षण प्राप्त कर चुके छात्र-छात्राओं को सिल्ली विधायक अमित महतो, बीडीओ अनिल कुमार, सीओ अरुणिमा इक्का, जिला परिषद उपाध्यक्ष बीना चौधरी, जिला परिषद पूर्वी सिल्ली लक्ष्मी देवी आदि ने संयुक्त रूप से प्रमाण पत्र वितरिय किया। साथ ही छात्रों को रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने के लिए ऑफर लेटर भी प्रदान किया गया, ताकि उन्हें प्रशिक्षण के बाद आत्मनिर्भरता और बेहतर भविष्य की दिशा में प्रोत्साहन मिल सके। इस दौरान कुल 28 छात्र-छात्राओं को प्रमाण पत्र सह रोजगार के लिए ऑफर लेटर दिया गया। मौके पर एक्सल डाटा सर्विस सेंटर के मैनेजर अश्विनी कुमार द्विवेदी, विकास कुमार प्रशिक्षक, निशु कुमारी एवं सिल्ली क्षेत्र के ग्राम पंचायत सचिव, मुखिया आदि उपस्थित थे।

बाइक गैंग की हिमाकत : घर के बाहर खड़ी पुलिसकर्मी की पत्नी की चेन छीनकर हुए फरार

आजाद सिपाही संवाददाता

रातू। बाइक गैंग का मनोबल इन दिनों काफी बढ़ा हुआ है। आम लोग तो दूर, लोगों की रक्षा में तैनात रहने वाले पुलिस कर्मियों परिवार भी अब सुरक्षित नहीं रह गये हैं। ऐसा ही ताजा मामला गुरुवार को देखने को मिला। इस दिन थाना क्षेत्र के संडे मार्किट निवासी पुकिसकर्मी बिलेंद्र कुमार दुबे की पत्नी प्रियदर्शनी दुबे के गले से सोने की चेन छीनकर अपराधी फरार हो गये। भुक्तभोगी की मानें, तो बदमाशों की संख्या दो थी। दोनों एक काले रंग की बाइक पर सवार थे। चेन छिनतई होते ही महिला ने चोर-चोर कहकर शोर मचाते हुए छिनताईबाजों का दौड़ाकर कुछ दूर तक पीछा भी किया, लेकिन वे बाइक की गति बढ़ाकर वहां से भागने में सफल रहे। जानकारी के मुताबिक प्रियदर्शनी का पुत्र गुरु गोविंद स्कूल में पढ़ता है। स्कूल की छुट्टी होने के बाद घर से कुछ दूरी पर संडे मार्किट जाने वाले रास्ते में बच्चों को लाने रोजाना जाती है। गुरुवार को भी वह बच्चों को लेन के लिए रास्ते में खड़ी थी। तभी बाईक में सवार दो अपराधी वहां पहुंचे और महिला के गले से चेन की छिनतई कर विवान पेट्रोल पंप की ओर भाग निकले। दोनों सिर पर हेलमेट पहन रखे थे। हालांकि चेन छिनताई की पूरी वारदात सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गयी। पीड़िता की मानें तो चेन की कीमत एक लाख रुपये से अधिक है। बतातें चलें कि महिला का पुलिस पति बिलेन्द्र कुमार दुबे कांके आईटीबीपी कैंप में तैनात है। भुक्तभोगी महिला ने अज्ञात अपराधियों के खिलाफ रातू थाने में प्राथमिकी दर्ज कराई है। जिसके बाद पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की मदद से अपराधियों की पहचान में जुट गयी है।

तुतलो, टेरो और मरतो में सरकार आपके द्वार का आयोजन, मिले 579 आवेदन, 412 का निष्पादन

आजाद सिपाही संवाददाता

बेड़ो। आपकी योजना आपकी सरकार आपके द्वारा कार्यक्रम के तहत गुरुवार को प्रखंड के तुतलो, टेरो और मरतो पंचायत में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें ग्रामीणों की ओर से 579 आवेदन मिले। इसमें से 412 का तत्काल निष्पादन किया गया। इस अवसर पर तीनों पंचायत के भवन प्रांगण में प्रखंड एवं अंचल के विभागों से संबंधित दर्जनों स्टाल लगाए गए। जहां ग्रामीणों ने अपनी आवश्यकता के अनुसार आवेदन दिए। तुतलो पंचायत की मुखिया गंगी कुमारी एवं पंसस इशरत परवीन ने कार्यक्रम का शुभारंभ किया। वहीं पंचायत अध्यक्ष लालदेव लोहारा ने स्टॉल से संबंधित विस्तृत जानकारी देते हुए ग्रामीणों से शिविर का लाभ उठाने का आह्वान किया। तीनों पंचायतो में आयोजित कार्यक्रम के तहत प्रखंड एवं अंचल के विभिन्न विभागों द्वारा ग्रामीणों के लिए अलग-अलग स्टाल लगाए गए थे। इधर, मनरेगा के तहत प्राप्त आवेदन पर विचार करते हुए इच्छुक मजदूरों के बीच जॉब कार्ड, किशोरी बाई फूले योजना के तहत स्वीकृति प्रमाण पत्र एवं जॉब कार्ड का वितरण अतिथियों द्वारा किया गया। शिविर में गोद भराई एवं मुंह जुठ्ठी की गई। मौके पर मुखिया सुनीता सोरेन, पंसस बीगा उरांव, डॉ राकेश रंजन, परमानंद कुमार, सहायक अभियंता पुरुषोत्तम भाई पटेल, सुरेश लिंडा, सद्दाम हुसैन, मसरूर आलम, जनार्दन कुमार दास, उदय मिंज, सुधा कल्याणी, संतोषी डुंग डुंग, सज्जाद अंसारी, शनि उरांव, कुलदीप उरांव, अभय आशीष, दुर्गा ताना भगत, परवेज अंसारी सहित कई लोग मौजूद थे।

सूर्य मंदिर में मन से प्रार्थना करने पर पूर्ण होती हैं मनोकामनाएं

नामकुम (आजाद सिपाही)। टाटीसिलवे स्वर्णरेखा नदी मुरली पुल स्थित सूर्य मंदिर में सच्चे मन से प्रार्थना करने पर सभी मनोकामना पूर्ण होती है। यहां कार्तिक एवं चैत छठ में लाखों की संख्या में श्रद्धालु व्रत करने पहुंचते है। इस दौरान पूरा नदी घाट भक्तों की संख्या से पट जाता है। कार्तिक छठ मेला की तैयारी में अधिकारी के साथ सूर्य मंदिर के सदस्य लगे रहते है। श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए पर्याप्त संख्या में दंडाधिकारी के साथ पुलिस बल की भी तैनाती रहती है। मंदिर के इतिहास पर नजर डाले तो मंदिर का शिलान्यास 10 वर्ष पूर्व स्वर्गीय शिवजी सिंह ने किया था। लेकिन सूर्य मंदिर का प्राण प्रतिष्ठा फाल्गुन मास के शूक्ल पक्ष के दसमी तिथि को 2018 में हुई थी। मंदिर के स्थापना में आचार्य शिशूपाल पांडेय उर्फ राधे-राधे का अहम योगदान रहा। इस मंदिर के निर्माण में टाटीसिलवे एवं रांची के आम लोगों का अहम योगदान था। अभी इस मंदिर को स्वर्णरेखा सूर्य मंदिर ट्रस्ट टाटीसिलवे रांची द्वारा संचालित किया जाता है। मान्यता है कि यहां सच्चे मन से पूजा करने से हर मनोकामना पूर्ण होती है। मंदिर के पुजारी निरंजन पांडेय ने बताया कि यहां प्रतिदिन सुबह और शाम में आरती का आयोजन किया जाता है। साथ ही छह साल से पूर्णिमा पर गंगा आरती और हर मंगलवार को हनुमान चालीस का पाठ होता है।

संविधायक की विशेषताओं से छात्र-छात्राओं को कराया गया अवगत

पिठोरिया (आजाद सिपाही)। कांके स्थित नीरजा सहाय डीएवी में आयोजित संविधान सप्ताह के अंतर्गत गुरुवार को प्रार्थना सभा में विश्व के सबसे लंबे लिखित संविधान की विशेषताओं से विद्यार्थियों को अवगत कराया गया। इसके बाद विभिन्न कक्षाओं के छात्र-छात्राओं के समक्ष 'यदि मैं विधि निर्माता होता' शीर्षक के तहत विस्तृत पैनल संवाद के माध्यम से विभिन्न सामाजिक समस्याओं, मौजूदा कानून एवं इसकी कमियों को दर्शाते हुए कुछ संशोधन के भी सुझाव आए। प्राचार्या किरण यादव ने अपने संबोधन में कहा कि विद्यालय में इस प्रकार के कार्यक्रमों के आयोजन से विद्यार्थियों में छिपी नेतृत्व क्षमता को बढ़ावा मिलता है।

सरकार आपके द्वार कार्यक्रम में रिकेश साहू को मिला जमीन के म्यूटेशन का पेपर

ओरमांझी (आजाद सिपाही)। पंचायत सचिवालय में गुरुवार को सरकार आपके द्वार कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें ग्रामीणों ने विभिन्न सरकारी योजनाओं की जानकारी लेने और आवेदन जमा करने के लिए भाग लिया। यह शिविर ग्रामीणों तक योजनाओं का लाभ पहुंचाने की सरकार की प्राथमिकता को दर्शाता है। शिविर में कुल 29 योजनाओं की जानकारी प्रदान की गई, जिनमें अबूआ आवास, मंइयां समान, जमीन-खाता-प्लॉट सुधार, गाय एवं बकरी सेट, विधवा पेंशन, आयुष्मान कार्ड, मुख्यमंत्री पशुधन योजना, कृषि सिंचाई योजना, मुख्यमंत्री रोजगार सृजन योजना और राशन कार्ड से संबंधित सेवाएं प्रमुख रहीं। अधिकारियों द्वारा हर योजना की पात्रता, आवश्यक कागजात एवं लाभ प्रक्रिया की विस्तृत जानकारी दी गई। इस दौरान ओरमांझी पंचायत अंतर्गत गांगूटोला निवासी रिकेश साहू को उनकी तीन डिसमिल जमीन का म्यूटेशन पेपर भी सौंपा गया। इस मौके पर बीडीओ कामेश्वरबेदिया, सीओ उज्जवलसोरेन, मुखिया दीपक बड़ाइक, पंसस, उप मुखिया संतोष गुप्ता, ग्राम प्रधान दीनदयाल लोहार, सभी वार्ड सदस्य, राजेश गुप्ता, युवा समाजसेवी शशि मेहता, आनंद महतो, किरण देवी आदि थे।

रातू में सरकार आपके द्वार का आयोजन, मिले मंईयां सम्मान के 810 एवं अबुआ आवास के 256 आवेदन

आजाद सिपाही संवाददाता

रातू। आपकी योजना आपकी सरकार आपके द्वार कार्यक्रम के तहत बुधवार को प्रखंड के पंडरा, सुंडिल एवं गुड़ू पंचायत के पंचायत भवन में शिविर लगाया गया। जिसमें सरकार के विभिन्न लाभकारी योजनाओं के स्टॉल लगाये गये थे। पंचायत सचिवालय में आयोजित सरकार आपके द्वार कार्यक्रम में ग्रामीणों की ओर से तीनो पंचायतों में कुल 1520 आवेदन दिया गया। जिसमें मंइयां सम्मान योजना के लिए 810 एवं अबुआ आवास के लिए 256 आवेदन आये। वहीं, सर्वजन पेंशन के लिए 64, जन्म-मृत्यु प्रमाण पत्र 6, मनरेगा में जॉब कार्ड व योजना में 28, धोती साड़ी 92, खाद्य आपूर्ति 13, राजस्व विभाग 6, विद्युत विभाग 4, बाल विकास विभाग 8, कौशल विभाग 40, स्वास्थ्य जांच 209, खाद्य आपूर्ति विभाग में 17 आवेदन दिया गया। मौके पर जिप अध्यक्ष निर्मला भगत, प्रखंड विकास पदाधिकारी रवि कुमार, प्रखंड प्रमुख संगीता देवी, उप प्रमुख रेयाजुल अंसारी के अलावा पंचायतों के मुखिया, पंचायत समिति सदस्य, वार्ड सदस्य, पंचायत सचिव, व विभिन्न विभागों के पदाधिकारी-कर्मी मौजूद थे।

लापुंग के देवगांव और लतरातू पंचायत में 'सरकार आपके द्वार' का आयोजन

आजाद सिपाही संवाददाता

लापुंग। प्रखंड अंतर्गत लतरातू एवं देवगांव पंचायत में सरकार आपके द्वार कार्यक्रम के तहत सेवा का अधिकार सप्ताह बनाया गया। लतरातू पंचायत में कार्यक्रम का विधिवत उद्घाटन बीडीओ उषा मिंज, सीओ पंकज कुमार, जबकि देवगांव पंचायत में प्रखंड सांख्यकी पदाधिकारी विनय कुमार, मुखिया दुर्गा उरांव ने संयुक्त रूप से किया। इसके बाद प्रखंड एवं अंचल के सभी विभाग के पदाधिकारी द्वारा अपने विभाग में चल रहे योजनाओं का विस्तृत जानकारी दी गई। साथ ही कार्यक्रम के उद्देश्य पर चर्चा किया गया। इसके बाद विभागवॉर लगे स्टाल में आए हुए ग्रामीणों द्वारा अपने समस्याओं को लेकर आवेदन दी गई जिसका त्वरित समाधान के लिए पोर्टल में एंट्री की गयी। इस दौरान नुक्कड़ नाटक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम के माध्यम से सरकारी योजनाओं के बारे में जानकारी दी गई। इसके बाद लाभुको के बीच विभिन्न परिसंपत्तियों का वितरण किया गया। मौके पर प्रखंड कार्यक्रम पदाधिकारी मोहम्मद इम्तियाज, प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारी मो आरिफ प्रखंड सांख्यिकी पदाधिकारी विनय कुमार, प्रखंड पंचायती राज पदाधिकारी महेंद्र साहू, प्रखंड समन्वयक पंचायती राज स्वशासी परिषद के एनिमा बरला निषात अहमद, पीएम आवास के कोऑर्डिनेटर ऋषि नंदन, सुजीत कुमार, मुखिया अलका तिर्की, दुर्गा उरांव आदि मौजूद रहे।

जेएलकेएम ने मृतक परिवार को किया आर्थिक सहयोग

अनगड़ा (आजाद सिपाही)। चिलदाग पंचायत के सिमलिया गांव निवासी लाला हजाम की मौत विगत दिनों बीमारी से हो गयी थी। मृतक के परिवार की आर्थिक हालत अच्छी नहीं है। इसे देखते हुए जेएलकेएम नेता फलिंद्र करमाली ने श्राद्धकर्म के लिए खाद्य सामग्री एवं अन्य आर्थिक सहयोग उपलब्ध कराया। बुधवार को जेएलकेएम के प्रखंड कोषाध्यक्ष दीपक कुमार महतो के नेतृत्व में कार्यकर्ता मृतक के घर पहुंचे और पीड़ित परिवार को सांत्वना दी। उन्होंने खाद्य सामग्री एवं अन्य आर्थिक सहयोग सौंपा। कहा कि आगे भी पार्टी की ओर से पीड़ित परिवार को हर संभव सहयोग करने का प्रयास किया जाएगा। मौके पर मनोरंजन महतो, वीरेंद्र महतो, पंकज सिंह, दीपक लोहरा, संजू हजाम आदि उपस्थित थे।

राष्ट्रीय लोक अदालत 13 दिसंबर को, डालसा की तैयारी जोरों पर

अधिक से अधिक वादों का निस्तारण ही लक्ष्य: निशांत कुमार

आजाद सिपाही संवाददाता

अनगड़ा। झालसा के निर्देश एवं न्यायायुक्त सह डालसा अध्यक्ष अनिल कुमार मिश्रा-1 के मार्गदर्शन में 13 दिसंबर को रांची व्यवहार न्यायालय में राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन होगा। इस निमित प्री-काउंसलिंग की बैठक लगातार की जा रही है, जो 12 दिसंबर तक चलेगी। इसे लेकर डालसा की तैयारी भी जोरों पर हैं। लोक अदालत को सफल बनाने के लिए गुरुवार को रांची डालसा हॉल में एमएसीटी के जज निशांत कुमार की अध्यक्षता में इंश्योरेंस कंपनी के पदाधिकारियों एवं प्रतिनिधियों की बैठक हुई। जिसमें एमएसीटी जज, निशांत कुमार, डालसा सचिव रवि कुमार भास्कर सहित इंश्योरेंस कंपनी के प्रतिनिधि, अधिवक्ता और पदाधिकारी उपस्थित हुए। इस अवसर पर पीओ एमएसीटी निशांत कुमार ने निर्देश दिया कि इंश्योरेंस से संबंधित वादों की सूची तैयार करें, नोटिस की तामिला कराएं या दूरभाष के माध्यम से वादकारियों को सूचित करें, ताकि अधिक से अधिक वादों का निस्तारण हो सके और पीड़ित या पीड़िता को लाभ मिल सके। उन्होंने यह भी कहा कि 13 दिसंबर को आयोजित राष्ट्रीय लोक अदालत में अधिक-से-अधिक वादों का निस्तारण करना ही हमलोगों का लक्ष्य है। इसके लिए आप अपने क्षेत्र, कार्यालय में पोस्टर-बैनर लगायें, लोगों को जागरूक करें और इंश्योरेंस से संबंधित लंबित वादों को बेंच के समक्ष रखें। वहीं, डालसा सचिव रवि कुमार भास्कर ने कहा कि आगामी राष्ट्रीय लोक अदालत की सफलता के लिए पूर्व में व्यवहार न्यायालय रांची के न्यायिक पदाधिकारियों, न्यायिक दंडाधिकारियों, पुलिस प्रशासनिक अधिकारियों, नोडल पुलिस पदाधिकारी एवं पीएलवी के साथ बैठकें की जा चुकी है। इस क्रम में सभी बैंक एवं इंश्योरेंस कंपनियों के साथ बैठकों का दौर जारी है। उन्होंने यह भी कहा कि वादकारियों का कोई भी सुलहनीय वाद न्यायालय में लंबित हैं, तो राष्ट्रीय लोक अदालत के दिन वादकारी अपने वादों का निपटारा करा सकते हैं, जिससे समय एवं धन दोनों की बचत होगी। बताया गया कि राष्ट्रीय लोक अदालत में सभी तरह की आपराधिक सुलहनीय मामले, दीवानी से संबंधित मामले, श्रम से संबंधित वाद, वैवाहिक वाद, पारिवारिक वाद, उत्पाद से संबंधित मामले, चेक बाउंस के मामले, वन विभाग के मामले, बिजली से संबंधित मामले, ट्रैफिक चालान से संबंधित मामले, भूमि अधिग्रहण, मोटरयान, माप-तौल से संबंधित वाद एवं विवाह से संबंधित मामलों को चिन्हित करके पक्षकारों को नोटिस भेजा जा रहा है।

गांगु टोला में नवनिर्मित राम जानकी मंदिर का हुआ गुंबद पूजन

ओरमांझी (आजाद सिपाही)। प्रखंड के गांगु टोला में नव निर्मित राम जानकी मंदिर के गुंबद का पूजन किया गया। इसमें पंडित द्वारा वैदिक मंत्रोच्चार के साथ पंचरत्न, नवान्न आदि की भराई की गई। गुंबद पूजन में मुख्य रूप से शिव नारायण साहु, पूर्व उप प्रमुख लालू उर्फ जय गोविंद साहु, ग्राम प्रधान नोना पाहन, कृष्ण पाहन, कपीशर मुंडा, राम कुमार पाहन, सुनिल मुंडा, दशरथ पाहन, राजु मुंडा, अर्जुन साहु, मुकेश मुंडा, विक्की मुंडा, अशोक मुंडा, सत्य नारायण तिवारी, श्याम किशोर महतो, दुर्गा शंकर साहु आदि उपस्थित थे।

नशे में धुत बेटे ने पिता पर किया चाकू से हमला

गुमला (आजाद सिपाही)। प्रखंड के टोटो थाना क्षेत्र के फोरी निवासी सत्यनारायण महतो (50) पर उनके ही बेटे सूरज महतो (24) ने चाकू से जानलेवा हमला कर दिया। जिससे सत्यनारायण गंभीर रूप से घायल हो गए। इसके बाद सूरज मौके से फरार हो गया। उधर, परिजनों ने घायल सत्यनारायण को तुरंत गुमला सदर अस्पताल पहुंचाया, जहां उनका इलाज चल रहा है। जानकारी के मुताबिक गुरुवार की दोपहर 12 बजे सत्यनारायण धान लाद कर रहे थे। तभी नशे में धूत होकर सूरज वहां पहुंच गया। इससे नाराज पिता ने खून फटकार लगायी। पर कलयुगी बेटे को पिता की डांट नागवार गुजरी और वह वहां से चला गया। उधर, काम खत्म कर जब सत्यनारायण घर पहुंचे, तो सूरज भी पीछे-पीछे घर आया और अचानक पिता पर चाकू से वार कर फरार हो गया। पेट सत्यनारायण के पेट में लगी और खून से लथपथ हो कर वह वहीं गिर पड़ा। बतातें चलें कि कुछ दिन पहले सूरज की बाइक खराब हो गई थी, जिसे वह गैरेज में देकर आया था। पिता ने उसे समझाया था कि उसे धान बेचने दे। कमानी होने पर उसकी बाइक की मरम्मत करवा देगा। पर बेटा इसी बात से नाराज चल रहा था। पुलिस फरार आरोपी बेटे की तलाश में जुटी है।

चैनपुर पुलिस ने अवैध शराब के विरुद्ध चलाया विशेष अभियान, शराब-महुआ को किया नष्ट

चैनपुर (आजाद सिपाही)। गुमला एसपी के दिशा-निर्देश पर चैनपुर पुलिस ने अवैध शराब के कारोबार पर अंकुश लगाने के उद्देश्य से एक विशेष अभियान शुरू किया। पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए चैनपुर में लगने वाले साप्ताहिक बाजार के दिन बरवे रोड बाजार ताड़ सहित कई संदिग्ध स्थानों पर दबिश दी और बड़े पैमाने पर अवैध हड़िया, महुआ शराब को विनष्ट किया। इस बाबत नंदकिशोर महतो ने बताया कि अभियान के दौरान लगभग 40 से 50 लीटर अवैध शराब नष्ट की गई है। वहीं, पुलिस की इस कार्रवाई की स्थानीय नागरिकों ने भूरी-भूरी प्रशंसा की है। स्थानीय प्रबुद्धजनों का मानना है कि साप्ताहिक बाजार (गुरुवार) के दिन अक्सर नशे की हालत में युवाओं द्वारा वाहन चलाने से गंभीर सड़क दुर्घटनाएं हो रही है। पुलिस की इस मुहिम से न केवल अवैध बिक्री पर रोक लगेगी, बल्कि सड़क हादसों में भी कमी आएगी, जिससे लोग सुरक्षित अपने परिवार के पास लौट सकेंगे।

यातायात नियमों की अनदेखी, 12 बाइक जब्त

चैनपुर (आजाद सिपाही)। सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूकता और यातायात नियमों के अनुपालन को सुनिश्चित करने को लेकर चैनपुर पुलिस ने गुरुवार को एक विशेष वाहन जांच अभियान चलाया। बस स्टैंड के समीप चलाए गए इस सघन चेकिंग अभियान के दौरान पुलिस ने बिना हेलमेट दोपहिया वाहन चलाने वाले चालकों पर कार्रवाई करते हुए 12 बाइक जब्त की। इस बाबत नंदकिशोर महतो ने सभी वाहन चालकों से अपील की है कि वे अपनी सुरक्षा को प्राथमिकता दें और दोपहिया वाहन चलाते समय हेलमेट का उपयोग अनिवार्य रूप से करें। पुलिस का यह कदम सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने के उद्देश्य से उठाया गया है।

शिक्षिका के गुम मोबाइल को चैनपुर पुलिस ने लौटाया

चैनपुर (आजाद सिपाही)। साप्ताहिक बाजार में एक शिक्षिका के गुम हुए मोबाइल फोन को पुलिस की तत्परता से कुछ ही घंटों में बरामद कर लिया गया। शिक्षिका ने पुलिस की इस त्वरित कार्रवाई के लिए आभार व्यक्त किया है। जानकारी के अनुसार, चैनपुर कन्या मध्य विद्यालय की प्रधानाध्यापिका तपेश्वरी बाई चैनपुर साप्ताहिक बाजार में खरीदारी करने गई थीं। इसी बीच उनका मोबाइल फोन गुम हो गया। प्रधानाध्यापिका ने बाजार में काफी खोजबीन की, लेकिन फोन नहीं मिला। इसके बाद, इसकी सूचना चैनपुर थाने को दी और मोबाइल गुम होने का एक लिखित आवेदन किया। जिसके बाद चैनपुर पुलिस ने बिना समय गंवाए कार्रवाई शुरू कर दी। पुलिस टीम ने कुछ ही घंटों के भीतर गुम हुए मोबाइल फोन का पता लगा लिया और उसे बरामद कर लिया। जिसे बाद में एएसआई नंदकिशोर कुमार एवं निर्मल राय ने संयुक्त रूप से प्रधानाध्यापिका तपेश्वरी बाई को उनका मोबाइल फोन सौंप दिया। उधर, मोबाइल वापस पाकर प्रधानाध्यापिका तपेश्वरी बाई ने चैनपुर पुलिस-पदाधिकारियों के प्रति आभार जताया। कहा कि मेरे मोबाइल फोन में स्कूल से संबंधित सभी महत्वपूर्ण कागजात और डेटा थे। बाजार में फोन गुम होने के बाद बहुत चिंतित थी। पुलिस कर्मियों, विशेषकर एएसआई नंदकिशोर कुमार और निर्मल राय, ने फोन ढूंढकर वापस लौटा कर सराहनीय काम किया है।

पालकोट में सरकार आपके द्वार का आयोजन

पालकोट (आजाद सिपाही)। प्रखंड के दो पंचायतों पालकोट उतरी और पालकोट दक्षिणी पंचायत सचिवालय में गुरुवार को सरकार आपके द्वार कार्यक्रम का आयोजन हुआ। जिसमें सरकार की महत्वपूर्ण योजनाओं को जनमानस तक पहुंचाते हुए शत-प्रतिशत लाभ देने की पहल की गयी। इस दौरान प्रखंड, अंचल, स्वास्थ, शिक्षा, बिजली, पेयजल और पशुपाल सहित विभिन्न विभागों की ओर से स्टॉल लगाकर आम नागरिकों को लाभ देने की पहल की गयी। इस मौके पर पालकोट उतरी पंचायत के 11 लोगों को सामाजिक सुरक्षा के तहत पेंशन स्वीकृति पत्र वितरण बीडीओ विजय उरांव ने किया। इसके बाद पालकोट उतरी के मुखिया अनिल भगत एवं पंचायत सचिव राजकुमार पुरी ने स्वास्थ विभाग के स्टॉल में एक शिशु को अंनप्रसन कराया। साथ ही 10 वृद्ध महिला-पुरुषों को सोना सोबरन धोती साड़ी लुंगी योजना के तहत धोती-साड़ी का निःशुल्क वितरण किया गया। वहीं, अबुआ आवास के तहत 105 लोगों ने आवेदन मिले। नया राशन कार्ड के लिये 40 लोगों ने आवेदन दिया। जबकि मंइयां सम्मान योजना के तहत 60 लोगों ने नये सिरे से आवेदन दिया। इसके बाद जाति, आय एवं आवासीय का 75 लोगों का आवेदन लेते हुए तत्काल निष्पादन किया गया। इस मौके पर मुखिया जंसिता मिंज, पंसस शांति देवी, जनसेवक हेनरी इग्नाशियुस एक्का, पंचायत सचिव मल्लिका गुड़िया, विधायक प्रतिनिधि भूषण सिंह आदि मौजूद रहे।

मुसीबत का सबब बनने लगा सिसई का 'साप्ताहिक बाजार'

थाना रोड में भीड़ भाड़ घंटों जाम में फंसे लोग

आजाद सिपाही संवाददाता

सिसई। प्रखंड मुख्यालय के थाना रोड स्थित बाजार टांड़ में प्रत्येक गुरुवार को लगने वाले 'साप्ताहिक बाजार' मुसिबत का सबब बनने लगा है। यहां खरीदारी के लिए उमड़ने वाली भारी भीड़ के कारण भारी जाम लग जा रही है, जिससे लोग काफी परेशान हो रहे हैं। गुरुवार को भी 'साप्ताहिक बाजार' के चलते थाना रोड करीब एक घंटा से अधिक समय तक जाम रहा, जिस कारण स्कूली बच्चों एवं प्रखंड क्षेत्र के दूर दराज से आए लोग जाम से कराहते रहे। बताते चलें कि प्रखण्ड मुख्यालय का बड़ा बाजार होने के कारण 18 पंचायतों के सैकड़ों गांवों से हजारों लोग बाजार हाट करने आते हैं। ग्रामीण अपनी जरूरतों के मुताबिक सप्ताह भर का जरूरी सामान खरीदकर ले जाते हैं। बाजार में आने-जाने के लिए एकमात्र सड़क थाना रोड है, जहां चौक से लेकर थाना गेट के पास तक दोनों तरफ दुकानों की लंबी लाइन लगी होती है। वहीं, दुकानदार अपने दुकान के सामान बिक्री के लिए फुटपाथ पर रख देते हैं। जिससे सड़क और भी संकरी हो जाता है और भीड़ काफी बढ़ जाती है जिससे रोड पर वाहनों की लंबी कतारें लग जाती है और सड़क पर घंटों जाम की स्थिति बनी रहती है। इस कारण पैदल चल रहे लोगों को भी भारी परेशानी झेलनी पड़ती है। पास में ही आधा दर्जन से अधिक सरकारी एवं निजी विद्यालय भी हैं। जब स्कूल से छुट्टी होती है तो सड़क पर स्कूली बच्चों की भीड़ अलग होती है और बाजार की भीड़ अलग जिस कारण लंबा जाम लग जातै है। इस बाबत सिसई थाना प्रभारी संतोष कुमार सिंह से बात करने पर उन्होंने बताया कि इससे संबंधित अधिकारी के साथ बातचीत कर समस्या का समाधान निकाला जाएगा। जरूरत पड़ने पर सड़क को वन वे भी किया जा सकता है। वहीं, सीओ अशोक बड़ाइक से इस बारे में बात की गई तो उन्होंने बताया कि सड़क एवं फुटपाथ पर दुकान लगाने वालों के ऊपर कानूनी कार्रवाई की जाएगी और फाइन भी वसूला जाएगा। बहुत जल्द सिसई वासियों को जाम से छुटकारा दिलाने का काम होगा।

सिसई में अवैध कब्जाधारी दुकानदारों के खिलाफ जल्द शुरू होगी कार्रवाई : सीओ

गुमला जिले में 24 घंटे में फांसी लगा तीन लोगों ने की आत्महत्या

तीनों ही मामले में मृतकों की मानसिक स्थिति नहीं थी ठीक

आजाद सिपाही संवाददाता

गुमला। जिले में एक ही दिन में फांसी लगाकर तीन अललग-अलग जगहों पर तीन लोगों द्वारा आत्महत्या कर लिये जाने का मामला सामने आया है। उनकी पहचान सहाय मिंज (35), सुरेश उरांव (29) और राज कुमार उरांव (16) के रूप में हुई है। जानकारी के मुताबिक पहली घटना गुमला शहर से सटे दुंदरिया में गुरुवार की सुबह छह बजे घटित हुई। यहां रहने वाला रायडीह थाना क्षेत्र के तुरी डीह गांव निवासी सहाय मिंज झारखंड से बाहर दूसरे प्रदेश में मजदूरी का काम करता है। बुधवार को वह बस से गुमला पहुंचा था। जिसके बाद वह अपने एक रिश्तेदार दुंदरिया निवासी विलियम तिर्की के घर रात में रुक गया। वहीं, गुरुवार की सुबह उसने फांसी लगा ली।

मृतक किशोर की फाइल फोटो।

वह अविवाहित था। इसकी सूचना पाकर मृतक के पिता और भाई गुमला पहुंचे, लेकिन वे भी आत्महत्या को लेकर कुछ नहीं बता पाये। उधर, पुलिस की मानें तो मृतक मानसिक रूप से विक्षिप्त था। उसने 112 नंबर में डायल कर पांच लोगों द्वारा उसका पीछा करने की बात पुलिस को बताई थी। वह थाना भी गया था इसके बाद शाम होने पर अपने रिश्तेदार के यहां चला गया। दूसरी ओर, गुमला प्रखंड के टोटो थाना क्षेत्र के खरका निवासी सुरेश उरांव ने इस दिन सुबह नौ बजे अपने घर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। इसकी सूचना पाकर टोटो पुलिस मौके पर पहुंची और शव को बरामद कर पोस्टमार्टम के लिए गुमला सदर अस्पताल भेज दिया। वहीं, मृतक के छोटे भाई सुरेंद्र उरांव ने कहा कि सुरेश का कुछ दिनों से मानसिक स्थिति ठीक नहीं है। उसकी दवा भी चल रही थी। सुबह में सभी घर के सदस्य धानकटनी में गये थे। इसी बीच घर में खुद को अकेला पाकर उसने गमछा के सहारे फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। जबकि, तीसरी घटना, घाघरा प्रखंड के कोहीपा में घटित हुई। दीपा टोली निवासी राज कुमार उरांव ने बुधवार की दोपहर अपने घर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। इसकी सूचना पाकर पुलिस मौके पर पहुंची और शव का पंचनामा कर पोस्टमार्टम के लिए गुमला सदर अस्पताल भेज दिया। उधर, मृतक के बड़े पिता बुड़ना उरांव ने बताया कि राज कुमार गुरदरी के कंदापाट आवासीय विद्यालय का 10वीं का छात्र था। वो विद्यालय के हास्टल में रह कर पढ़ाई करता था। मंगलवार को उसके सिर में तेज दर्द होने के कारण छुट्टी लेकर घर आ गया। उसके बाद उसे गुमला अस्पताल में डाक्टर से दिखवाया गया। घर आने के बाद वो खाना खाकर सो गया। बुधवार की सुबह सब ठीक था। पर दोपहर में घर में कोई नहीं था उसी समय राजकुमार ने मोफलर के सहारे फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली।

विशनपुर के नरमा में सरकार आपके द्वार का आयोजन, मिले 400 आवेदन

विशनपुर (आजाद सिपाही)। प्रखंड के नरमा पंचायत में सरकार आपके द्वार कार्यक्रम का सफल आयोजन हुआ। जिसमें बीडीओ सुलेमान मुंडरी, प्रखंड प्रमुख राजलक्ष्मी उरांव और पंचायत प्रतिनिधि सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी आदि उपस्थित थे। इस शिविर का उद्देश्य सरकारी योजनाओं का लाभ लोगों तक सीधे पहुंचाना और समस्याओं का त्वरित समाधान सुनिश्चित करना था। इस दौरान विभिन्न विभागों की ओर से कुल 400 आवेदन प्राप्त हुए, जिसमें पेंशन, राशन कार्ड, आवास, आय प्रमाणपत्र, सामाजिक सुरक्षा योजनाएं एवं अन्य जनहितकारी योजनाओं से संबंधित आवेदन शामिल थे। अधिकारियों ने लोगों की समस्याओं को ध्यान से सुना और उनके निराकरण के लिए आवश्यक कार्रवाई का आश्वासन दिया। इस दौरान शिविर में तीन गर्भवती महिलाओं की गोद भराई भी की गयी। जिसके माध्यम से मातृ स्वास्थ्य एवं पोषण को बढ़ावा देने का संदेश दिया गया। साथ ही 15 लाभुकों को पेंशन स्वीकृति प्रमाण पत्र वितरित किया गया, जिससे उन्हें वृद्धावस्था, विधवा एवं दिव्यांग पेंशन योजनाओं का सीधा लाभ मिल सके।

चैनपुर में 'सेवा का अधिकार सप्ताह' और 'सरकार आपके द्वार' कार्यक्रम का आयोजन

चैनपुर (आजाद सिपाही)। प्रखंड मुख्यालय में गुरुवार को 'सेवक का अधिकार सप्ताह' और 'आपकी योजना आपकी सरकार आपके द्वार' कार्यक्रम का आयोजन हुआ। जिसका शुभारंभ ओलिभा कांता कुजूर, जिला परिषद सदस्य मेरी लकड़ा, बीडीओ यादव बैठा, सीओ दिनेश कुमार, मुखिया शोभा देवी और सचिव संतोष कुमार ने संयुक्त रूप से किया। इस अवसर पर बीडीओ यादव बैठा ने कहा कि सरकार का उद्देश्य है कि हर नागरिक को उनकी योजनाओं का सीधा लाभ मिले। उन्होंने ग्रामीणों से अपील की कि वे शिविर में आकर आवेदन दें, ताकि उनका त्वरित निष्पादन कर उन्हें स्वीकृति प्रदान की जा सके। वहीं, सीओ दिनेश गुप्ता ने सरकार की महत्वाकांक्षी योजनाओं पर प्रकाश डाला। कहा कि शिविर में जाति, आवासीय, आय, जन्म-मृत्यु प्रमाणपत्र, मोटेशन, पंजी-२ और अन्य योजनाओं का सीधा लाभ दिया जा रहा है। जिला परिषद सदस्य मेरी लकड़ा ने ग्रामीणों को बेझिझक आवेदन देने के लिए प्रेरित किया, ताकि वे सरकारी योजनाओं का पूरा लाभ उठा सकें। वहीं, प्रमुख ओलिभा कांता कुजूर ने कहा कि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने लोगों को सरकारी योजनाओं का लाभ देने और जानकारी पहुंचाने के लिए ही 'सरकार आपके द्वार' कार्यक्रम की शुरूआत की है। कार्यक्रम का समापन मुखिया शोभा देवी और पंचायत सचिव संतोष कुमार ने किया। इस मौके पर उप प्रमुख प्रमोद खलखो, मुखिया शोभा देवी, पंचायत सचिव संतोष कुमार, लक्षण राम, राममोहन साहू, विश्वकर्मा मिंज, जनसेवक बिश्वराम केवट, बीटीएम राजनेंद्र तिर्की, रोजगार सेवक सहित आंगनबाड़ी सेविका, सहिया स्वस्थ और प्रज्ञा केंद्र संचालक कर्मी मौजूद रहे।

मांगों को लेकर अनिश्चितकालीन धरना पर बैठा रसोईया संयोजिका अध्यक्ष संघ

गुमला (आजाद सिपाही)। झारखंड प्रदेश विद्यालय रसोईया संयोजिका अध्यक्ष संघ की अगुवाई में गुरुवार की दोपहर 12 बजे चंडाली स्थित समाहरणालय भवन के मुख्य द्वार के समीप अनिश्चित कालीन धरना शुरू किया। इस दौरान संगठन के लोगों ने शिक्षा विभाग के खिलाफ जम कर नारेबाजी करते हुए अपने लंबित मांगों को पूरा करने की मांग की। संस्था की जिलाध्यक्ष देवकी देवी ने कहा कि जिलेभर की रसोईया का बकाया मानदेय राशि शीघ्र भुगतान किया जाए। जिन रसोइयों की उम्र 60 वर्ष हो गयी है उसके बेटी, बहु या परिवार के सदस्यों को ही उसके स्थान पर काम पर रखा जाए। वहीं, संयोजिका को उसकी हर जिम्मेवारी मिलनी चाहिए। रसोईया राखी देवी, प्रतिमा देवी, मीना देवी, सिलीना उराईन, फौली देवी, असारी देवी, अंजेला बेक, कोनो उरांव, कांति देवी, सुभद्रा देवी सहित अन्य रसोईयों का मानदेय वर्षों से बकाया है। जिसका अविलंब भुगतान किया जाए। इसके अलावा जिले भर के रसोईया के विद्यालय में काम करने के दौरान जलने पर उपचार का खर्च राशि शिक्षा विभाग की ओर से दी जाए। इस मौके पर प्रदेश अध्यक्ष अजीत प्रजापति, अनिता देवी, एलिस एक्का, सीमा देवी, अनिता उरांव आदि मौजूद थे।

सिसई की तीन पंचायतों में सरकार आपके द्वार के के तहत 'सेवा का अधिकार' सप्ताह का आयोजन

सिसई (आजाद सिपाही)। प्रखंड क्षेत्र के तीन पंचायत बोंडो, नगर एवं ओलमुंडा में गुरुवार को सरकार आपके द्वार कार्यक्रम के तहत 'सेवा के अधिकार' सप्ताह का आयोजन हुआ। जिसमें 24 विभागीय स्टॉल लगाये गये थे। इसमें विभिन्न विभागों के अधिकारियों द्वारा पंचायत एवं ग्राम स्तर पर संचालित सभी योजनाओं की जानकारी ग्रामीणों को देते हुए उनके लाभों के बारे में बताया गया। वहीं, बीडीओ रमेश कुमार यादव ने बारी-बारी से सभी स्टॉल का निरीक्षण कर कर्मियों को दिशा निर्देश दिया। इस दौरान तीनों शिविरों में अबुआ आवास, मनरेगा, राजस्व, आपूर्ति, कल्याण विभाग, सामाजिक सुरक्षा, बाल विकास, शिक्षा विभाग, स्वास्थ्य विभाग, श्रम विभाग, निर्वाचन सहित विभिन्न विभागों से कुल 2365 आवेदन मिले, जिसपर त्वरित कार्रवाई करते हुए 1167 आवेदनों का मौके पर ही निष्पादन किया गया। साथ ही लाभुकों के बीच धोती साड़ी, जॉब कार्ड, आधार कार्ड एवं आयुष्मान कार्ड का वितरण किया गया। इसके अलावा सावित्री बाई फुले, किशोरी समृद्धि योजना के अंतर्गत प्रखंड प्रमुख, बीडीओ एवं जनप्रतिनिधियों द्वारा बालिकाओं के बीच प्रमाण पत्रों का वितरण किया गया। इस मौके पर प्रखंड प्रमुख मीना देवी, सीओ अशोक बड़ाइक, प्रधान सहायक राकेश कुमार सुमन, बोन्डों पंचायत मुखिया सोनी तिर्की, नगर मुखिया रवि उरांव, ओलमंडा के मुखिया शांति लकड़ा, कल्याण पदाधिकारी शैलेश कुमार यादव आदि थे।

कामडारा के सालेगुटु में सरकार आपके द्वार का आयोजन

सरकारी कार्यक्रम में पहुंचे सैकड़ों छात्र-छात्राएं अधिकारियों से की शौचालय निर्माण की मांग

आजाद सिपाही संवाददाता

कामडारा। प्रखंड क्षेत्र के सालेगुटु पंचायत मुख्यालय पर गुरुवार को सरकार आपके द्वार कार्यक्रम का आयोजन हुआ। जिसमें राजकीय उत्क्रमित उच्च विद्यालय मोरहाटोली के छात्र-छात्राओं ने अधिकारियों को एक आवेदन सौंपते हुए विद्यालय में यथाशीघ्र शौचालय बनाने की मांग रखी। जानकारी के मुताबिक कामडारा प्रखंड क्षेत्र के राजकीय उत्क्रमित उच्च विद्यालय मोरहाटोली में वर्ग प्रथम से लेकर कक्षा 10वीं तक की पढ़ाई होती है। इस विद्यालय में वर्तमान में कुल 320 छात-छात्राएं अध्ययनरत हैं। पर विद्यालय के चाहरदीवारी के अंदर शौच की कोई व्यवस्था नहीं है। हालांकि पूर्व मे एक शौचालय बनाया गया था, लेकिन उसकी स्थिति काफी दयनीय हो चुकी है। जिस कारण छात्र-छात्राओं को शौच के लिये बाहर जाना पड़ता है। उधर, गुरुवार को सालेगुटु पंचायत मुख्यालय में शिविर लगने की खबर लगते ही विद्यालय के सभी छात्र-छात्राएं एकजुट होकर शिविर में पहुंचे और अधिकारियों को अपनी समस्या बताते हुए आवेदन सौंपा। इसके बाद यथाशीघ्र विद्यालय में शौचालय बनवाने की मांग की। आवेदन सौंपने वालों में विद्यालय बाल संसद के अलमा होरो, मुस्कान कुमारी, अनुराधा कुमारी, आंचल रानी, नेहा कुमारी, सुप्रिया कुमारी, श्वेता कुमारी, किरण कुमारी, कृति कुमारी, सुस्मिता होरो और खीस्टीना होरो सहित 50 छात्र-छात्राएं शामिल थे।

कृषि पशुपालन एवं सहकारिता विभाग (कृषि प्रभाग)
झारखण्ड सरकार
कार्यालय, कनीय पौधा संरक्षण पदाधिकारी, हजारीबाग

सामयिक सूचना अंक 07/वर्ष– 2025–26

कृषक भाई/बहनों हेतु आवश्यक सूचना

रामगढ़ जिलांतर्गत सभी कृषक भाई/बहनों को सूचित किया जाता है कि कृषि पशुपालन एवं सहकारिता विभाग के राज्यादेश संख्या–03/कृ0रा0यो0–07/2023–37/कृ0, दिनांक– 23.07.2025 के आलोक में राज्य योजनान्तर्गत चालू वित्तीय वर्ष 2025–26 के लिए कृषि क्षेत्र में फसल उत्पादन एवं गुणवत्तायुक्त उत्पादकता को बढ़ाने हेतु फसल सुरक्षा योजना अंतर्गत निम्नवत् आवेदन आमंत्रित किया जा रहा है:–

क्र0सं0	कार्य अवयव	लक्ष्य	अभ्युक्ति
1.	प्रक्षेत्र प्रत्यक्षण	76 हेक्टेयर	
2.	कीटनाशी विक्रेता हेतु प्रशिक्षण	संख्या–01	कीटनाशी विक्रेता हेतु एक दिवसीय प्रशिक्षण प्राप्त करने के लिए कीटनाशी का लाईसेंस आवेदन के साथ संलग्न करना अनिवार्य है।
3.	कृषक वैज्ञानिक अंतरमिलन कार्यक्रम	संख्या–01	प्रति कृषक वैज्ञानिक अंतरमिलन में कम से कम 50 कृषक अनिवार्य है।
4.	जिला स्तरीय युवा कौषल संवर्धन प्रशिक्षण	संख्या–01	जिला स्तरीय युवा कौषल संवर्धन पाँच दिवसीय प्रशिक्षण हेतु अधिकतम कृषक की संख्या 20 है। कृषक की अधिकतम उम्र 40 वर्ष होगी।
5.	पंचायत स्तरीय प्रशिक्षण	संख्या–34	पंचायत स्तरीय दो दिवसीय प्रशिक्षण हेतु प्रति प्रशिक्षण अधिकतम कृषक की संख्या 30 है। कृषक की अधिकतम उम्र 50 वर्ष होगी।

योजना के विभिन्न कार्य अवयवों का लाभ लेने हेतु इच्छुक कृषक/स्वयं सहायता समूह अपना आवेदन पंचायती राज संस्था के मुखिया/जनप्रतिनिधि/जिला परिषद् सदस्य से अनुशंसा कराकर आवश्यक कागजात तथा पहचान पत्र/आधार कार्ड/बैंक पासबुक विवरणी/मोबाईल नंबर/जमीन का रकबा के साथ पूर्ण विवरणी संलग्न करते हुए आवेदन पत्र दिनांक – 08.12.2025 के संध्या 5:00 बजे तक न्यु कलेक्ट्रेट परिसर ब्लॉक–सी, छतरमांडु अंतर्गत आत्मा के कार्यालय में जमा कर सकतें है।

लाभुक का चयन पहले आओं–पहले पाओ के आधार पर किया जाएगा।

अनुदान हेतु लाभुक चयन के लिए निम्नांकित न्युनतम मापदण्ड आवश्यक होगा–

1. आवेदन पूर्ण रूप से भरा हुआ एवं सभी कागजात के साथ होगा।
2. आवेदन की प्रति मुखिया अथवा अन्य जनप्रतिनिधि द्वारा अनुशंसित किया हुआ हो।
3. आवेदक द्वारा पूर्व के तीन वर्षों तक इस योजना कार्य अवयव का लाभ नहीं लिया हो।
4. आवेदक के पास पर्याप्त भूमि हो तथा सब्जी, फल, फुल आदि की खेती करते हो।
5. आवेदक द्वारा स्वयं हस्ताक्षरित आवेदन ही स्वीकार्य होगा।
6. लाभुक के चयन में FPO /प्रगतिशील कृशकों/महिला स्वयं सहायता समूह/सिंचाई सुविधा युक्त कृषकों को प्राथमिकता दी जाएगी।
7. विशेष परिस्थिति में किसी भी आवेदन को स्वीकृत करना या रद्ध करने का अधिकार कनीय पौधा संरक्षण पदाधिकारी, हजारीबाग के पास सुरक्षित रहेगा, जिसपर किसी भी प्रकार का दावा मान्य नहीं होगा।

योजना की विस्तृत जानकारी आत्मा कार्यालय, रामगढ़ से प्राप्त की जा सकती है।

कनीय पौधा संरक्षण पदाधिकारी, हजारीगबाग

PR 367254 Agriculture,Animal Husbandry And Co-opretive Department (25-26)_D

फेक आधार कार्ड रैकेट का खुलासा, एक गिरफ्तार

आजाद सिपाही संवाददाता

धनबाद। फेक आधार रैकेट का बड़ा खुलासा तब हुआ जब मुनीडीह ओपी पुलिस ने फर्जी आधार कार्ड तैयार कराने वाले नेटवर्क का भंडाफोड़ किया। पुलिस ने चंदन नामक युवक को गिरफ्तार किया है, जो बांग्लादेशी घुसपैठियों के लिए फर्जी आधार वक्ळ बनवाने में सहायता करता था। गिरफ्तारी के बाद आरोपी को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। पुलिस के अनुसार, चंदन बोकारो जिले के आदर्श नगर का रहने वाला है। उसने अपने घर के पास ही आधार कार्ड बनाने का एक अवैध सेंटर खोल रखा था, जहां वह दस्तावेजों में हेरफेर कर बांग्लादेशी नागरिकों के लिए पहचान पत्र तैयार कराने का काम करता था। इस सेंटर पर अवैध गतिविधियों के चलते कई संदिग्ध दस्तावेज भी मिले हैं, जो फेक आधार मामले को और गंभीर बनाते हैं।

इस पूरे नेटवर्क का खुलासा तब हुआ जब उत्तम कुमार सिन्हा नामक व्यक्ति को पकड़ा गया। पूछताछ में उसने बताया कि वह पश्चिम बंगाल के बांकुड़ा जिले का निवासी है। उसके पास से चोरी की बाइक, मोबाइल फोन, बांग्लादेशी बांग्ला लिंक का सिम कार्ड, दो विदेशी सिम, मो मसूद राणा की चार फोटो और बांग्लादेशी आइडी कार्ड बरामद किये गये थे।

पूछताछ में उत्तम ने बताया कि चंदन बांग्लादेशी नागरिकों को भारत में अवैध पहचान दिलाने के लिए फर्जी आधार कार्ड बनवाता था। इसी आधार पर पुलिस ने चंदन को दबोचा और अब पूरे नेटवर्क की गहन जांच जारी है। पुलिस यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि कितने बांग्लादेशी नागरिकों के आधार कार्ड तैयार किए जा चुके हैं और इस रैकेट में और कौन शामिल है।

बीएसएल में आपात स्थितियों से निपटने के लिए मॉक-ड्रिल

आजाद सिपाही संवाददाता

बोकारो। बीएसएल में गैस रिसाव को लेकर वृहद पैमाने पर मॉकड्रिल आयोजित किया गया जिसमे बीएसएल के कई विभागों जैसे गैस सेफ्टी (इएमडी), सेफ्टी, ब्लास्ट फर्नेस, प्लांट कंट्रोल, चिकित्सा सेवाएं, बीएसएल सिक्योरिटी इत्यादि के अलावा सीआइएसएफ, जिला-प्रशासन और एनडीआरएफ ने महत्वपूर्ण भूमिका निभायी। गैस स्राव के किसी आपदा में तैयारियों का जायजा लेने के लिए किये गये। इस मॉकड्रिल में ऐसी आपदा से निपटने के लिए परिचालनीय तैयारी, त्वरित प्रक्रिया का समय, सम्बंधित एजेंसियों को दुर्घटना संबंधी सूचना की संप्रेषणीयता, चिकित्सीय व्यवस्था की मुस्तैदी और एकाधिक एजेंसियों के शामिल रहने की स्थिति में उनके बीच के समन्वय और कमान-श्रृंखला जैसे कई पहलुओं की परख हुई ताकि समय आने पर बचाव अभियान सुचारु रूप से सफल हो सके।

प्रातः लगभग 11 बजे से शुरू हुई ये मॉकड्रिल डेढ़ घंटे तक चली। मॉकड्रिल में इस तरह के आपात स्थिति को निपटने के लिए रही तैयारी के सभी प्रमुख बिंदु संतोषजनक पाये गये। मॉकड्रिल के दौरान चिन्हित स्थानों पर नियुक्त पर्यवेक्षकों ने मॉकड्रिल के परिणामों की चर्चा के लिए बुलायी। बैठक में अपने अवलोकनों को एक दूसरे के साथ साझा किया। इस मॉकड्रिल के दौरान बोकारो इस्पात संयंत्र तथा जिला प्रशासन के सभी वरीय अधिकारी यथा जिला उपायुक्त अजय नाथ झा, पुलिस अधीक्षक हरविंदर सिंह, अधिशासी निदेशक (वर्क्स) प्रिय रंजन, अधिशासी निदेशक (ऑपरेशन) अनूप कुमार दत्त, डीडीसी शताब्दी मजूमदार, एसडीएम चास प्रांजल ढाडा सहित बोकारो इस्पात संयंत्र एवं जिला प्रशासन के अन्य वरीय अधिकारी घटना की तैयारी के लिए बने इंसिडेंट पोस्ट पर मौजूद रहें। मॉकड्रिल के सफल संचालन के पश्चात जिला आपदा पदाधिकारी शक्ति कुमार, सीआइएसएफ और एनडीआरएफ के 9वीं बटालियन के वरीय अधिकारीयों ने भी अपने प्रेक्षणों से सबों को अवगत कराया। ज्ञातव्य हो कि बोकारो इस्पात संयंत्र झारखण्ड ही नहीं बल्कि पुरे पूर्वी भारत की एक प्रमुख औद्योगिक इकाई है। इस्पात संयंत्र होने के नाते ये एक थर्मो-सेंसिटिव इकाई है जहां रासायनिक खतरों के तत्व विद्यमान होते है। इसी के मद्देनजर एनडीआरएफ समय-समय पर यहां सीबीआरएन मॉकड्रिल अभियान चलाती है

मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी का प्रशिक्षण शिविर लगा

आजाद सिपाही संवाददाता

झरिया। मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी धनबाद जिला कमिटी का दो दिवसीय प्रशिक्षण शिविर अग्रवाल धर्मशाला झरिया में गुरुवार को शुरू हुई। प्रशिक्षण शिविर 28 नवंबर तक चलेगी। प्रारंभ में शहीद वेदी पर माल्यार्पण किया गया। आज का प्रशिक्षण शिविर दो सत्रों में आयोजित किया गया। प्रथम सत्र में राजनैतिक शब्दावली तथा द्वितीय सत्र में वैचारिक हमलों की चुनौतियां विषय पर प्रशिक्षण दिया गया। शिक्षण शिविर का उद्घाटन राज्य कमिटी सदस्य कामरेड रामकृष्ण पासवान ने करते हुए कहा कि आज के दौर में जब मजदूर और किसानों पर चौतरफा हमला हो रहा है, तब हमें वैचारिक रूप से मजबूत होकर संघर्ष के मैदान में उतरना होगा।

डॉ काशीनाथ चटर्जी ने प्रशिक्षण शिविर के उद्देश्य पर प्रकाश डालते हुए कहा कि जनविरोधी नीतियों के खिलाफ संघर्ष के मैदान में उतरने के लिए प्रशिक्षण शिविर आयोजित किया गया है।

जिला सचिव कामरेड विकास कुमार ठाकुर ने प्रशिक्षण शिविर की अध्यक्षता की। शिक्षक के रूप में राज्य कमिटी के सचिव मंडल सदस्य कामरेड समीर दास, कुमार सत्येंद्र तथा रवि सिंह मौजूद थे।

सेवा का अधिकार सप्ताह शिविर में सैकड़ों ग्रामीणों को मिला योजनाओं का लाभ

आजाद सिपाही संवाददाता

महुदा। पदुगोड़ा पंचायत में सेवा का अधिकार सप्ताह के तहत आयोजित शिविर आपके द्वार, सर्वजन की सरकार कार्यक्रम में पंचायत क्षेत्र के सैकड़ों ग्रामीणों ने विभिन्न सरकारी योजनाओं के लिए आवेदन जमा कर लाभान्वित होने का अवसर प्राप्त किया। शिविर का शुभारंभ बाघमारा वीडियो लक्ष्मण यादव एवं पंचायत के मुखिया महेश पटवारी द्वारा दीप प्रज्वलन कर किया गया। शिविर में विभिन्न विभागों द्वारा प्राप्त आवेदनों की कुल संख्या 498 रही, जिसमें राशन कार्ड, जॉब कार्ड, आयुष्मान कार्ड, किसान क्रेडिट कार्ड, मईया सम्मान योजना, सावित्रीबाई फुले योजना, दीदी बाड़ी योजना सहित कई जनोपयोगी योजनाओं से संबंधित आवेदन शामिल थे। सभी स्टॉलों पर अधिकारियों एवं कर्मियों को तैनात कर ग्रामीणों की समस्याओं के त्वरित समाधान का प्रयास किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे बाघमारा प्रखंड पदाधिकारी लक्ष्मण यादव ने विभिन्न विभागीय स्टॉलों का निरीक्षण किया तथा लाभुकों से सीधे संवाद स्थापित कर उनके अनुभव और समस्याएँ जानीं। शिविर में पात्र लाभुकों के बीच विभिन्न योजनाओं की परिसंपत्तियों का वितरण भी किया गया। सामुदायिक सहभागिता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से अन्नप्राशन एवं गोदभराई जैसे सामाजिक मांगलिक समारोह भी पूरे हर्षोल्लास के साथ संपन्न हुए, जिसमें ग्रामीणों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस दौरान बीडीओ लक्ष्मण यादव ने कहा कि सरकार की योजनाएं तभी सार्थक होती हैं जब उनका लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे। हमारा प्रयास है कि किसी भी ग्रामीण को सरकारी सेवाओं के लिए भटकना न पड़े। शिविर आपके द्वार के माध्यम से हम प्रशासन को जनता के निकट ला रहे हैं, ताकि हर पात्र परिवार को उसका हक और सम्मान समय पर मिल सके।

गोमो स्टेशन में आरपीएफ जवान की मौत पर रेल मंत्रालय ने जांच के दिये आदेश

आजाद सिपाही संवाददाता

कतरास। हावड़ा गया रेलखंड के गोमो रेलवे स्टेशन पर बीती रात हुए दर्दनाक हादसे में आरपीएफ हेड कांस्टेबल श्रीपती बास्की की मौत ने रेलवे प्लेटफॉर्म निर्माण की गुणवत्ता और सुरक्षा पर गंभीर सवाल खड़े कर दिये हैं।

मिडिया ने प्लेटफॉर्म की टूटी-फूटी स्थिति निर्माण कार्य में लापरवाही, और वर्षों से लंबित मरम्मत के गंभीर मुद्दों को बेबाकी से उजागर किया रिपोर्ट में यात्रियों की पीड़ा, सुरक्षा खतरे, और ठेकेदारों की गैर-जिम्मेदारी का साफ चित्रण था। जो प्रशासनिक स्तर पर तेजी से फैलते ही उच्चाधिकारियों की नजर इस मामले पर गयी।

खबर चलने के बाद रेल मंत्रालय, भारत सरकार ने तत्काल संज्ञान लेते हुए संबंधित अधिकारियों को कार्रवाई के निर्देश दिए और हादसे की विस्तृत जांच के आदेश भी जारी किये जा रहे हैं। रेल मंत्रालय के इस कदम के बाद स्थानीय प्रशासन और रेलवे इंजीनियरिंग विभाग में हलचल तेज हो गयी है। अब प्लेटफॉर्म की सुरक्षा, निर्माण कार्य की गुणवत्ता और ठेकेदारों की जवाबदेही की जांच की जायेगी।

नंद घर कार्यक्रम से पोषण और प्रारंभिक शिक्षा को मजबूत बना रहा इलेक्ट्रो स्टील

आजाद सिपाही संवाददाता

बोकारो। इलेक्ट्रो स्टील ग्रामीण झारखंड में पोषण, शिक्षा और मातृ स्वास्थ्य को सशक्त बनाते हुए प्रारंभिक बाल विकास की मजबूत नींव तैयार करने के अपने नंद घर कार्यक्रम को निरंतर गति दे रहा है। हाल ही में सभी नंद घरों में बाल दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। उत्साहपूर्ण गतिविधियों ने नन्हे बच्चों में रचनात्मकता, आत्मविश्वास और सीखने की खुशी को बढ़ावा दिया। नंद घर उसरडीह में आयोजित कार्यक्रम में इलेक्ट्रो स्टील के वरिष्ठ नेतृत्व संजय सिन्हा (हेडझ्रपीआर एवं स्टेकहोल्डर मैनेजमेंट) और कुणाल दरिपा (हेड-सीएसआर) ने बच्चों के साथ ड्राइंग, रंग भरने और कविता पाठ में हिस्सा लिया। जिससे ग्रामीण समुदायों में खुशहाल और समावेशी शिक्षा के प्रति इएसएल की प्रतिबद्धता और मजबूत हुई। यह आयोजन पोषण माह के सफल आयोजन के बाद हुआ। जिसमें माताओं को संतुलित आहार, स्तनपान, स्वच्छता और घरेलू पोषण के महत्व पर जागरूक किया गया। इसी दौरान शिशु संजीवनी विशेष रूप से तैयार मिलेट हलवा का नियमित वितरण भी किया गया। जिससे छह वर्ष से कम उम्र के बच्चों में प्रतिरक्षा क्षमता, स्वस्थ विकास एवं ऊर्जा में उल्लेखनीय सुधार देखा जा रहा है। मिलेट्स को दैनिक पोषण का हिस्सा बनाकर भारत सरकार के मिलेट मिशन को मजबूत करते हुए कुपोषण के खिलाफ झारखंड में महत्वपूर्ण योगदान दे रहा है। नंद घर उसरडीह की सेविका माया खोवास ने कहा कि सही पोषण ही इनके सपनों की सबसे मजबूत नींव है। ये बच्चे सिर्फ नंद घर के नहीं, मेरे अपने हैं। इनकी हर खुशी, हर प्रगति मेरे लिए सबसे बड़ी उपलब्धि है।

एफसीआइएल आवासों खाली करने के लिए जारी नोटिस के खिलाफ ग्रामीण गोलबंद

सिंदरी (आजाद सिपाही)। एफसीआइएल आवासों को खाली कराने के लिए जारी नोटिस के खिलाफ क्षेत्र में विरोध तेज होता जा रहा है। इसी क्रम में झारखंड बचाओ संग्राम समिति ने 28 नवंबर 2025, शुक्रवार को 3 बजे से एक विशाल जुलूस निकालने की घोषणा की है। समिति के अध्यक्ष कौशल सिंह ने सिंदरी वासियों से अधिक से अधिक संख्या में शामिल होकर इस आंदोलन को सफल बनाने की अपील की है। कौशल सिंह ने बताया कि एफसीआईएल आवासों में वर्षों से रह रहे परिवारों को अचानक नोटिस देकर बेघर करने का प्रयास अन्यायपूर्ण है। इस तरह की कार्रवाई जनविरोधी है, जिसके विरोध में यह जुलूस आयोजित किया जा रहा है। समिति ने डोमगढ़, मनोहरटांड, एसएल-2, रांगामाटी, सहरपुरा और झुग्गी-झोपड़ी बस्ती के सभी निवासियों से एकजुट होकर अपनी चाटानी एकता का परिचय देने और जुलूस में शामिल होने की अपील की है। जुलूस में बड़ी संख्या में लोगों के शामिल होने की संभावना है। स्थानीय सामाजिक संगठनों और नागरिकों ने भी इस मुद्दे पर चिंता जताते हुए शांतिपूर्ण जनआंदोलन के समर्थन की बात कही है। कौशल ने कहा कि यदि एफसीआइएल ने नोटिस वापस नहीं लिया, तो आंदोलन और भी तेज किया जायेगा।

आरजेडी पिछड़ा प्रकोष्ठ के सचिव बने अनिल कुमार

धनबाद (आजाद सिपाही)। नव मनोनीत प्रदेश सचिव अनिल कुमार यादव ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर बताया कि राष्ट्रीय जनता दल पिछड़ा प्रकोष्ठ झारखंड के प्रदेश अध्यक्ष सुनील साहू ने संगठन विस्तार की तीसरी सूची जारी की हैं। जिसमें प्रदेश सचिव का दायित्व देकर मुझ पर भरोसा जताने के लिए प्रदेश अध्यक्ष श्री साहू के प्रति आभार व्यक्त करता हूं। आरजेडी पिछड़ा प्रकोष्ठ के माध्यम से राष्ट्रीय जनता दल को और भी अधिक मजबूत बनाने के लिए निर्देशानुसार लगातार प्रयत्नशील रहूंगा। अनिल कुमार यादव को प्रदेश सचिव बनाकर उचित और सराहनीय निर्णय लेने के लिए धनबाद जिला के आरजेडी नेताओं के द्वारा प्रदेश अध्यक्ष श्री साहू को धन्यवाद और अनील यादव को बधाई एवं शुभकामनाएं देने वालों में मुख्य रूप से जिलाध्यक्ष राघवेन्द्र कुमार यादव, धनबाद नगर के अध्यक्ष मुमताज कुरैसी, प्रदेश उपाध्यक्ष बिक्रम प्रसाद यादव, प्रदेश महासचिव सुखदेव विद्रोही एवं तारापदो दिवाकर, पिछड़ा प्रकोष्ठ के जिलाध्यक्ष सत्येन्द्र कुमार शर्मा, पूर्व जिलाध्यक्ष प्रभात कुमार महतो इत्यादि कई लोग शामिल रहें।

1 दिसंबर को होगा फुटपाथ दुकानदार महासंघ का धरना

बोकारो (आजाद सिपाही)। झुग्गी-झोंपड़ी वासी सह फुटपाथ दुकानदार महासंघ और अन्य सहयोगी दुकानदार संघों की ओर से सोमवार एक दिसंबर को बोकारो इस्पात नगर सेवा भवन के समक्ष प्रदर्शन किया जायेगा। सेल प्रबंधन के संपदा न्यायालय द्वारा दुंदीबाद और सिटी सेंटर सेक्टर चार के दुकानदारों को अतिक्रमण हटाओ अभियान के तहत एक हफ्ते में दुकाने हटा लेने का का नोटिस जारी किया गया है। इसी के विरोध में झुग्गी-झोंपड़ी और दुकानदार संगठनों ने संयुक्त रूप से प्रदर्शन का निर्णय लिया है। यह जानकारी महासंघ के संरक्षक कुमार राकेश ने दी है। उन्होंने बताया कि सेल अध्यक्ष को नगर सेवा विभाग के मुख्य महाप्रबंधक के माध्यम से मांगपत्र सौंप कर न्याय की मांग की जायेगी। मांगपत्र में किसी भी दुकान को हटाने से पूर्व पुनर्वासित करने, अतिक्रमण हटाओ अभियान के दौरान जिन मीट दुकानदारों की दुकानें तोड़ी गयी हैं या जिन्होंने स्वयं ही व्यवसाय बंद कर दिया है, उन्हें पुनर्वासित करने, जो अन्य दुकानदार और झुग्गीवासी बेघर हुए हैं, उन्हें मुआवजा देने और पुनर्वासित करने सहित अन्य मांगे शामिल रहेंगी।

मेडिकल कैंप में तीन सौ महिला कर्मियों और 48 समिति सदस्यों की हुई जांच

आजाद सिपाही संवाददाता

बोकारो। बोकारो इस्पात संयंत्र द्वारा महिलाओं के स्वास्थ्य संवर्धन, निवारक स्वास्थ्य देखभाल को प्रोत्साहित करने तथा स्वास्थ्य जागरूकता को सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से 27 नवंबर 2025 को बोकारो जनरल अस्पताल के हेल्थ रिट्रीट परिसर में सीआइएसएफ की महिला कर्मियों एवं सीआईएसएफ संरक्षिका की महिलाओं के लिए विशेष स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया। यह शिविर अधिशासी निदेशक (चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाए) डॉ बीबी करुणामय के नेतृत्व में आयोजित किया गया। कार्यक्रम में डीआइजी (सीआईएसएफ) नीति मित्तल, मुख्य चिकित्सा अधिकारी (चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाएं) डॉ आनंद कुमार, डॉ अनिन्दा मंडल, डॉ इन्द्रनील चौधरी, एसीएमओ प्रभारी डॉ दीपक कुमार सहित बोकारो जनरल अस्पताल के अन्य चिकित्सक एवं स्वास्थ्यकर्मी उपस्थित थे।

शिविर के दौरान महिलाओं की उंचाई, वजन, बॉडी मास इंडेक्स, रक्तचाप, ईसीजी, रक्त परीक्षण, कैंसर स्क्रीनिंग जैसी विभिन्न महत्वपूर्ण स्वास्थ्य जांचें की गयी। उल्लेखनीय है कि इससे पूर्व अक्टूबर माह में भी बीएसएल की महिला कर्मचारियों एवं बोकारो महिला समिति की सदस्याओं के लिए स्वास्थ्य परीक्षण शिविर आयोजित किया गया था, जिसमें लगभग 300 महिला कर्मचारियों एवं 48 समिति सदस्याओं की जांच की गयी थी।

बोकारो इस्पात संयंत्र महिला स्वास्थ्य संरक्षण और निवारक चिकित्सा को बढ़ावा देने की दिशा में निरंतर प्रयास करता रहा है। इस स्वास्थ्य शिविर के माध्यम से यह संदेश दिया गया कि रोगों से बचाव उपचार से अधिक प्रभावी है। नियमित स्वास्थ्य जांच न केवल बीमारियों की प्रारंभिक पहचान में सहायक होती है, बल्कि महिलाओं के संपूर्ण स्वास्थ्य, सुरक्षा और कार्य क्षमता को भी बेहतर बनाती है।

सेंट मेरीज नर्सरी स्कूल के बच्चों ने श्रम सर्वोपरि विषय पर नाटक का किया मंचन

आजाद सिपाही संवाददाता

बोकारो। सेंट मेरीज नर्सरी स्कूल में हिंदी नाट्य प्रतियोगिता का आयोज किया गया। जिसमें प्रेप कक्षा के बच्चों ने श्रम सर्वोपरिह्व विषय- वस्तु पर आधारित एक प्रभावशाली नाट्य प्रस्तुति दी। नन्हे कलाकारों ने अपने अभिनय और संवादों के माध्यम से यह प्रेरणादायक संदेश दिया कि श्रम ही सच्चा धन है। बच्चों ने बताया कि मेहनत से ही प्रगति का मार्ग प्रशस्त होता है और जो व्यक्ति परिश्रम को अपनाता है, वही जीवन में सच्ची सफलता प्राप्त करता है। प्रस्तुति ने दर्शकों का मन मोह लिया। सभी ने बच्चों के आत्मविश्वास तथा अभिनय कौशल की सराहना की।

विद्यालय के प्रधानाचार्य रेवरेंड फादर डीनू एम डेनियल ने बच्चों के प्रयासों की प्रशंसा करते हुए कहा कि ऐसे मंच बच्चों में नैतिक मूल्यों, परिश्रम के महत्व और आत्मविश्वास को बढ़ावा देते हैं।

केंद्रीय कोयला सचिव विक्रम दत्त का बेलगाड़िया दौरा आज

आजाद सिपाही संवाददाता

झरिया। भारत सरकार के कोयला सचिव विक्रम देव दत्त शुक्रवार यानी 28 नवंबर को धनबाद में आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों में शामिल होने वाले हैं। इस दौरान वो बीसीसीएल कार्यालय और झारिया पुनर्वास एवं विकास प्राधिकार (जेआरडीए) के अधिकारियों के साथ बैठक करने के साथ साथ बेलगाड़िया समेत प्रभावित क्षेत्रों का भी दौरा करने वाले है। जिसकी तैयारियों को लेकर गुरुवार को धनबाद उपायुक्त आदित्य रंजन बेलगाड़िया में हो रही प्रशासनिक तैयारियों का जायजा लिया। उपायुक्त आदित्य रंजन ने इस दौरान बताया कि पुनर्वास में विस्थापितों को बेहतर सुविधाए, विभिन्न योजनाओं का लाभ और उन्हें उनका अधिकार मिल सके इसको लेकर कार्य किये जा रहें हैं, ताकि विस्थापितों को किसी तरह का मलाल न रहे। उन्होंने बताया कि बेलगाड़िया में विस्थापितों को प्रीमियम सोसायटी में बनने वाले प्राइवेट अपार्टमेंट जैसे आवास बनाकर देने का प्रयास किया जा रहा हैं। जिसमें उन्हें 24 घंटे बिजली, पानी, स्ट्रीट लाइट, सुरक्षा, इत्यादि मिलेंगी। उन्होंने बताया कि सुरक्षा के लिए यह पुलिस थाना का भी निर्माण किया जा रहा है। इसके साथ ही यहां के आसपास के तमाम सड़को का नवीनीकरण कर उसे फोर लेन बनाने की प्रक्रिया भी चल रही है, जिससे आने वाले समय मे यह जगह धनबाद के जाने-माने क्षेत्रों में गिना जाएगा। उन्होंने बताया कि यहां के युवकों को रोजगार से जोड़ने के लिए भी अब तक यहां के बेरोजगार युवकों के बीच 20 टोटो का भी वितरण किया जा चुका है, साथ ही युवाओं की मंशा भी जानने का प्रयास किया जाएगा, ताकि उन्हें अन्य और ज्यादा से ज्यादा रोजगार के साधन उपलब्ध कराए जा सके। वहीं, फेज तीन में बने आवासों के खिड़की-दरवाजे चोरों द्वारा चोरी किए जाने के मामले पर उपायुक्त ने बताया कि भवन बनाए जाने के बाद वहां विभिन्न कारणों से लोगों को बसाया नही जा सका, जिससे चोरों को मौका मिला, जिसमें उन्होंने सरकार की भी गलती मानते हुए कहा कि अब सरकार का मेन फोकस विस्थापितों के शिफ्टिंग पर है।

जोड़ापोखर में चोरी के बुलेट के साथ एक गिरफ्तार

आजाद सिपाही संवाददाता

जोड़ापोखर/ झरिया। जोड़ापोखर थाना क्षेत्र के फुसबंग्ला से चोरी हुई बुलेट मोटरसाइकिल को पुलिस ने बरामद कर लिया है और चोर को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। थाना प्रभारी उदय कुमार गुप्ता ने बताया कि फुसबंग्ला निवासी शुभम कुमार की बुलेट संख्या यूपी 16 सीआर 7544 जामाडोबा बाजार से अज्ञात चोर ने चोरी कर ली थी। इस मामले में जोड़ापोखर थाना में काण्ड सं 148/25 दर्ज कर अनुसंधान शुरू किया गया। अनुसंधान के दौरान पुलिस ने अज्ञात चोर संजय कुमार सिंह जोडापोखर निवासी को जोड़ापोखर ग्राउंड से गिरफ्तार किया और उसके पास से चोरी हुई बुलेट मोटरसाइकिल संख्या यूपी16 सीआर 7544 बरामद की। अभियुक्त संजय कुमार सिंह को न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया है। छापेमारी टीम में थाना प्रभारी उदय कुमार गुप्ता, पुअनि सोमेश्वर कुमार सिंह, सअनि सलन पौल केरकेट्टा आदि शामिल थे।

राष्ट्रपति ने ओड़िशा विधानसभा के सदस्यों को संबोधित किया

सभी हितधारक 2036 तक मिल कर काम करें, तो 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने में ओड़िशा का सबसे बड़ा योगदान होगा : द्रौपदी मुर्मु

आजाद सिपाही संवाददाता

भुवनेश्वर। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने गुरुवार को ओड़िशा की राजधानी भुवनेश्वर में विधानसभा के सदस्यों को संबोधित किया। ओड़िशा विधानसभा के सदस्यों को संबोधित करते हुए राष्ट्रपति की पुरानी यादें ताजा हो गयीं। राष्ट्रपति ने कहा कि कई वर्षों के बाद, इस जगह की पुरानी यादें ताजा हो गयी हैं, जहां उन्होंने एक विधायक के रूप में इस सदन में कई प्रश्न पूछे थे और एक मंत्री के रूप में विधायकों के प्रश्नों के उत्तर दिए थे। राष्ट्रपति श्रीमती मुर्मू ने कहा कि ओड़िशा ने भारतीय स्वतंत्रता संग्राम एवं राष्ट्र निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभायी है। इस भूमि ने चंद्रशोक को धर्मशोक के रूप में परिवर्तन होते देखा है। उन्होंने आगे कहा कि ओड़िशा के जनजातीय समुदायों ने विदेशी शासन के विरुद्ध संघर्ष करके देश में एक मिसाल कायम की है।

राष्ट्रपति ने इस बात पर बल दिया कि ओड़िशा में महिला सशक्तिकरण की एक प्राचीन परंपरा रही है। उन्होंने कहा कि यह बहुत गर्व की बात है कि राज्य विधानसभा में महिला प्रतिनिधित्व का एक लंबा इतिहास रहा है। उन्होंने कहा कि आजादी से पहले और बाद में, राज्य में कोई भी ऐसी विधानसभा नहीं रही है, जहां महिलाओं को प्रतिनिधित्व न प्राप्त हुआ हो। उन्होंने कहा कि ओड़िशा की महिलाओं ने विभिन्न क्षेत्रों में सफलता प्राप्त करके देश का नाम रौशन किया है। राष्ट्रपति ने कहा कि ओड़िशा विधानसभा ने अनेक जन कल्याणकारी कानून पारित किए हैं। उन्हें यह जानकर खुशी महसूस हुई कि राज्य की 17वीं विधानसभा ने बहुत ही कम समय में कई सार्थक बैठकें आयोजित की हैं। उन्होंने कहा कि इस विधानसभा में संवाद की एक स्वस्थ परंपरा रही है। राष्ट्रपति ने कहा कि ओड़िशा तेजी से विकास कर रहा है। उन्होंने ओड़िशा सरकार की सराहना करते हुए कहा कि कृषि, शिक्षा, स्वास्थ्य, जनजाति एवं अन्य वंचित वर्गों के विकास, आवास, आपदा प्रबंधन आदि क्षेत्रों में कई नई पहलें हुई हैं। उन्होंने खुशी व्यक्त किया कि केंद्र और राज्य सरकारों के संयुक्त प्रयासों से ओड़िशा में औद्योगिकीकरण की प्रक्रिया नया स्वरूप ले रही है।

राष्ट्रपति ने कहा कि प्रकृति ने ओड़िशा को हर प्रकार की संपदा से समृद्ध किया है। यह खनिज संसाधनों, जंगलों और जल संसाधनों के साथ-साथ मानव संसाधनों से भी समृद्ध है। ओड़िशा का पर्यावरण कृषि, उद्योग एवं वाणिज्य के विकास के लिए अत्यधिक अनुकूल है। उन्होंने कहा कि इन सभी अवसरों का उपयोग करके ओड़िशा को देश के एक प्रमुख राज्य में स्थापित किया जा सकता है।

राष्ट्रपति ने कहा कि 2036 में ओड़िशा की स्थापना शताब्दी मनायी जायेगी। अगर सभी संबंधित हितधारक 2036 तक एक समृद्ध ओड़िशा के निर्माण के लिए मिलकर काम कर सकते हैं तो यह ओड़िशा का भारत को 2047 तक विकसित राष्ट्र बनाने में सबसे बड़ा योगदान होगा। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि सभी 'राष्ट्र पहले' की भावना के साथ काम करेंगे। राष्ट्रपति ने कहा कि विधायक जन प्रतिनिधि होते हैं। ओड़िशा के लोग उनसे अत्यधिक आशा रखते एवं विश्वास करते हैं और लोगों ने उन्हें बड़ी जिम्मेदारी सौंपी है। सभी विधायकों का कर्तव्य है कि वे नागरिकों की अपेक्षाओं को पूरा करें, उनके सपनों को साकार करें और उनके चेहरे पर मुस्कान लायें।

राष्ट्रपति ने कहा कि यह प्रौद्योगिकी का युग है। जन प्रतिनिधि के रूप में विधायकों के कई प्रशंसक एवं अनुयायी होते हैं और वे जानने को उत्सुक रहते हैं कि वे क्या कहते हैं और क्या करते हैं। उनके शब्द और आचरण दोनों ही अमूल्य हैं। विधायक जो भी कहते हैं और इसे कैसे कहते हैं, वह सदन के अंदर और बाहर सभी को पता होता है। राष्ट्रपति ने कहा कि विधायकों का आचरण और शब्द ऐसे होने चाहिए कि उन्हें अपनाकर उनके प्रशंसक एवं अनुयायी समाज और राज्य के निर्माण में मदद कर सकें।

बिहार राज्य ब्रह्मर्षि महासम्मेलन संपन्न

शिक्षा को बढ़ावा देने का प्रस्ताव पारित

आजाद सिपाही संवाददाता

बेगूसराय, तेघड़ा। बरौनी गांव, तेघड़ा में बिहार राज्य ब्रह्मर्षि महासम्मेलन का भव्य आयोजन किया गया। इसमें बिहार के 38 जिलों से प्रतिनिधि, सामाजिक कार्यकर्ता एवं गणमान्य लोग बड़ी संख्या में शामिल हुए। कार्यक्रम का संचालन बरौनी गांव के सम्मानित मुखिया पंकज कुमार सिंह द्वारा गरिमापूर्ण तरीके से किया गया। महासम्मेलन के मुख्य अतिथि पूर्व आइजी लक्ष्मण प्रसाद सिंह रहे तथा उनकी अध्यक्षता में कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

उपस्थित अतिथियों ने समाज की एकता, शिक्षा, युवाओं के मार्गदर्शन एवं सामाजिक उत्थान से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों पर अपने विचार व्यक्त किये।

कार्यक्रम के दौरान समाज को संगठित करने, शिक्षा को बढ़ावा देने तथा सामाजिक जागरूकता को मजबूत करने हेतु महत्वपूर्ण प्रस्ताव भी पारित किए गये। अंत में सभी आगंतुकों ने बिहार राज्य ब्रह्मर्षि समाज की मजबूती एवं उज्ज्वल भविष्य के लिए मिलकर कार्य करने का संकल्प लिया।

झारखंड में फर्म : बांग्लादेश तक सप्लाई

मास्टरमाइंड के करीबी अमित टाटा को एसटीएफ ने दबोचा

आजाद सिपाही संवाददाता

लखनऊ। कोडीन मिक्स कफ सिरप की तस्करी मामले में सिंडिकेट के फरार मास्टरमाइंड शुभम जायसवाल के करीबी अमित सिंह टाटा को एसटीएफ ने गिरफ्तार कर लिया है। इससे पूछताछ की जा रही है। इसके पिता अशोक सिंह पर एफआइआर दर्ज है। सिरपकांड में एसटीएफ लगातार कार्रवाई कर रही है। बताया गया कि झारखंड की फर्म देवकृपा अमित सिंह टाटा से जुड़ी है। इस पूरे सिंडिकेट का मास्टरमाइंड वाराणसी निवासी शुभम जायसवाल है, जो दुबई भाग चुका है। ज्ञात हो कि 18 अक्तूबर को सोनभद्र पुलिस ने इस सिंडिकेट का खुलासा किया था। इसके बाद 4 नवंबर को गाजियाबाद से सौरभ त्यागी की गिरफ्तारी हुई।

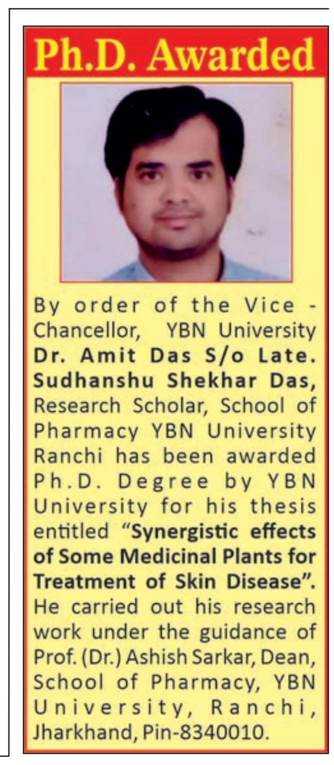

इमरान खान जेल में, बाहर मौत की अफवाह

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तान के पूर्व पीएम इमरान खान की मौत को लेकर सोशल मीडिया पर अफवाह तेज हो गयी है। इमरान अगस्त 2023 से रावलपिंडी की अडियाला जेल में बंद हैं। कुछ मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया जा रहा है कि उनकी तबीयत ठीक नहीं है। पिछले 3 हफ्तों से इमरान की बहनें उनसे मिलने की कोशिश कर रही हैं, लेकिन जेल प्रशासन इसकी अनुमति नहीं दे रहा है। इसके चलते से इमरान की खराब सेहत के कयास लगाये जा रहे हैं।

हांगकांग के 'ताई पो' जिले में लगी 77 साल में सबसे भीषण आग

8 बहुमंजिला इमारतें जलीं, 65 मौतें

- 280 लोग अभी भी लापता ठेकेदार समेत 3 गिरफ्तार

एजेंसी

हॉन्ग कॉन्ग। हॉन्गकॉन्ग के 'ताई पो' जिले में बुधवार को एक बड़े रिहायशी कॉम्प्लेक्स में आग लग गयी। यह 77 साल में लगी सबसे भीषण आग बतायी जा रही है। आग इतनी तेज थी कि 24 घंटे बाद भी 8 में से सिर्फ 5 इमारतों पर काबू पा लिया गया। 3 इमारतों की ऊपरी मंजिलों में आग अभी भी जल रही है। इस हादसे में अब तक 65 लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि 76 गंभीर रूप से घायल हैं। वहीं, 280 लापता हैं। ये कॉम्प्लेक्स आठ इमारतों का था, जिनमें हर इमारत 35 मंजिलों की थी। इसमें करीब दो हजार अपार्टमेंट थे। जांच में पता चला कि लिफ्ट की खिड़कियों को ढकने के लिए इस्तेमाल किया गया स्टाइरोफोम में आग तेजी से फैली। इसी वजह से आग इतनी तेजी से फैल गई। मामले में पुलिस ने ठेकेदार समेत तीन लोगों को गिरफ्तार भी किया है।

एक इमारत से दूसरी इमारत तक फैली आग : तेज हवा और जलते हुए मलबे की वजह से लपटें एक इमारत से दूसरी इमारत तक फैलती चली गयीं। जब आग भड़की, तो कई लोगों को इसकी भनक तक नहीं लगी, क्योंकि मरम्मत की वजह से खिड़कियां बंद थीं। आग बुझाने पहुंची टीम को भी काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ा।

नयी दिल्ली में वीमेंस प्रीमियर लीग का पहला मेगा ऑक्शन

दीप्ति शर्मा को यूपी ने 3.20 करोड़ में खरीदा श्री चरणी को दिल्ली ने दिये 1.30 करोड़ रुपये

आजाद सिपाही संवाददाता

नयी दिल्ली। विमेंस प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) का पहला मेगा ऑक्शन नयी दिल्ली में चल रहा है। भारत की दीप्ति शर्मा पर सबसे बड़ी बोली लगी, उन्हें 3.20 करोड़ रुपये में यूपी वॉरियर्स ने खरीदा। मुंबई इंडियंस ने न्यूजीलैंड की अमीलिया केर को 3 करोड़ रुपये में अपने साथ जोड़ा।

पहली बोली ऑस्ट्रेलिया की कप्तान और विकेटकीपर एलिसा हीली पर लगी, लेकिन उन्हें किसी ने नहीं खरीदा। न्यूजीलैंड की सोफी डिवाइन को गुजरात ने 2 करोड़ रुपये में खरीदा है। दिल्ली को 3 बार फाइनल में पहुंचाने वालीं कप्तान मेग लैनिंग 1.90 करोड़ रुपये में यूपी का हिस्सा बनीं।

दीप्ति को पहले दिल्ली ने 50 लाख रुपए में खरीदा था। फिर यूपी ने उन पर राइट टु मैच (आरटीएम कार्ड) का इस्तेमाल किया। दिल्ली ने उनकी कीमत बढ़ाकर 3.20 करोड़ रुपये कर दी। यूपी ने इस प्राइस को भी मैच किया और दीप्ति को टीम में शामिल कर लिया।

टीम	खिलाड़ी	बेस प्राइस	विनिंग बोली
यूपी	दीप्ति शर्मा	₹50 लाख	₹3.2 करोड़*
मुंबई	अमेलिया केर	₹50 लाख	₹3 करोड़
गुजरात	सोफी डिवाइन	₹50 लाख	₹2 करोड़
यूपी	मेग लैनिंग	₹50 लाख	₹1.9 करोड़
दिल्ली	चिनेल हेनरी	₹30 लाख	₹1.3 करोड़
दिल्ली	श्री चरणी	₹30 लाख	₹1.3 करोड़

* प्लेयर्स पर RTM यूज हुआ है।

8 प्लेयर्स करोड़पति बनीं : डब्ल्यूपीएल मेगा ऑक्शन में 11 सेट तक 67 प्लेयर्स का नाम आया, जिनमें 27 को ही खरीदार मिले। बाकी प्लेयर्स अनसोल्ड रहीं। 27 में 13 विदेशी और 14 भारतीय रहीं। इन पर 25.15 करोड़ रुपये खर्च हुए। 8 खिलाड़ियों की कीमत 1 करोड़ रुपये से ज्यादा रही। जिनमें 6 विदेशी और 2 ही भारतीय रहीं। दीप्ति शर्मा 3.20 करोड़ रुपये के साथ सबसे महंगी प्लेयर रहीं। उन्हें यूपी वॉरियर्ज ने खरीदा। अमीलिया केर 3 करोड़ में मुंबई, सोफी डिवाइन 2 करोड़ में गुजरात और मेग लैनिंग 1.90 करोड़ में यूपी का हिस्सा बनीं। दिल्ली ने शिनेले हेनरी को 1.30 करोड़, लौरा वोल्वार्ट को 1.10 करोड़ और श्री चरणी को 1.30 करोड़ रुपए में खरीदा। फीबी लिचफील्ड 1.20 करोड़ रुपये में यूपी का हिस्सा बनीं।

9वें सेट की सभी प्लेयर्स अनसोल्ड रहीं : 9वें सेट की सभी प्लेयर्स अनसोल्ड रहीं। अनकैप्ड विकेटकीपर्स के इस सेट में 5 प्लेयर्स के नाम ऑक्शन पूल पर रखे गये, लेकिन इन पर किसी फ्रैंचाइजी ने रुचि नहीं दिखायी।

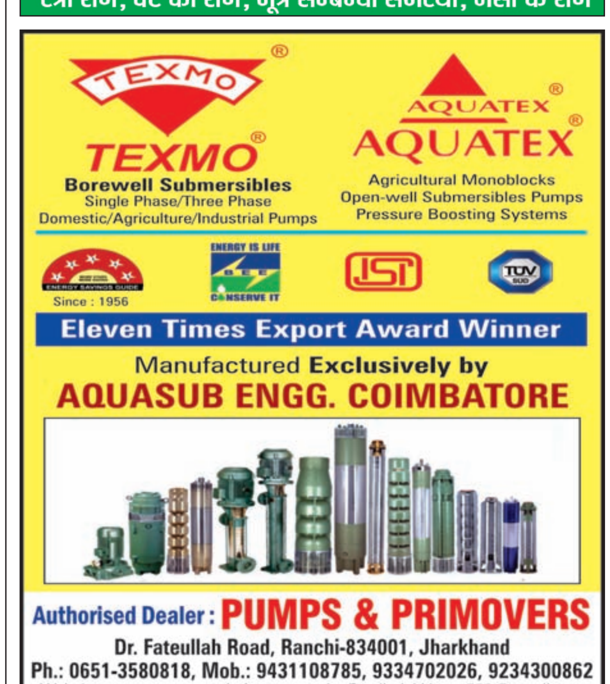

आजाद सिपाही की ओर से स्वत्वाधिकारी लैंडस्केप मीडिया प्रा. लि., प्रकाशक एवं मुद्रक हरिनारायण सिंह के लिए 176 कोकर चौक, ओल्ड एचबी रोड, रांची 834001 (झारखंड) से प्रकाशित तथा डीबी प्रिंट सोल्यूशंस (ए यूनिट ऑफ डीबी कार्प लिमिटेड), प्लॉट नं. 535 एवं 1272, ललगुटवा, पुलिस स्टेशन, रातू, रांची, झारखंड से मुद्रित। **संस्थापक प्रधान संपादक :** स्व. हरिनारायण सिंह, **संपादक :** राकेश सिंह, **स्थानीय संपादक* :** विनोद कुमार,***पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के लिए जिम्मेदार, **राज्य समन्वय संपादक :** अजय शर्मा। समस्त दिवानी विवादों, न्यायोचित कार्रवाइयों एवं दंडित परिवादों के लिए क्षेत्राधिकार रांची न्यायालय में रहेगा। फोन : 9264434560, **R.N.I. No.-JHAHIN/2015/65109,** Postal Registration No. **RN/249/2019-21**